दैनिक
अर्थ प्रकाश

खबरों की विश्वसनीयता, हमारी पहचान

पंजाब • हरियाणा • हिमाचल • चंडीगढ़ • दिल्ली • उत्तराखंड • बिहार • उत्तरप्रदेश • राजस्थान • छत्तीसगढ़ से प्रसारित

सुबल वाणी

सोच खूबसूरत हो तो सब कुछ अच्छा नजर आता है।

वर्ष 40 | चंडीगढ़, बुधवार, 30 अप्रैल, 2025 | बैशाख शुक्ल पक्ष: तृतीया विक्रमी संवत-2082 | www.arthparkash.com | YouTube/Arth Parkash TV | अंक: 118 | मूल्य 2.00 रुपये | पृष्ठ: 12

पहलगाम हमला: प्रधानमंत्री ने राजनाथ, डोभाल, सीडीएस व तीनों सेना प्रमुखों के साथ की हाई लेवल मीटिंग

तरीका, टारगेट और समय तय करें सेना: मोदी

प्रधानमंत्री की तीनों सेनाओं को खुली छूट

कहा- आतंकवाद को कुचलना हमारा राष्ट्रीय संकल्प

तीनों सेनोओं को कार्रवाई के लिए कोई बाधा नहीं होगी

अर्थ प्रकाश नेटवर्क

नई दिल्ली। पीएम मोदी ने मंगलवार को आतंकवाद से निपटने के लिए तीनों सेनाओं को खुली छूट दे दी। न्यूज एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, पीएम मोदी ने कहा कि आतंकवाद को करारा झटका देना हमारा राष्ट्रीय संकल्प है। हमें भारतीय सशस्त्र बलों की पेशेवर क्षमताओं में पूरा विश्वास है। आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई के तरीका, लक्ष्य और समय सेना तय करें। पीएम ने यह बात मंगलवार को तीनों सेनाओं के प्रमुख, एनएसए अजीत डोभाल, सीडीएस अनिल चौहान के साथ हाई लेवल मीटिंग में कही। यह बैठक डेढ़ घंटे से ज्यादा चली। सूत्रों के मुताबिक, इस मीटिंग के आधे घंटे बाद गृहमंत्री अमित शाह और आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत पीएम आवास पहुंचे हैं।

गृहमंत्री ने भी एनएसजी, बीएसएफ के साथ बैठक की। इस हाईलेवल बैठक में गृह मंत्री अमित शाह के साथ राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी), बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स (बीएसएफ), केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) और सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

पहलगाम हमले ने देश को झकझोर दिया

पहलगाम में हुए आतंकी हमले ने पूरे देश को झकझोर दिया था। इस हमले में आतंकवादियों ने पर्यटकों को निशाना बनाया, जिसके बाद देश भर में आक्रोश देखा गया। सूत्रों के अनुसार, भारत ने हमले के बाद अपनी खुफिया एजेंसियों को सक्रिय कर दिया है और सीमा पार आतंकी ठिकानों पर नजर रखी जा रही है। सेना ने जम्मू-कश्मीर में अपनी चौकसी बढ़ा दी है और संदिग्ध गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। इसके अलावा, खुफिया जानकारी के आधार पर आतंकवादियों के खिलाफ लक्षित ऑपरेशन शुरू कर दिया है।

सेना को एक्शन लेने की पूरी आजादी

प्रधानमंत्री ने कहा कि थल सेना, नौसेना और वायुसेना को आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई के लिए किसी भी प्रकार की बाधा नहीं होगी। यह फैसला पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद लिया गया, जिसमें निर्दोष नागरिकों को निशाना बनाया गया। पीएम ने जोर देकर कहा कि भारत आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर अडिग है और सेनाएं इस खतरे को जड़ से उखाड़ फेंकने के लिए स्वतंत्र हैं। उन्होंने सेना की क्षमता और समर्पण की सराहना करते हुए कहा कि देश को अपनी सशस्त्र सेनाओं पर पूरा भरोसा है।

आज ये होंगी हाई लेवल बैठकें

सुबह 11 बजे से प्रधानमंत्री आवास पर सीसीएस (कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी) की बैठक होगी।

सीसीईए (कैबिनेट कमेटी ऑन इकॉनोमिक अफेयर्स) के मेंबर मिलेंगे।

पीएम की अध्यक्षता में कैबिनेट की बैठक होगी। समय अभी तय नहीं है, लेकिन ये तीनों बैठकें एक के बाद एक होंगी।

भारत-पाकिस्तान अटारी बॉर्डर आज से बंद

786 पाक नगारिक वापस लौटे, देरी से पहुंचे लोगों को नहीं मिली बॉर्डर पार जाने की अनुमति

अर्थ प्रकाश संवाददाता

अमृतसर। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद केंद्र सरकार की तरफ से लिए गए फैसले के अनुसार मंगलवार से भारत-पाकिस्तान के बीच बना अटारी बॉर्डर पूरी तरह से बंद हो गया है। आज शाम 5 बजे के बाद कोई पाकिस्तानी नागरिक इस बॉर्डर के रास्ते पाकिस्तान नहीं गया और अगले आदेश तक न जा सकेगा। भारत से कुल कितने पाकिस्तानी अटारी के रास्ते वापस रवाना हुए हैं, इसका आधिकारिक आंकड़ा जारी नहीं किया गया है। लेकिन जानकारी के अनुसार 24 अप्रैल से आज तक लगभग 786 पाकिस्तानी वापस गए हैं। अनुमान था कि मंगलवार को दोबारा भारत सरकार पाक नागरिकों को वापस जाने को अतिरिक्त समय दिया जाएगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। जिसके बाद 5 बजे के बाद आने वाले पाक नागरिकों को अटारी बॉर्डर के इमिग्रेशन विभाग ने वापस भेज दिया।

इसी दौरान जम्मू-कश्मीर की कठुआ पुलिस भी कुछ पाकिस्तानी नागरिकों को लेकर अटारी बॉर्डर पहुंची थी। लेकिन 5 बजे से अधिक समय होने के कारण इमिग्रेशन विभाग ने उन्हें रिसीव करने से मना कर दिया। जिसके बाद जम्मू-कश्मीर पुलिस उन्हें वापस ले गई।

न्यूज ब्रीफ

स्कूलों की फीस बढ़ोतरी को रोकने के लिए दिल्ली सरकार बनाएगी कानून

नई दिल्ली (अप्रस)। दिल्ली सरकार ने स्कूलों की फीस बढोत्तरी को रोकने के लिए एक नया कानून बनाने का फैसला किया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में मंगलवार को यहां हुई दिल्ली मंत्रिमंडल की बैठक में इससे संबंधित 'दिल्ली विद्यालय शुल्क निर्धारण (पारदर्शी एवं नियमन) विधेयक 2025' को मंजूरी दी गई। बैठक के बाद रेखा गुप्ता और शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने संवाददाता सम्मेलन में बताया कि दिल्ली के लिए यह ऐतिहासिक निर्णय है। पहली बार बच्चों के भविष्य और अभिभावकों की सुविधा हेतु यह निर्णय किया गया है। अब कोई भी स्कूल अपनी मनमानी नहीं कर पाएगा। दिल्लीमें अभी तक निजी स्कूलों की फीस निर्धारण और वृद्धि पर अंकुश को लेकर ऐसा कोई अधिनियम नहीं था। सूद ने कहा कि 1973 के एक्ट में फीस बढोत्तरी के खिलाफ कोई प्रावधान नहीं था। पिछली सरकार ने इस पर कोई निर्णय नहीं लिया। बच्चों का भविष्य भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि किसी बच्चे को फीस नहीं देने पर बाहर बिठाया को पचास हजार प्रति बच्चे के हिसाब से स्कूल को जुर्माना देना होगा। उन्होंने कहा कि कैबिनेट ने विधेयक को मंजूर किया है जिसे जल्द ही विधानसभा से पारित किया जाएगा। सीएम गुप्ता ने कहा दिल्ली सरकार ने एक ऐतिहासक और साहसिक फैसला किया है जिसमें दिल्ली के सभी 1677 प्राइवेट स्कलों को फीस को लेकर गाइडलाइन तय किया जाएगा। इस विधेयक में शिक्षा निदेशायल के साथ साथ स्कूल प्रबंधन के साथ साथ अभिभावकों की भी भूमिका होगी। इससे पहले की सरकार फीस बढतरी न हो उसको लेकर कोई काम नहीं किया था।

भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में यूपीएससी उत्तीर्ण अभ्यार्थी अपनी कलम से लिखेंगे पटकथा: नायब सैनी

हरियाणा के धाकड़ छौरे व छोरियां देश में हरियाणा की छोड़ेंगे अमिट छाप

भारतीय प्रशासनिक सेवा व अन्य सेवाओं में उत्तीर्ण हरियाणा के अभ्यर्थियों को किया सम्मानित

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़, 29 अप्रैल। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित यूपीएससी में उत्तीर्ण हरियाणा के 64 अभ्यर्थियों को सम्मानित कर बधाई दी और आशा व्यक्त की है कि वह भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के विजन को साकार करने में अपनी प्रतिभा का योगदान देंगे और सराहनीय कार्य करके धाकड़ हरियाणा की धाक बनाए रखेंगे।

मुख्यमंत्री मंगलवार को चंडीगढ़ स्थित अपने निवास संत कबीर कुटीर में आयोजित सिविल सेवा परीक्ष 2024 के नवचयनित हरियाणा के होनहार अभ्यर्थियों के सम्मान समारोह में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि आप सभी युवा विकसित भारत के सपने की नींव व कर्णधार हैं, देश को आपसे काफी उम्मीदें हैं। विश्वास है कि आप देश के हर हिस्से में पहुंचकर भारत की अनेकता में एकता के भाव को मजबूत करने के साथ-साथ हरियाणा का भी नाम रोशन करेंगे। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 से पहले हरियाणा के युवा नौकरी पाने के लिए विधायकों व मंत्रियों के कार्यालयों के चक्कर लगाते थे, परंतु वर्ष 2014 के बाद प्रदेश सरकार ने मिशन मेरिट व बिना खर्ची-बिना पर्ची के सरकारी नौकरी देने के सिस्टम को लागू किया है। उसके बाद युवा कोचिंग सेंटरों में कोचिंग लेकर सरकारी नौकरियां प्राप्त कर रहे हैं। प्रदेश सरकार ने 1 लाख 75 हजार युवाओं को पारदर्शिता के आधार पर सरकारी नौकरियां दी हैं। उन्होंने कहा कि पिछले 10 वर्षों में प्रदेश के छोटे से छोटे गांवों में भी 5-6 युवाओं को सरकारी नौकरी मिली है। बड़े गांवों में तो यह संख्या 350-400 है।

मुख्यमंत्री की शपथ लेने से पहले हमने 26 हजार युवाओं को ज्वाइनिंग लैटर देकर चुनाव के दौरान नौकरी देने का युवाओं से किया वादा पूरा किया। उन्होंने कहा कि आप भी दृढ़ निश्चय, कड़ी मेहनत और सच्ची लगन की बदौलत इस मुकाम पर पहुंचे हैं। इसके लिए मैं आप सभी को और आपके अभिभावकों को शुभकामनाएं देता हूं।

शेष पेज-2 पर

बिना खर्ची व बिना पर्ची के नौकरी पाने वाले सफल युवाओं की कहानी, उन्हीं की जुबानी

फतेहाबाद जिले के ढाणी गोपाल गांव के रहने वाले अजय कोलिया ने कहा कि इससे पहले उन्हें हरियाणा सरकार में ग्राम सचिव की और उनके भाई को हरियाणा पुलिस में बिना खर्ची-बिना पर्ची के नौकरी मिली थी। सरकार की इस पारदर्शिता के चलते वे नौकरी के साथ तैयारी करते रहे और अब यूपीएससी में सफलता हासिल की। इसी प्रकार फतेहाबाद के गांव ठरवा निवासी विजय लक्ष्मी ने कहा कि वे छोटे से गांव की रहने वाली है। उनके पिता किसान हैं और माता गृहणी हैं। इसके बावजूद अभिभावकों ने उसे पढ़ाई के लिए चंडीगढ़ भेजा। तब लोगों ने काफी ताने दिए थे कि लड़की की उम्र शादी की हो गई, लेकिन अब भी पढ़ाई करवा रहे हो। माता-पिता ने किसी की परवाह नहीं की और उसका साथ दिया। इसी साथ की वजह से उसे यूपीएससी की परीक्षा में 233 वां स्थान मिला है। अब ताने देने वाले लोग ही उनको बधाई दे रहे हैं।

महाराष्ट्र के नासिक की रहने वाली समिता काटकाड़े ठाकुर ने बताया कि उन्हें इससे पहले हरियाणा सरकार में मेरिट के आधार पर खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी की नौकरी मिली थी और वर्तमान वे कैथल के गुहला खंड में कार्यरत हैं। नौकरी के साथ-साथ परीक्षा की तैयारी करती रही और अब यह मुकाम हासिल किया है। इस पर मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि अब आप हरियाणा की बेटी है। यह दुलार उसे हमेशा मिलता रहेगा।

पेगासस रिपोर्ट सार्वजनिक करने से सुप्रीम कोर्ट का इनकार

कहा- देश की सुरक्षा और संप्रभुता से जुड़ी जानकारी सड़क पर चर्चा के लिए नहीं

अर्थ प्रकाश नेटवर्क

नई दिल्ली। पेगासस जासूसी रिपोर्ट को सार्वजनिक करने से सुप्रीम कोर्ट ने इनकार कर दिया है। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस एन कोटेश्वर सिंह की बेंच ने मंगलवार को कहा कि देश की सुरक्षा और संप्रभुता से जुड़ी किसी भी रिपोर्ट का खुलासा नहीं किया जाएगा। बेंच ने कहा कि व्यक्तिगत आशंकाओं का समाधान किया जा सकता है, लेकिन टेक्निकल पैनल की रिपोर्ट सड़कों पर चर्चा के लिए नहीं हो सकती। इस बात की जांच करनी होगी कि जानकारी किस हद तक साझा की जा सकती है। अगली सुनवाई 30 जुलाई को होगी।

गौरतलब है कि 2021 में एक पोर्टल ने अपनी रिपोर्ट में दावा किया था कि केंद्र सरकार ने 2017 से 2019 के दौरान करीब 300 भारतीयों की पेगासस स्पाइवेयर के जरिए जासूसी की। इनमें पत्रकार, वकील, सामाजिक कार्यकर्ता, विपक्ष के नेता और बिजनेसमैन शामिल थे। अगस्त 2021 में मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा। कोर्ट ने अक्टूबर 2021 में जांच के लिए रिटायर्ड जस्टिस आरवी रवींद्रन की अध्यक्षता में कमेटी बनाई। अगस्त 2022 में इसकी रिपोर्ट आई। इसमें कहा गया कि 29 फोन की जांच की गई, उनमें पेगासस का कोई सबूत नहीं मिला, लेकिन उनमें से 5 में मैलवेयर पाया गया।

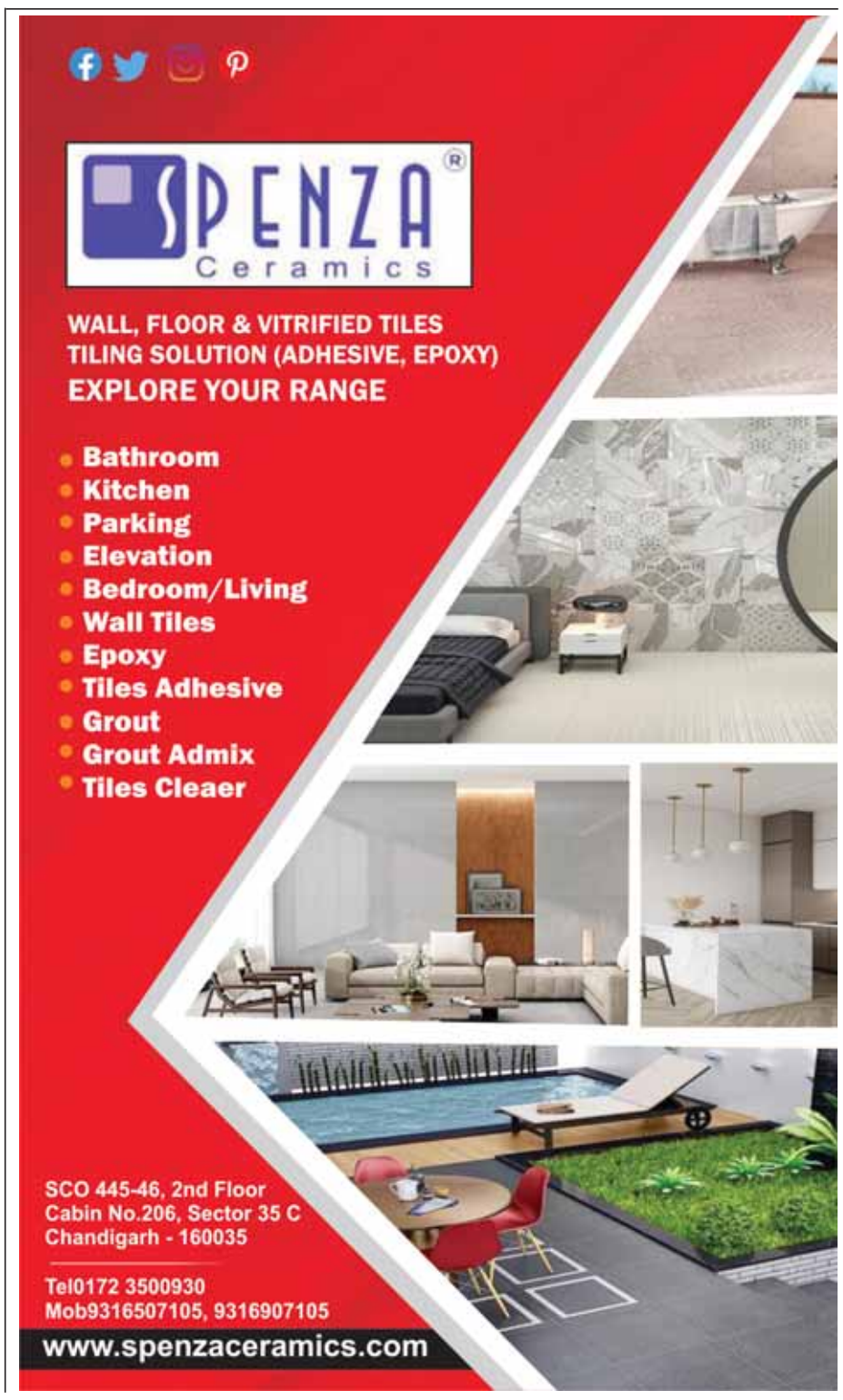

समस्या

नौ हजार क्यूसेक के मुकाबले पंजाब हरियाणा को दे रहा चार हजार क्यूसेक पानी

पंजाब ने हरियाणा की पानी सप्लाई घटाई

पंजाब के सीएम भगवंत मान बोले- नहीं है एक बूंद पानी

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़। पंजाब ने हरियाणा को भाखड़ा के माध्यम से दिए जाने वाली पानी में पांच हजार क्यूसेक की कटौती कर दी है। जिससे हरियाणा के करीब आधा दर्जन जिलों में पानी का गंभीर संकट पैदा होना शुरू हो गया है। आने वाले दिनों में यह संकट और गहरा हो सकता है। इस मुद्दे पर हरियाणा सरकार को अभी चुप है लेकिन पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने मंगलवार को एक वीडियो जारी करके कहा है कि पंजाब के पास हरियाणा को देने के लिए अतिरिक्त पानी नहीं है।

भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड की निगरानी में पंजाब सरकार द्वारा हरियाणा व राजस्थान को हर साल पेयजल व सिंचाई के लिए पानी की सप्लाई दी जाती है। वाटर अलॉटमेंट का यह सीजन हर साल 21 मई से 21 मई तक की अवधि के लिए मान्य होता है। इस नहरी पानी से पंजाब, हरियाणा और राजस्थान में लाखों एकड़ भूमि की सिंचाई होती है। इस नहर का पानी शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल के लिए भी इस्तेमाल किया जाता है, खासकर जहां पानी की कमी होती है।

पंजाब का दावा है कि हरियाणा को नौ हजार क्यूसेक पानी की सप्लाई की जाती है। हरियाणा का जल प्रबंधन सही नहीं था। हरियाणा सरकार अपने तय कोटे का इस्तेमाल मार्च में ही कर चुकी है। जिसके बाद पंजाब ने हरियाणा को दिए जाने वाले पानी में पांच हजार क्यूसिक की कटौती कर दी है। इसे लेकर हरियाणा के हिसार, फतेहाबाद, सिरसा, रोहतक, महेन्द्रगढ़ समेत कई जिलों में पानी की किल्लत शुरू हो गई है। यह किल्लत अन्य जिलों को भी प्रभावित कर सकती है। आने वाले दिनों में पेयजल संकट गंभीर रूप धारण कर सकता है।इस विवाद के बाद हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने मंगलवार को पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के साथ बातचीत की। पंजाब के मुख्यमंत्री ने एक वीडियो जारी करके इसका पलटवार किया।

हरियाणा का जल प्रबंधन सही नहीं: मान

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि हरियाणा का जल प्रबंधन सही नहीं है। हरियाणा ने पानी का इस्तेमाल किफायती तरीके से नहीं किया है। जिसके चलते हरियाणा अपना तय कोटा मार्च में ही खत्म कर चुका है। भगवंत मान ने कहा कि पंजाब द्वारा मानवता के आधार पर पेयजल के लिए हरियाणा को अभी भी चार हजार क्यूसेक पानी दिया जा रहा है। हालांकि तय नियम व शर्तों के अनुसार यह पानी भी नहीं दिया जा सकता है। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने हरियाणा में पानी की कमी को लेकर सुझाव दिया है कि केंद्र सरकार पाकिस्तान की तरफ जाने वाले पानी को रोकने की बात कर रही है। भगवंत मान ने कहा कि पाकिस्तान को जाने वाला पानी पंजाब के डैम में डायवर्ट कर दिया जाए। पंजाब के डैम में जब पानी आएगा तो वह हरियाणा को भेज दिया जाएगा। मान ने कहा कि भाजपा बीबीएमबी के माध्यम से दबाव बना रही है। पंजाब के पास हरियाणा को देने के लिए एक बूंद भी पानी नहीं है। वर्तमान में केवल मानवीय पहलू के आधार पर पानी सप्लाई किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले साल आज के दिन के मुकाबले पौंग डैम में 24 फुट तो रणजीत सागर डैम में 39 फुट पानी कम है। ऐसे में केंद्र सरकार पाकिस्तान को जाने वाले पानी को पंजाब के डैम में डायवर्ट करे तो पंजाब को आगे सप्लाई देने में कोई हर्ज नहीं है।

भक्ति और शक्ति का दिव्य संयोजनः पंजाब सरकार ने किया भगवान परशुराम जी की जयंती के अवसर पर राज्य स्तरीय समागम

भगवान श्री परशुराम धर्म, न्याय व त्याग के प्रतीक : अरोड़ा

आप प्रधान द्वारा युवाओं को भगवान श्री परशुराम जी द्वारा दिखाए गए न्याय, समानता और सत्य के मार्ग पर चलने का किया आह्वान

कैबिनेट मंत्री ने जालंधर के चौक का नाम भगवान श्री परशुराम के नाम पर रखने की घोषणा की

अर्थ प्रकाश संवाददाता

जालंधर, 29 अप्रैल। आम आदमी पार्टी (आप) के प्रदेश अध्यक्ष एवं पंजाब के कैबिनेट मंत्री श्री अमन अरोड़ा ने आज आदर्श एवं समरस समाज के लिए युवाओं को भगवान श्री परशुराम जी द्वारा दिखाए गए न्याय, समानता और सत्य के मार्ग पर चलने का आह्वान किया है।

कैबिनेट मंत्री ने भगवान श्री परशुराम जयंती पर पर्यटन एवं सांस्कृतिक मामले विभाग द्वारा स्थानीय के.एम.वी कॉलेज में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह के दौरान उपस्थित जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। कैबिनेट मंत्री ने इस पावन अवसर पर लोगों को बधाई देते हुए गर्व व्यक्त किया और कहा कि सरकार पहली बार भगवान श्री परशुराम जयंती के अवसर पर राज्य स्तरीय समारोह का आयोजन करवाया जा रहा है। उन्होंने जालंधर में राज्य स्तरीय कार्यक्रम आयोजित करने के लिए पंजाब पर्यटन एवं सांस्कृतिक मामले विभाग की सराहना की।

भगवान श्री परशुराम जी को भक्ति और शक्ति का दिव्य संयोजन बताते हुए श्री अरोड़ा ने कहा कि अन्याय के खिलाफ खड़े होने का उनका संदेश पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक है। उन्होंने जालंधर शहर में एक नए चौक का नाम भगवान श्री परशुराम जी के नाम पर रखने की भी घोषणा की।

कैबिनेट मंत्री ने लोगों, विशेषकर युवाओं को भारत की विशाल सांस्कृतिक और धार्मिक विरासत से जोड़ने के लिए भविष्य में भी ऐसे आयोजन करने की पंजाब सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ऐसे आयोजन देश के समृद्ध सांस्कृतिक और धार्मिक इतिहास को संरक्षित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

पर्यटन एवं सांस्कृतिक मामले विभाग के सलाहकार दीपक बाली ने गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत किया। उन्होंने इस ऐतिहासिक पहल के लिए भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार की प्रशंसा की।

समारोह का उद्घाटन कैबिनेट मंत्री अमन अरोड़ा, सलाहकार दीपक बाली, विधायक रमन अरोड़ा, जालंधर इंप्रूवमेंट ट्रस्ट की चेयरपर्सन राजविंदर कौर थियाडा और डिप्टी कमिश्नर डा. हिमांशु अग्रवाल ने दीप प्रज्वलित करके किया।

समारोह में भगवान परशुराम की शिक्षाओं पर प्रकाश डाला गया

इस दौरान वक्ताओं ने भगवान श्री परशुराम के जीवन एवं शिक्षाओं पर प्रकाश डाला तथा युवाओं को उनके आदर्शों को अपनाने के लिए प्रेरित किया। इससे पहले, ब्राह्मण समुदाय के कई प्रमुख सदस्यों, जिनमें सुरदर्शन शर्मा, डा. वी.के. वासुदेव, राजिंदर शर्मा, विनोद कुमार दत्ता और भारत भूषण शर्मा शामिल थे, को समाज में उनके योगदान, विशेषकर स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में योगदान के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का समापन भगवान श्री परशुराम जी की आरती के साथ हुआ।

बदलता पंजाबः उद्योग अनुकूल सुधारों के चलते एक लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त

4 लाख नौकरियां होंगी पैदा : तरुनप्रीत सिंह सौंद

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़, 29 अप्रैल। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली सरकार की उद्योग अनुकूल नीतियों के चलते पंजाब में 3 वर्षों के दौरान एक लाख करोड़ रुपये से ज़्यादा के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हो चुके हैं। उद्योग एवं निवेश प्रोत्साहन मंत्री तरुनप्रीत सिंह सौंद ने बताया कि उद्योगों की उन्नति एवं समृद्धि के लिए पंजाब सरकार की गंभीरता एवं सहृदयता के चलते पंजाब सरकार को मार्च 2022 से लेकर अब तक 1,00,346 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव मिले हैं। इसके चलते 4 लाख से ज़्यादा व्यक्तियों को रोज़गार मिलेगा।

सौंध ने अन्य उद्योगपतियों को भी पंजाब में निवेश करने का आह्वान किया है। उन्होंने बीते कल पंजाब के कई उद्योगपतियों के साथ उद्योग भवन में बैठक भी की थी और उनकी फीडबैक ली ताकि राज्य में माहौल को और उद्योग अनुकूल करने के लिए नीतियां तैयार की जा सकें।

सौंद ने कहा कि पंजाब के उद्योगपतियों को बड़ी राहत देते हुए लंबित पड़े मामलों के निपटारे के लिए एकमुश्त निपटान योजना (ओ.टी.एस.) भी शुरू की गई है। इस योजना की अंतिम तिथि 31 दिसंबर, 2025 है ताकि डिफाल्टरों को अपने बकाया के भुगतान के लिए अच्छा-खासा समय मिल सके। उद्योग मंत्री ने बताया कि पंजाब की उद्योग अनुकूल नीतियों के चलते बड़े-बड़े औद्योगिक घराने पंजाब में अपनी इकाइयां स्थापित करने में दिलचस्पी दिखा रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि मौजूदा सरकार के कार्यकाल के दौरान टाटा स्टील लिमिटेड (2600 करोड़ रुपये), सनाथन पॉलीकोट प्राइवेट लिमिटेड (1600 करोड़ रुपये), अंबुजा सीमेंट्स लिमिटेड (1400 करोड़ रुपये), रुचिरा पेपर्स लिमिटेड (1137 करोड़ रुपये), टोपन स्पेशलिटी फिल्म्स लिमिटेड (787 करोड़ रुपये), नेस्ले इंडिया लिमिटेड (583 करोड़ रुपये), हैप्पी फोर्जिंग्स (438 करोड़ रुपये), फ्रेडेनबर्ग ग्रुप (339 करोड़ रुपये), ओएकेमेटकार्प लिमिटेड (309 करोड़ रुपये), कारगिल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (160 करोड़ रुपये) के प्रमुख प्रोजेक्ट प्राप्त हुए हैं।

उन्होंने आगे कहा कि निवेश के लिए पंजाब का माहौल अनुकूल, उपयुक्त और शांतिपूर्ण है और उद्योगों के विकास के लिए पंजाब सरकार पूरे समर्पण के साथ काम कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की नीतियां भी उद्योग अनुकूल हैं। उन्होंने अधिक से अधिक उद्योगपतियों को पंजाब में निवेश का आह्वान किया है।

प्रत्येक गांव और वार्ड तक मई-जून 2025 तक पहुंच करने के लिए पंजाब में नशा मुक्ति यात्रा की शुरू

भगवंत मान के राज्य स्तरीय नशा विरोधी जागरूकता तथा कार्रवाई मुहिम के लिए गांव एवं वार्ड सुरक्षा कमेटियों को लामबंद करने के दिए निर्देश

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़, 29 अप्रैल। राज्य में नशों के खतरे पर अंतिम और निर्णायक हमले की तैयारी करते हुए, मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार ने नशा विरोधी जागरूकता और कार्रवाई अभियान के तहत 'नशा मुक्ति यात्रा' शुरू करने का फैसला किया है, जो मई और जून 2025 के महीनों में राज्य के हर गांव और वार्ड को छुएगी।

इस संबंध में जानकारी देते हुए मुख्यमंत्री कार्यालय के प्रवक्ता ने बताया कि यह अभियान 2 से 4 मई तक राज्य भर में जिला स्तरीय बैठकें आयोजित करने के लिए ग्राम सुरक्षा कमेटियों को शामिल करके चलाया जाएगा। ये बैठकें 'नशा मुक्ति यात्रा' अभियान के लिए आधिकारिक लॉन्च प्लेटफॉर्म के रूप में काम करेंगी। ग्राम सुरक्षा कमेटियों के सभी सदस्यों के अलावा, इस बैठक में गांवों के सरपंच, नागरिक और पुलिस प्रशासन के साथ-साथ अन्य संबंधित भी शामिल होंगे।

मुख्यमंत्री ने डिप्टी कमिश्नरों और एसएसपी को उन गांवों में ग्राम सुरक्षा कमेटिया बनाने के लिए कहा है जहां ये कमेटीयां मौजूद नहीं हैं और उन्हें इन बैठकों के लिए आमंत्रित करने के लिए कहा है। इसी तरह, नगर निगम क्षेत्रों के प्रत्येक वार्ड में वार्ड सुरक्षा कमेटिया भी बनाई जाएंगी और उन्हें इन बैठकों के लिए आमंत्रित किया जाएगा। प्रत्येक जिला स्तरीय बैठक की अध्यक्षता एक कैबिनेट मंत्री द्वारा की जाएगी, जिसका उद्देश्य नशा मुक्ति यात्रा अभियान के बारे में जागरूक करना, सतर्कता के लिए ग्राम-स्तरीय नेतृत्व को जुटाना, ग्राम सुरक्षा कमेटियों, वार्ड सुरक्षा कमेटियों और जिला प्रशासन के बीच समन्वय को मजबूत करना और ग्राम स्तर पर नशों के खिलाफ सामूहिक एकजुटता को मजबूत करना है।

इन बैठकों के बाद दूसरे चरण की नशा मुक्ति यात्रा 7 मई से जमीनी स्तर पर शुरू की जाएगी और इस यात्रा में प्रत्येक गांव/वार्ड के सभी लोगों की एक बैठक आयोजित की जाएगी। इस बैठक में ग्राम सुरक्षा कमेटी, वार्ड सुरक्षा कमेटी, सरपंच और अन्य अधिकारी शामिल होंगे। पंजाब के प्रत्येक गांव/वार्ड को राज्य सरकार द्वारा तैयार की गई तालिका के अनुसार कवर किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने उम्मीद जताई कि यह अभियान नशों के खिलाफ जंग को जन आंदोलन में बदल देगा, उन्होंने समाज के हर व्यक्ति से पूर्ण समर्थन और सहयोग की मांग की ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि उनके क्षेत्र में कोई भी नशा न बेचा जाए और सभी नशा पीड़ितों को नशों से बाहर निकाला जा सके। भगवंत सिंह मान ने कहा कि ग्राम सुरक्षा कमेटियों, वार्ड सुरक्षा कमेटियों और सरपंचों से इस प्रयास में सक्रिय भूमिका निभाने की उम्मीद की जाती है।

जमीनी स्तर पर होगा नशों का खात्मा, डीजीपी गौरव यादव ने नशों के विरुद्ध जंग के दौरान दिया स्पष्ट संदेश

डीजीपी गौरव यादव ने पुलिस मुख्यालय में समीक्षा बैठक के दौरान एसएसपीज/सीपीज के लिए नशों के मुकम्मल खात्मे की समय-सीमा की निर्धारित

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़, 29 अप्रैल। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार की राज्य को 'नशा मुक्त पंजाब' बनाने की प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हुए, डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव ने आज जिला पुलिस प्रमुखों को 31 मई तक जमीनी स्तर पर नशों की उपलब्धता को शून्य करने के बारे में सख्त अल्टीमेटम देते हुए कहा कि ऐसा करने में विफल रहने पर स्टेशन हाउस ऑफिसर (एसएचओ) स्तर तक के सभी अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी।

डीजीपी द्वारा आज स्पेशल डीजीपी आंतरिक सुरक्षा आर.एन. ढोके, एडीजीपी एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) नीलाभ किशोर और एडीजीपी लॉ एंड ऑर्डर नरेश अरोड़ा के साथ सभी रेंज इंस्पेक्टर जनरल ऑफ पुलिस/डिप्टी इंस्पेक्टर जनरल (आईजीपीज/डीआईजीज) और कमिश्नर ऑफ पुलिस/सीनियर सुपरिटेंडेंट ऑफ पुलिस (सीपीज/एसएसपीज) की एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की गई ताकि राज्य से नशों के मुकम्मल खात्मे के लिए मौजूदा कार्य योजना को पूरी तरह सुचारू बनाया जा सके। उन्होंने कहा, 'हमने बैठक के दौरान कई महत्वपूर्ण फैसले लिए हैं जिसमें अधिकारियों की जवाबदेही तय करना शामिल है। सीपीज/एसएसपीज, डीएसपीज और एसएचओज सहित प्रत्येक अधिकारी को अपने-अपने क्षेत्रों में जमीनी स्तर पर नशों का सफाया करने में विफल रहने के लिए जिम्मेदार और जवाबदेह ठहराया जाएगा।'

उन्होंने कहा कि 31 मई के बाद, सभी अधिकारियों के प्रदर्शन का मूल्यांकन पेशेवर मानदंडों, इंटेलिजेंस और जनता से फीडबैक की मदद से किया जाएगा। उन्होंने कहा, 'सर्वेक्षण के बाद, बेहतर प्रदर्शन करने वाले अधिकारियों को इनाम दिया जाएगा, जबकि खराब प्रदर्शन करने वाले अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।'

डीजीपी ने स्पष्ट किया कि पुलिस का ध्यान आंकड़े-आधारित लक्ष्यों पर नहीं है, बल्कि राज्य भर में नशों की शून्य उपलब्धता के लिए आपूर्ति श्रृंखलाओं को पूरी तरह तोड़ना है। उन्होंने आगे कहा कि सीपीज/एसएसपीज को पहले ही निर्देश दिए गए हैं कि वे एनडीपीएस एक्ट के तहत दर्ज किए जा रहे मामलों के अगले-पिछले संबंधों का पता लगाएं और पूरे नेटवर्क का पर्दाफाश करके मामलों को तार्किक निष्कर्ष पर ले जाएं।

उल्लेखनीय है कि 3 घंटे चली यह बैठक दो हिस्सों में हुई - पहले हिस्से में जिलेवार प्रदर्शन की समीक्षा की गई जिसमें दर्ज की गई एफआईआरज की संख्या, प्राप्तियां और कमियों के बारे में संबंधित रेंज आईजीपीज/डीआईजीज और सीपीज/एसएसपीज के साथ चर्चा की गई, जबकि दूसरे हिस्से में फील्ड अधिकारियों को 31 मई तक अपने-अपने जिलों से नशों के खात्मे के लिए अपनी योजना पेश करने के लिए कहा गया।

डीजीपी गौरव यादव ने कहा कि बैठक के दौरान, प्रौद्योगिकी को बल में वृद्धि करने के माध्यम के रूप में उपयोग करके बड़ी मछलियों का पीछा करने और उन्हें ट्रैक करने के लिए विभिन्न विधियों और तकनीकों पर भी चर्चा हुई।

सेफ पंजाब एंटी ड्रग हेल्पलाइन '9779100200' का अधिक से अधिक करें उपयोग

नशों के विरुद्ध मुहिम में अधिक से अधिक नागरिकों को शामिल करने की आवश्यकता पर जोर देते हुए, डीजीपी गौरव यादव ने राज्य के लोगों से नशा तस्करों की गुप्त रूप से रिपोर्ट करने के लिए सेफ पंजाब एंटी ड्रग हेल्पलाइन '9779100200' का अधिक से अधिक उपयोग करने की अपील की। उन्होंने कहा कि इस हेल्पलाइन पर प्राप्त होने वाली हर सूचना की रोजाना निगरानी की जा रही है और मुख्यमंत्री व्यक्तिगत रूप से प्रगति की समीक्षा कर रहे हैं। इस दौरान, राज्य में नशों के खात्मे के लिए शुरू किए 'युद्ध नशों क विरुद्ध' को 60वें दिन भी जारी रखते हुए, पुलिस टीमों ने 1 मार्च, 2025 से अब तक एनडीपीएस एक्ट के तहत 4930 एफआईआर दर्ज करके 7889 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया है और उनके कब्जे से 325 किलोग्राम हेरोइन, 100 क्विंटल भुक्की, 157 किलोग्राम अफीम, 95 किलोग्राम गांजा, 21.89 लाख गोलियां/कैप्सूल और 8.09 करोड़ रुपये की ड्रग मनी बरामद की है।

पंजाब के बिजली क्षेत्र की ऐतिहासिक पहल

कम टैरिफ दरों पर 2,400 मेगावाट से अधिक सौर ऊर्जा खरीद संबंधी समझौते हस्ताक्षरित : ईटीओ

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़, 29 अप्रैल। पंजाब सरकार ने सफलतापूर्वक सौर ऊर्जा खरीद पहलों की एक श्रृंखला में स्वच्छ और अधिक टिकाऊ भविष्य की ओर महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। यहां एक प्रेस बयान में यह जानकारी देते हुए पंजाब के बिजली मंत्री हरभजन सिंह ईटीओ ने बताया कि पंजाब स्टेट पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (पीएसपीसीएल) ने 15 अप्रैल, 2025 को मेसर्स सेल इंडस्ट्रीज लिमिटेड द्वारा प्रस्तुत रुचि की अभिव्यक्ति को स्वीकार करते हुए सौर ऊर्जा खरीद के लिए एक निविदा पर हस्ताक्षर किए हैं। उन्होंने कहा कि इस समझौते के तहत 25 वर्षों की अवधि के लिए 2.97 रुपये प्रति यूनिट की प्रतिस्पर्धी दर पर 400 मेगावाट सौर ऊर्जा खरीदी जाएगी। ये सौर परियोजनाएं पंजाब के भीतर स्थापित की जाएंगी, जिससे स्थानीय बुनियादी ढांचे और रोजगार को बढ़ावा मिलेगा।

श्री हरभजन सिंह ईटीओ ने आगे कहा कि इसी श्रृंखला में पी.एस.पी.सी.एल. ने 1,950 मेगावाट सौर ऊर्जा की खरीद के लिए विभिन्न आई.एस.टी.एस. योजनाओं के तहत मेसर्स सोलर एनर्जी कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एस.ई.सी.आई.) को सैद्धांतिक सहमति भी दी है। इस बिजली का टैरिफ 25 वर्षों की अवधि के लिए 2.48 रुपये और 2.60 रुपये प्रति यूनिट (लगभग 2.95-3.07 रुपये प्रति यूनिट लैंडेड टैरिफ) के बीच होगा।

मंत्री ने कहा कि दो सौर ऊर्जा परियोजनाएं हाल ही में चालू की गई हैं जिन्होंने पी.एस.पी.सी.एल. को बिजली आपूर्ति करनी शुरू कर दी है। एम.एन.आर.ई. की सी.पी.एस.यू. योजना के तहत एन.एच.पी.सी. द्वारा शुरू की गई 107.14 मेगावाट की एक सौर ऊर्जा परियोजना ने 14 अप्रैल, 2025 को वाणिज्यिक संचालन शुरू किया। यह परियोजना राजस्थान के बीकानेर में स्थित एक बड़े 300 मेगावाट संयंत्र का हिस्सा है, जिसमें पी.एस.पी.सी.एल. को 2.45 रुपये प्रति यूनिट (लगभग 2.55 रुपये प्रति यूनिट लैंडेड टैरिफ) के टैरिफ पर बिजली आपूर्ति की जा रही है। एस.ई.सी.आई. की आई.एस.टी.एस. ट्रांच द्वङ्ग योजना के तहत विकसित की गई एक और 100 मेगावाट परियोजना, 15 अप्रैल, 2025 को ग्रिड से जोड़ी गई थी। यह परियोजना राजस्थान के जोधपुर में स्थित 300 मेगावाट विकास का हिस्सा है और 2.36 रुपये प्रति यूनिट (लगभग 2.72 रुपये प्रति यूनिट लैंडेड टैरिफ) के टैरिफ पर बिजली आपूर्ति करती है।

राज्य के नवीकरणीय ऊर्जा बुनियादी ढांचे को और मजबूत करते हुए, भारत सरकार के बिजली मंत्रालय ने पंजाब को 500 मेगावाट बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली (बी.ई.एस.एस.) क्षमता आवंटित की है। पीएसपीसीएल द्वारा लागू की जाने वाली इस परियोजना को 18 लाख रुपए प्रति मेगावाट की व्यवहार्यता गैप फंडिंग द्वारा समर्थित किया गया है और मई 2027 तक चालू करने की योजना है। बी.ई.एस.एस. दिन के समय पैदा होने वाली सौर ऊर्जा को शाम के समय उपयोग के लिए संग्रहीत करेगा, जिससे ग्रिड विश्वसनीयता और ऊर्जा दक्षता में वृद्धि होगी। बिजली मंत्री ने कहा कि ये विकास पंजाब के स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन की ओर एक महत्वपूर्ण कदम है और टिकाऊ विकास के प्रति राज्य की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

हरभजन सिंह ईटीओ ने कहा कि सौर ऊर्जा खरीद और नवीकरणीय बुनियादी ढांचे में ये सभी महत्वपूर्ण प्रगति हमारे मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान की दूरदर्शिता और योग्य नेतृत्व के तहत संभव हुई हैं। एक हरे-भरे पंजाब के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता हमारे राज्य को स्वच्छ और अधिक टिकाऊ ऊर्जा वाले भविष्य की ओर ले जा रही है।

ट्रांसफार्मर से निकली चिंगारी से लगी आग, स्ट्रीट लाइट का मीटर जलकर राख

अर्थ प्रकाश संवाददाता

बनूड़, 29 अप्रैल। शहर के ऐतिहासिक माई बन्नो मंदिर के सामने मुख्य बाजार को जाने वाली सड़क के पास लगे बिजली के ट्रांसफार्मर से निकली चिंगारी से आग लग गई। जिस कारण स्ट्रीट लाइट का मीटर जलकर राख हो गया। इस सबंधित जानकारी देते हुए शहर के बिजली विभाग के जेई अमरनाथ ने बताया कि सुबह करीब साढ़े छह बजे माई बन्नो मंदिर के सामने लगे बिजली के ट्रांसफार्मर में स्पार्किंग हो रही थी। इससे निकली चिंगारी ट्रांसफार्मर के नीचे पड़े भूसे पर गिरी, जिससे आग लग गई। जब उन्हें आग लगने की सूचना मिली, तो वे मौके पर पहुंचे और पावर ग्रिड से इस लाइन की बिजली आपूर्ति बंद करवाकर बड़ी मुश्किल से आग पर काबू पाया। जब तक आग पर काबू पाया जाता, तब तक बिजली ट्रांसफार्मर के खंभे पर लगा स्ट्रीट लाइट मीटर जलकर राख हो चुका था। उन्होंने कहा कि यदि समय रहते आग पर काबू नहीं पाया जाता, तो बड़ा हादसा हो सकता था, क्योंकि आग शहर के मुख्य बाजार के रास्ते में लगी थी। बिजली विभाग के अधिकारियों ने ट्रांसफार्मरों के पास कूड़ा व अन्य सामान फेंकने वाले लोगों को चेतावनी दी कि यदि उन्होंने वहां कूड़ा फेंकना बंद नहीं किया, तो उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी, जिसके लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे। इन दिनों पड़ रही भीषण गर्मी के कारण ट्रांसफार्मर से बड़ी चिंगारी निकलने से आग लग सकती है, जिससे भयंकर हादसा हो सकता है। इसलिए, ट्रांसफार्मर के पास कूड़ा-कचरा व अन्य सामान नहीं रखना चाहिए।

सब तहसील बनूड़ में एनीवेयर रजिस्ट्री योजना शुरू, एक हजार रुपए में होगी रजिस्ट्री

आप नेताओं ने नवनियुक्त तहसीलदार संदीप कुमार को सम्मानित किया

अर्थ प्रकाश संवाददाता

बनूड़, 29 अप्रैल। पंजाब सरकार द्वारा मोहाली जिले में एनीवेयर रजिस्ट्री योजना शुरू कर दी गई है। जिस के तहत उप तहसील बनूड़ में एक रजिस्ट्री की गई। इस योजना के बारे में जानकारी देते हुए उप तहसील बनूड़ के नवनियुक्त तहसीलदार संदीप कुमार ने बताया कि लोगों को बेहतर सुविधाएं प्रदान करने के लिए राज्य सरकार द्वारा मोहाली जिले में एनीवेयर रजिस्ट्री योजना शुरू की गई है। इस योजना के तहत अर्जी नवीस उप-तहसील बनूड़ के कार्यालय में ही उपलब्ध है। इस योजना के तहत रजिस्ट्री लिखने के 500 और अपॉइंटमेंट के 500 रुपए लगेंगे। इसके तहत कोई भी व्यक्ति मात्र 1000 रुपए में अपनी रजिस्ट्री करा सकता है। उन्होंने बताया कि इसके अलावा तहसील कार्यालय में ही स्टाम्प ड्यूटी टिकट ऑनलाइन उपलब्ध होंगे। राज्य सरकार द्वारा शुरू की गई एनीवेयर रजिस्ट्री योजना का आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता करमजीत सिंह हुलका ने स्वागत किया। बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव से पहले राज्य के लोगों को सुशासन देने का वादा करने वाले मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने मोहाली जिले में एनीवेयर रजिस्ट्री योजना शुरू की है, जिससे आम लोगों को काफी लाभ मिलेगा। इस अवसर पर करमजीत सिंह हुलका व कैप्टन तारा सिंह ने तहसीलदार संदीप कुमार को सिरोपा देकर सम्मानित भी किया।

ड्रग माफिया के विरुद्ध बुलडोजर कार्रवाई : पंजाब में नशों के विरुद्ध जंग नए

अमृतसर और पटियाला में नशा तस्करों की संपत्तियां ढहाकर उन पर कसी नकेल; मुख्यमंत्री भगवंत मान की नशा विरोधी मुहिम के तहत जीरो टॉलरेंस संबंधी प्रतिबद्धता को दोहराया

अर्थ प्रकाश संवादाता

पटियाला/अमृतसर, 29 अप्रैल। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशों पर शुरू की गई नशा विरोधी मुहिम 'युद्ध नशों विरुद्ध' के दौरान नशा माफिया के विरुद्ध अपनी कार्रवाई जारी रखते हुए, पंजाब पुलिस ने आज स्थानीय प्रशासन की सहायता से अमृतसर और पटियाला जिलों में दो नशा तस्करों की संपत्तियां ध्वस्त कर दी हैं।

उल्लेखनीय है कि अमृतसर में नशा तस्कर रंजीत सिंह निवासी गांव मोदे, अमृतसर के घर को बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया गया। इस मौके पर पुलिस सुपरिटेंडेंट (एसपी जांच) अमृतसर आदित्य वारियर ने बताया कि दोषी रंजीत सिंह, जिसका घर ढहाया गया है, का आपराधिक पृष्ठभूमि है और उसके खिलाफ अमृतसर और लुधियाना सहित विभिन्न जिलों में एनडीपीएस एक्ट के तहत 6 केसों सहित 12 आपराधिक मामले दर्ज हैं।

एसपी वारियर ने चेतावनी दी कि जो भी नशों की तस्करी के माध्यम से धन इकट्ठा करता पाया गया, उसकी संपत्ति या तो जब्त की जाएगी या ढहा दी जाएगी। उन्होंने दोहराया कि राज्य सरकार नशों को काबू करने के लिए प्रतिबद्ध है और इस गैर-कानूनी कारोबार में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा।

इसी तरह पटियाला में, जिला पुलिस ने नगर निगम पटियाला के सहयोग से, नशा तस्कर गुरतेज सिंह उर्फ बंटी के परिवार के सदस्य द्वारा नगर निगम की स्वीकृति के बिना रिहायशी प्लॉटों पर गैर-कानूनी तौर पर बनाई गई चार व्यापारिक दुकानों को ढहा दिया है। ये दुकानें अर्बन एस्टेट पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र के अधीन बाबा दीप सिंह नगर की गली नंबर 4 में स्थित थीं।

इस कार्रवाई की निगरानी करने वाले एसपी सिटी पलविंदर सिंह चीमा ने कहा कि दोषी गुरतेज सिंह एनडीपीएस एक्ट के तहत दो आपराधिक मामलों का सामना कर रहा है। उन्होंने कहा कि नगर निगम कमिश्नर द्वारा जारी संपत्ति ढहाने के अंतिम नोटिस (नंबर 214/बीएलडी, दिनांक 11 अप्रैल, 2025) के बाद यह कार्रवाई अमल में लाई गई।

पेज एक का शेष

भारत को विकसित...

इस मौके पर हरियाणा के मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने अभ्यर्थियों से महाभारत ग्रंथ के हर अध्याय से सीख लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि गीता हमे कर्म का संदेश देती है और हमे कर्म से लोगों की भलाई करनी है। इसी का अनुकरण करते हुए आप अपनी आगामी सेवाओं के माध्यम से देश की भलाई का कार्य करेंगे। इस दौरान सूचना जनसंपर्क एवं भाषा विभाग के महानिदेशक के.एम पांडुरंग ने कहा कि आप एक बहुत कठिन परीक्षा पास करके आए हो। अपने लक्ष्य को पाने के लिए आपने कठिन परिश्रम और मेहनत की है।

सोशल मीडिया पर जारी हुई सीईटी की फर्जी अधिसूचना

- प्रदेश भर के युवाओं में मची अफरा-तफरी
- आयोग के चेयरमैन ने जांच के बाद कहा फर्जी है अधिसूचना
- जल्द खत्म होगा युवाओं का इंतजार

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़, 29 अप्रैल। हरियाणा में कॉमन एलिजिबिलिटी टेस्ट (सीईटी) के आयोजन को लेकर मची गफलत के बीच सोमवार को देर रात किसी शरारती तत्व ने सीईटी का शेड्यूल जारी कर दिया। यह कार्यक्रम जारी होने से पूरे हरियाणा में शोर मच गया।

हरियाणा में सीईटी के आयोजन को लेकर कई माह से गफलत चल रही है।

प्रदेश सरकार ने पहले 31 दिसंबर और फिर 31 मार्च तक सीईटी आयोजित करवाने का दावा किया था। इसके बाद मुख्यमंत्री नायब सैनी ने विपक्ष द्वारा मचाए जा रहे शोर को शांत करते हुए ऐलान किया था कि मई माह में सीईटी का आयोजन किया जाएगा।

मुख्यमंत्री के इस ऐलान के बाद सीएमओ के अधिकारी तथा हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग के अधिकारी लगातार बैठकों का आयोजन कर रहे हैं। इन बैठकों के आधार पर अटकलें चल रही हैं कि दो मई से प्रदेश में सीईटी की प्रक्रिया शुरू होने जा रही है। इस बीच सोमवार की रात किसी ने सोशल मीडिया पर आयोग के हवाले से सीईटी का शेड्यूल जारी कर दिया।

फर्जी नोटिफिकेशन के मुताबिक वन टाइम रजिस्ट्रेशन के लिए ऑनलाइन प्रक्रिया 2 मई से शुरू होनी बताई गई। दो मई तारीख लिखी होने के कारण प्रदेश भर के युवा सतर्क हो गए और रात में ही यह अधिसूचना पूरे हरियाणा में फैल गई। इसके बाद देर रात हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग के अधिकारी भी सतर्क हो गए।

आयोग के चेयरमैन ने जांच के बाद देर रात फेसबुक पर पोस्ट जारी करते हुए इस अधिसूचना को पूरी तरह से फर्जी बताया। हिम्मत सिंह ने कहा कि सीईटी-2025 को लेकर फैलाई जा रही खबर गलत है। उस नोटिफिकेशन पर कोई विश्वास न करे। आयोग जल्द ही अपने आधिकारिक वेबसाइट पर नोटिफिकेशन जारी करेगा। आयोग की आधिकारिक वेबसाइट को चेक करते रहें। आप सभी ने काफी समय से इस अवसर की प्रतीक्षा की है। जल्द ही यह लंबा अंतराल खत्म होने वाला है।

यातायात पुलिस अम्बाला ने किए 24 भारी वाहनों के चालान

अंबाला (अप्रस/रवि पाहुजा)। पुलिस अधीक्षक अम्बाला द्वारा 25 अप्रैल 2022 को सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने, वाहनों के सुचारू-रूप से आवागमन हेतू भारी वाहन व गति प्रतिबन्धित (निर्धारित गति सीमा) वाहन के लिए लेन ड्राईविग (बाँई लेन) निर्धारित करने व बाँई लेन में चलने बारे वाहन चालकों को जागरूक कर आवश्यक कार्यवाही करने हेतू पुलिस अधिकारियों/कर्मचारियों की गोष्ठी बुलाई गई थी। गोष्ठी में उपस्थित पुलिस अधिकारियों/कर्मचारियों को निर्देश दिए थे कि सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए यातायात के नियमों की पालना दृढ़ता से करवाई जाए। मोटर वाहन अधिनियम-2017 की धारा 4 के भाग 5 के अन्तर्गत निर्धारित गति सीमा व बाँई लेन में ना चलकर नियमों की उल्लघंना करने पर आज 29 अप्रैल 2025 को 24 भारी वाहनों के चालान किए और बीते 119 दिनों में 2417 भारी वाहनों के चालान किए जा चुके हैं।

हरियाणा में बीपीएल का लाभ लेने को हजारों ने लिए फर्जी तलाक

- नूंह झज्जर जिलों में मामले सामने आने पर सरकार ने मांगी रिपोर्ट
- पीपीपी की वार्षिक आय में हेराफेरी करके बने गरीब

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़, 29 अप्रैल। हरियाणा में गरीबी रेखा से नीचे का दर्जा पाकर सरकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए हजारों की संख्या में जोड़ों ने फर्जी तलाक लिए हैं। इसका खुलासा हरियाणा पुलिस की जांच में हुआ है। नूंह व झज्जर जिलों में यह मामले सामने आने के बाद सरकार ने पूरे प्रदेश से स्टेटस रिपोर्ट मांग ली है।

बीपीएल वर्गीकरण के लिए जरूरी वार्षिक आय सीमा को पूरा करने के लिए परिवार पहचान पत्र के आय वाले रिकॉर्ड में हेरफेर करने के लिए फर्जी तलाक के दस्तावेज लगाए हैं। पुलिस जांच में पता चला है कि इसका नेटवर्क नूंह सहित कई जिलों में भी फैला हुआ है। एक मामले में झज्जर साइबर थाना पुलिस ने नागरिक संसाधन सूचना विभाग के जिला प्रबंधक योगेश कुमार के अलावा झज्जर में सर्विस प्रोवाइडर अमित कुमार, सिकंदर, विकास और गीता रानी और नूंह निवासी नीरज कुमार और मोहम्मद सैफ समेत सात लोगों को गिरफ्तार किया है।

जांच के अनुसार, हज़ारों परिवारों की आय को गलत तरीके से कम करके उन्हें विभिन्न सरकारी कल्याणकारी योजनाओं का पात्र बनाने के लिए हेरफेर किया गया। लगभग 12,600 जोड़ों ने अपनी घोषित आय को कम करने की तरकीब के तौर पर फर्जी तलाक हासिल किया। इस धोखाधड़ी से लाभ उठाने वाले लोग झज्जर, रोहतक और सिरसा के हैं।

जोड़ों ने कॉमन सर्विस सेंटर के माध्यम से ऑनलाइन सिस्टम में तलाक के दस्तावेजों के रूप में खाली कागजात जमा किए। क्रिड के जिला प्रबंधक ने इन्हें वैध तलाक के दस्तावेजों के रूप में प्रमाणित किया। इस प्रकार, दो अलग-अलग पारिवारिक पहचान पत्र बनाए गए, जिससे दंपती की आय 1.80 लाख रुपए प्रति वर्ष से कम हो गई। यह मामला सामने आने के बाद अब प्रदेश भर से रिपोर्ट मांग ली गई है। क्रिड के राज्य समन्वयक डॉ.सतीश खोला के अनुसार अनुबंध के आधार पर लगे सभी कर्मचारियों को हटाया जा चुका है। विभागीय जांच चल रही है। रिपोर्ट आने पर सरकार को दी जाएगी।

न्यूज ब्रीफ

विर्क हॉस्पिटल में निशुल्क हृदय जांच शिविर आज

करनाल (अप्रस/शैलेंद्र जैन)। सुख दुख दे साथी सभा एवं विर्क हॉस्पिटल करनाल द्वारा निशुल्क हृदय जांच शिविर का आयोजन 30 अप्रैल को आयोजित किया जा रहा है। शिविर में प्रसिद्ध कार्डियोलॉजिस्ट हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. सूरज सिंह हृदय रोगियों को परामर्श देंगे। यह जानकारी सुख दुख दे साथी सभा के महासचिव हरसिमरन वधवा, मोहित चावला, प्रोजेक्ट डायरेक्टर मोहित कुमार, हितेश मनोचा, सुभाष गांधी, सोमनाथ डाबर, राकेश खन्ना तर0सेम वटा, वरुण अरोड़ा, बोबी छाबड़ा ने दी। सभा के महासचिव हरसिमरन ने बताया कि शिविर का उद्घाटन करनाल के विधायक जगमोहन आनंद एवं नगर निगम की महापौर रेनू बाला गुप्ता 10.30 बजे करेंगे। उन्होंने बताया कि यह शिविर 10 से 2 बजे तक लगाया जाएगा। उन्होंने बताया कि शिविर में ईसीजी, ब्लड शुगर, ब्लड प्रेशर, लिपिड प्रोफाइल और एचबीए 1 सी की निशुल्क जांच की जाएगी। शिविर में सीने में दर्द, सांस फूलना, पैरों में सूजन, चक्कर, बेहोशी, दिल की तेज धडकन, दिल की नसों में रुकावट, जन्मजात हृदय रोग, हार्ट में छेद, हार्ट वाल्व की बीमारी, इको, एंजियोग्राफी, एंजियोप्लास्टी, बाईपास आपरेशन, हार्ट वाल्व आपरेशन, हार्ट में छेद का आपरेशन, छोटे चीरे से हार्ट का आपरेशन सहित बच्चों में हृदय रोग, दिल में छेद, बच्चों का बार-बार नीला होना, हृदय की मोटी नाली में सिकुडन, वाल्व में सिकुडन, जन्मजात हृदय विकार संबंधी समस्याओं के लिए परामर्श लिया जा सकता है।

जाट धर्मशाला का चुनाव लड़ रहे जसमेर घराडसी ने की बैठक

थानेसर (अप्रस/दलबीर मलिक)। आज जाट सभा के चुनाव को लेकर कश्यप धर्मशाला में जाट धर्मशाला के प्रधान पद के प्रत्याशी जसमेर घराडसी ने समाज के लोगों के साथ बैठक की और कहा कि हमारा पैनल बनने के बाद धर्मशाला की स्थाई व्यवस्था को ठीक करेंगे, धर्मशाला में लाइब्रेरी खोलेंगे। धर्मशाला की सफाई व्यवस्था को ठीक करेंगे, धर्मशाला में यात्रियों की सुविधाओं के लिए अच्छा रहन-सहन व अच्छे भोजन की व्यवस्था करेंगे। अनुशासित स्टाफ रखेंगे व धर्मशाला की कानून व्यवस्था ठीक की जाएगी। महिलाओं के लिए अलग से रहन-सहन की व्यवस्था की जाएगी। यात्रियों के लिए ठहरने के लिए ऑनलाइन बुकिंग की व्यवस्था की जाएगी। धर्मशाला के लिए पहले की तरह अनाज इकट्ठा करने की व्यवस्था करेंगे जो पिछले कई साल से ठप पड़ी हुई है। पढ़ने वाली लड़कियों व लड़कों को धर्मशाला में ठहरने के लिए निशुल्क व्यवस्था करेंगे। धर्मशाला का लेखा जोखा पारदर्शी ऑनलाइन करेंगे। जाट समाज की एकता अखंडता भलाई और विकास हमारा मुद्दा है हमारे नवयुवक युवती आगे बढ़े उनके भविष्य शिक्षा सुरक्षा रोजगार की व्यवस्था करेंगे। धर्मशाला को फाइव स्टार का दर्जा दिलवाएंगे। मनीष मलिक सारसा, कृष्ण कुमार किरमच, जसमेर सिंह जुलानी खेड़ा, गुरदयाल मलिक, कप्तान सिंह, सतीश कुमार बारना, करमजीत मढान, सूरजमल नैन, फूल कुमार, अंग्रेज सिंह, जगतार काजल, विशाल कुमार, रमेश किरमच, गुलाब सिंह समाज के मौजिज लोग मौजूद थे।

गन्ने के रस से जैन साध्वी के वार्षिक तप का पारण आज करेंगी

करनाल (अप्रस/शैलेंद्र जैन)। जैन साध्वी मानवी महाराज ने कहा है कि जैन धर्म में अक्षय तृतीया का अपना ही महत्व हैं। इस दिन जैन धर्म के प्रथम तीर्थकर ने एक साल तक विना आहार के रहने के बाद गन्ने के रस से पारण किया था। उसके बाद जैन साधु और साध्वियां गन्ने के रस से उपवस का पारण करते हैं। उन्होंने बताया कि तीस अप्रैल को सुबह नौ बजे जैन साध्वी सोनाक्षी जी महाराज अपने तीसरे वार्षिक तप का पारण गन्ने के रस से करेंगी। उनका पारण समाज द्वारा करवाया जाएगा। जैन साध्वी मानवी जी महाराज ने कहा कि अक्षय तृतीया को गन्ने के रस का प्रयोग अवश्य ही करना चाहिए। इससे जीवन में मिठास बनी रहती हैं। उन्होंने कहा कि जैन धर्म जीयो और जीने दो के सिद्धांत पर चलता है। जैन साध्वी मानवी महाराज के प्रवचन लंबे समय से चल रहे हैं। उन्होंने कहा कि सभी को मिल कर भाई चारे के साथ रहना चाहिए। इस अवसर पर एसएसजैन सभा हनुमान गली के महामंत्री नवीन जैन गौरव जैन आदि उपस्थित थे।

चोरी के दो आरोपी गिरफ्तार, जेवरात व नकदी बरामद

अंबाला (अप्रस/रवि पाहुजा)। पुलिस अधीक्षक अम्बाला अजीत सिंह शेखावत के निर्देशानुसार अम्बाला पुलिस द्वारा चोरी/लूट/स्नैचिंग की वारदातों पर अकुंश लगाने के लिए चलाए गए अभियान के दौरान थाना अम्बाला सदर में दर्ज चोरी के मामले में 28 अप्रैल 2025 को पुलिस ने कार्यवाही करते हुए आरोपी लक्की निवासी डेहा कालोनी लोहर गेट नाभा जिला पटियाला पंजाब वर्तमान पता मनमोहन नगर अम्बाला शहर व लविश निवासी डेहा कालोनी थाना अम्बाला शहर जिला अम्बाला को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के आदेशानुसार न्यायिक हिरासत में भेज दिया। इस मामले के सम्बन्ध में शिकायतकर्ता दलबीर सिहँ निवासी गाँव मानकपुर अम्बाला शहर ने 27 अप्रैल 2025 को थाना अम्बाला सदर में शिकायत दर्ज करवाई थी कि 26 अप्रैल 2025 को अज्ञात आरोपी ने गाँव मानकपुर अम्बाला शहर में स्थित उसके घर में घुसकर अलमारी से सोना-जेवरात व नकद राशि चोरी कर ली है।

थाना में सुरक्षा पहलुओं को लेकर बैठक आयोजित, छाया चोरी की घटनाओं का मामला

अर्थ प्रकाश/कपिल देव रोहिल्ला

कलायत, 29 अप्रैल। कलायत में अमन-चैन और सुरक्षा के प्रति नागरिकों को जागरूक करने के लिए पुलिस स्टेशन में नगर पालिका जन प्रतिनिधियों और समाजसेवी संगठनों की बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता थाना प्रभारी जय भगवान सिंह ने की। इस दौरान पहलगाम की आंतकी घटना में जान गंवाने वालों की आत्मिक शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा गया। थाना प्रभारी ने कहा कि घटना को लेकर सरकार गंभीर है। कुछ लोग सोशल मीडिया व अन्य माध्यमों से तनाव एवं अशांति का माहौल बनाने का प्रयास करते हैं। इससे सुरक्षा व्यवस्था में समस्या आती है। इसलिए जन प्रतिनिधि, समाज सेवी संगठन और आम लोग जागरूक नागरिक की भूमिका अदा करें। बैठक में कलायत शहर में चोरी की घटनाओं के खिलाफ फास्ट ट्रैक से ठोस कार्यवाही की मांग का मुद्दा भी मुख्य रूप से उठा। जन प्रतिनिधियों ने एकजुट होकर थाना प्रबंधक से चोरी व आपराधिक घटनाओं के संबंध में त्वरित संज्ञान लेने की मांग की। इससे सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ होगी। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार चोरों की गतिशीलता क्षेत्र में बढ़ रही है वह गंभीर विषय है। इसके मद्देनजर पुलिस ठोस कदम उठाते हुए चोरों को काबू करे। इससे पुलिस पर जनता का विश्वास बढ़ेगा। चोरी की घटनाएं समाज में अपराध को बढ़ावा देती हैं। क्योंकि अकसर चोरी के वाहनों को आपराधिक घटनाओं में इस्तेमाल किया जाता है। जन प्रतिनिधियों ने प्रदेश सरकार और पुलिस के शीर्ष अधिकारियों से चोरी व अन्य आपराधिक घटनाओं को गंभीरता से न लेने वाले अधिकारियों-कर्मचारियों के खिलाफ कार्यवाही की मांग की। थाना प्रभारी ने विश्वास दिलाया कि सुरक्षा और कानून व्यवस्था के मामले में किसी प्रकार की चूक नहीं होने दी जाएगी। उन्होंने नागरिकों से व्यवस्था को सुदृढ़ रखने में सहयोग की अपील की।

भगवान परशुराम धर्म, न्याय और पराक्रम के प्रतीक: विधायक

अर्थ प्रकाश/सीमा देवी

इन्द्री, 29 अप्रैल। विधायक एवं गवर्नमेंट चीफ व्हिप रामकुमार कश्यप ने कहा कि भगवान परशुराम को न्याय, धर्म और पराक्रम का प्रतीक माना जाता है। वे एक महान योद्धा और विद्वान थे। परशुराम जयंती हमें धर्म और न्याय के मार्ग पर चलना का संदेश देती है। उनका जीवन त्याग, तपस्या और कर्तव्यनिष्ठा का एक उत्कृष्ट उदाहरण है। आज के समय में भगवान परशुराम के आदर्श और शिक्षाएं और भी प्रासंगिक हो जाती हैं। हमें उनके जीवन से प्रेरणा लेकर समाज में सत्य, न्याय और सद्भाव स्थापित करने की दिशा में काम करना चाहिए। विधायक एवं गवर्नमेंट चीफ व्हिप रामकुमार कश्यप मंगलवार को बड़ा गांव में भगवान परशुराम जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। विधायक रामकुमार कश्यप का फूल-मालाओं और पगड़ी पहनाकर भव्य स्वागत किया गया, साथ ही उन्हें परसा(भगवान परशुराम का शस्त्र) भेट कर सम्मानित किया गया। इस दौरान उन्होंने परशुराम जयंती की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह केवल एक धार्मिक त्योहार नहीं है, बल्कि यह हमें अपने गौरवशाली इतिहास और सांस्कृतिक मूल्यों से जोड़ता है। यह दिन हमें भगवान परशुराम के गुणों को अपने जीवन में आत्मसात करने और एक बेहतर समाज के निर्माण के लिए प्रेरित करता है। उन्होंने कहा कि महापुरुष किसी धर्म में जाति के नए होकर सर्व समाज के होते हैं उनके बताए रास्ते पर चलकर हम अपनी आने वाली पीढि?ों को अच्छा नागरिक बनने के लिए जागरूक कर सकते है। उन्होंने आमजन से अपील की कि महापुरूषों के बताए रास्तों पर चलकर समाज को आगें बढ़ाने का कार्य करें। केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में व प्रदेश में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में सरकार देश व प्रदेश को आगे ले जाने का कार्य कर रही है। परन्तु जब तक जनता का सहयोग नहीं होगा तब तक कोई भी अभियान सफल नही हो सकता है। इसलिए सभी समाज में फैली बुराईयों को दूर कर एक सभ्य समाज के निर्माण में योगदान दें। इस मौके पर प्रधान प्रेम शर्मा, संजय शर्मा, कृष्ण शर्मा, मुकेश, नरेंद्र शास्त्री , वेद शर्मा, अजय, योगेंद्र , कमलजीत, भाजपा नेता धर्मपाल शांडिल्य, सरपंच अमित, इंद्री भाजपा अध्यक्ष सुरेन्द्र भूषण, माहित राणा, विनोद शर्मा सहित अन्य गणमान्य मौजूद रहें।

ज्योति दरबार में 1 मई से शुरू होगी सवा महीने की पंच धूणी अग्नि तपस्या

कुरुक्षेत्र (अप्रस/राजकुमार वालिया)। भीषण गर्मी के मौसम में आग की धूणी (ढेरों) के बीच बैठने की कोई आम आदमी सोच भी नहीं सकता है लेकिन धर्मनगरी कुरुक्षेत्र के जग ज्योति दरबार में हजरत पीर मौला बक्श की दरगाह और साथ स्थित दुर्गा स्वरूपा माता लाडो रानी के दरबार के गद्दीनसीन महंत राजेंद्र पुरी पिछले करीब दो दशकों से भीषण गर्मी में आग की धूणी (ढेरों) के बीच कड़ी अग्नि तपस्या कर रहे हैं। इस बार भी यह कठोर अग्नि तपस्या 1 मई से प्रारंभ होगी। जो सवा महीने तक चलेगी। महंत राजेंद्र पुरी ने बताया कि देश में सर्वधर्म प्रेम एवं आपसी भाईचारा हो। सर्व कल्याण एवं राष्ट्रहित के लिए आग के बीच कठोर तपस्या करते हैं। उन्होंने बताया कि उनके परिवार की चौथी पीढ़ी इस कड़े तप को कर रही है। महंत राजेंद्र पुरी से इस भीषण गर्मी के बीच आग में बैठने के साहस बारे पूछा तो उन्होंने बताया कि यह तपस्या केवल वे जनकल्याण के लिए कर रहे हैं। 45 से 46 डिग्री तापमान में देश में आपसी भाईचारा व सर्व कल्याण के लिए हर वर्ष अग्नि तपस्या करते हैं।

भगवान परशुराम का जीवन समाज के लिए प्रेरणादायक: अशोक मेहता

श्री कृष्ण कृपा और जीयो गीता परिवार के सदस्यों ने किया शोभा यात्रा का स्वागत, दिया भंडारा

अर्थ प्रकाश/सुशील कुमार

नारायणगढ़, 29 अप्रैल। भगवान विष्णु के छठे अवतार परशुराम जी का जीवन हमें कर्तव्यनिष्ठा, धर्म और मानवता की सेवा की प्रेरणा देता है।अक्षय तृतीया पर ही भगवान परशुराम अवतरित हुए। इस दिन उनके चरित्र का स्मरण और अनुसरण कर कोई भी व्यक्ति अपने जीवन में सफलता की ऊंचाइयों को प्राप्त कर सकता है।

यह बात श्री कृष्ण कृपा एवं जीयो गीता परिवार के प्रधान अशोक मेहता ने कही। वे आज भगवान परशुराम जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में निकाली गई शोभा यात्रा के अवसर पर बोल रहे थे। शोभा यात्रा का आयोजन भगवान परशुराम सेवा दल द्वारा किया गया था। शोभा यात्रा का नगर खेड़ा पर पहुंचने पर श्री कृष्ण कृपा सेवा समिति एवं जीयो गीता परिवार के सदस्यों ने स्वागत किया और हलवे के प्रसाद का भंडारा दिया।

अशोक मेहता ने शोभा यात्रा के साथ मौजूद सभी लोगों को भगवान परशुराम जन्मोत्सव की बधाई दी और कहा कि भगवान पशुराम अजेय एंव अमर है जिनका जिक्र रामायण से लेकर महाभारत और भगवत पुराण व कल्कि पुराण आदि अनेको ग्रन्थों में किया गया है। भगवान परशुराम सनातन के एक ऐसे शक्ति-पुंज हैं जिन्होंने धर्मरक्षा के लिए विधर्मी ताकतों के खिलाफ संघर्ष किया तथा धर्म का राज्य कायम कराया।हर युग में उन्हें पूजा गया है और आने वाले अनगिनत युगों तक पूजा जाएगा। हमें चाहिए कि भगवान परशुराम द्वारा दिखाए गए रास्ते पर चलकर सभ्य समाज का निर्माण करें। उन्होंने कहा कि भगवान परशुराम का जीवन दर्शन समाज के लिए प्रेरणादायक है। भगवान परशुराम ने एकता का सूत्र संसार को दिया है। सभी जाति और समाजों में समरसता का संदेश दिया है।भारतीय वाङमय में सबसे दीर्घ जीवी चरित्र परशुराम जी का है।

मारपीट के मामले में आरोपी को किया शामिल जांच

अंबाला (अप्रस/रवि पाहुजा)। पुलिस अधीक्षक अम्बाला अजीत सिंह शेखावत के निर्देशानुसार अम्बाला पुलिस द्वारा अपराधों की रोकथाम व आपराधिक मामलों में वांछित आरोपियों के खिलाफ चलाए गए अभियान के दौरान थाना नारायणगढ़ में दर्ज मारपीट के मामले में 28 अप्रैल 2025 को पुलिस ने कार्यवाही करते हुए आरोपी सुरेन्द्र कुमार निवासी गाँव राईयांवाला थाना सढौरा जिला यमुनानगर को शामिल जाँच कर न्यायिक प्रक्रियानुसार की। इस मामले के सम्बन्ध में शिकायतकर्ता पुनीत निवासी गाँव गदौली माजरा थाना नारायणगढ़ जिला अम्बाला ने 22 अप्रैल 2025 को थाना नारायणगढ़ में शिकायत दर्ज करवाई थी कि 18 अप्रैल 2025 को आरोपी सुरेन्द्र कुमार ने उसके पिता जी से मारपीट करते हुए उन्हें चोट पहुँचाई है।

पुलिस अधिकारी से जबरन माफी मंगवाना सत्ता का घमंड: इंद्र पाई

अर्थ प्रकाश/कृष्ण प्रजापति

पूंडरी, 29 अप्रैल। हरियाणा में लोकतंत्र और प्रशासन की गरिमा को उस समय गहरी ठेस पहुंची जब एक पुलिस अधिकारी से सिर्फ इसलिए सार्वजनिक रूप से माफी मंगवाई गई क्योंकि वह एक बीजेपी नेता को पहचान नहीं सका। यह घटना न सिर्फ अमानवीय है, बल्कि बीजेपी सरकार के अहंकार और सत्ता के दुरुपयोग की खुली तस्वीर है।

इस मामले पर वरिष्ठ इनैलो कार्यकर्ता इंद्र पाई ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि यह हरियाणा की बीजेपी सरकार का अब तक का सबसे शर्मनाक और तानाशाहीपूर्ण कदम है। वर्दी पहनकर जो अधिकारी जनता की सेवा में तैनात है, उसके आत्मसम्मान को रौंदकर बीजेपी ने बता दिया कि उनके लिए लोकतांत्रिक मर्यादाएं कोई मायने नहीं रखतीं।

इनेलो नेता ने पूछा कि क्या यही है बीजेपी का 'सुशासन' मॉडल है। उन्होंने सवाल उठाया कि बीजेपी सुशासन का दावा करती है परंतु अधिकारियों पर तानाशाही रवैया भी अपनाती है, जिसमें एक वफादार पुलिस अधिकारी को बेइज्जत किया जाता है, सिर्फ इसलिए कि उसने एक नेता की पहचान नहीं की।

इनेलो के पूर्व पुंडरी हल्का अध्यक्ष इंद्र पाई ने तंज कसते हुए कहा कि क्या अब अधिकारी अपनी ड्यूटी निभाने से पहले नेताओं की पहचान पत्र लेकर चलेंगे।

विदेश भेजने के नाम पर 12 लाख की ठगी, आरोपी गिरफ्तार

अर्थ प्रकाश/सुभाष जैन

पानीपत, 29 अप्रैल। थाना चांदनी बाग पुलिस ने मार्केट बोर्ड कॉलोनी निवासी युवक को विदेश भेजने के नाम पर 12 लाख रूपए की धोखाधड़ी करने मामले में एक आरोपी को सोमवार देर शाम को गिरफ्तार किया। आरोपी की पहचान अमित निवासी गोली असंध करनाल के रूप में हुई।

थाना चांदनी बाग प्रभारी इंस्पेक्टर संदीप ने बताया कि प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी ने मामले में नामजद अपने भाई अशोक व अन्य साथी आरोपियों के साथ मिलकर धोखाधड़ी करने की उक्त वारदात को अंजाम देने बारे स्वीकारा। पुलिस ने मंगलवार को अरोपी को माननीय न्यायालय में पेश किया जहा से उसे एक दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया। रिमांड के दौरान पुलिस आरोपी से गहनता से पूछताछ करने के साथ ही ठगी गई नगदी बरामद करने का प्रयास करेंगी।

पुलिस महानिरीक्षक अंबाला मंडल को उनके कार्यालय में साहिल पुत्र मदन निवासी सुताना हाल मार्केट बोर्ड कॉलोनी पानीपत ने शिकायत देकर बताया था कि 15 जुलाई 2023 को उसके पास अशोक पुत्र रामनिवास निवासी गोली करनाल ने फ्रांस से फोन कर कहा कि वह उसको व अपने गांव निवासी दीपक को फ्रांस में बुलाकर नौकरी लगवा देगा और यहा वे अच्छा पैसा कमा सकते है। इसके बाद अशोक का भाई अमित उनके घर आकर कहने लगा फ्रांस जाकर यूरो कमा घर की स्थिति सुधार सकते हो। अमित ने उससे कहा कि उसने काफी बच्चे विदेश भेजे है। और अपने भाई अशोक को फ्रांस भेज रखा है। अशोक फ्रांस में पुलिस महकमें में कार्य करता है और उसकी वहा उच्च स्तर पर जान पहचान है।

सावधान! रंगीन सब्जियां साबित हो रही सेहत के लिए खतरनाक

- फलो को भी रंगा जा रहा है खतरनाक रसायनों से

अर्थ प्रकाश/शैलेंद्र जैन

करनाल, 29 अप्रैल। देश में जिस तेजी से कैंसर फैल रहा है। हर तरह का कैंसर लोगों को मौत की तरफ अग्रसर कर रहा है। इसके पीछे मुख्य कारण खाने के सामान में अंधाधुंध रसायन का प्रयोग होना है। इन दिनों सब्जियों को ताजा दिखाने के लिए व्यापारियों और किसानो पर सब्जियों को रंगने का जुनून सवार है। ताकि उनकी सब्जी बिक सके। जो सब्जियां सूख जाती हैं या उनका रंग भद्दा हो जाता है।

उन सब्जियों को रसायनिक रंगो से रंग दिया जाता है। बाजार में हरी भिंडी, हरे मटर के दाने, लाल टमाटर, हरे करेले और टिंडे, कच्ची आमी के साथ-साथ अन्य रंगो क सब्जियां चटकदार दिखाई देती है। प्राकृतिक तौर पर इतनी रंगीन सब्जियां नहीं होती। इन सब्जियों के पीछे खतरनाक रसायनों का आवरण चढ़ा होता है। वहीं पर यदि फलो की बात की जाएं तो आम, आढू, केले और अन्य फलो को भी कैमिकल से पकाया जाता रहा है। आढू और कीवी के साथ-साथ लीची और अन्य रंगीन फलों को भी रंग दिया जाता है। आढू को साफ करने के लिए फल विक्रेता जिस रसायन का उपयोग करते है तो उससे कैंसर का खतरा बना रहता है। इन सबसे अंजान स्वास्थ्य विभाग मूक दर्शक बनकर इन सबको देख रहा है। औपचारिकता पूरी करने के लिए मिठाई की दुकानो और होटलो मे तो छापे मारे जाते है। लेकिन रंगीन फलो और सब्जियों को पकडने के लिए कहीं भी छापामार कार्रवाई नहीं होती। आम और केले को पकाने के लिए जिस कैल्शियम कार्बाइट का प्रयोग किया जाता है। उससे एसिटलीन गैस निकलती है। जो हवा पकड़ते ही खतरनाक हो जाती है। इससे वेल्डिंग की जाती है। लेकिन केले को पकाने के बाद काफी बड़ा अंश इसके अन्दर रह जाता है। क्या कहते है डाक्टर ऱसायन रंगो से रंगीन सब्जियों और फलो को सेहत के लिए खतरनाक बताते हुए मेडिसिन स्पेशलिस्ट डा. नेत्रपाल रावल ने बताया कि यह सब्जियां कैंसर का भी कारण बन सकती है। इन सब्जियों को प्रयोग करने से पहले एक घंटा पूर्व पानी में डाल देना चाहिए। एक घंटे बाद इन्हें रगडकर साफ कपड़े से पौछकर उपयोग में लाना चाहिए। इन सब्जियों को सीधे उपयोग में नहीं लेना चाहिए। खासतौर पर खीरे और ककड़ी, टमाटर, केले और आमो को। उन्होंने बताया कि लोग अधिक रंगीन सब्जियां पसंद करते है। जबकि प्राकृतिक तौर पर इतनी रंगीन सब्जियां नहीं होती। लोगों को अच्छी तरह से इन्हें प्रयोग करना चाहिए।

क्या कहते है सी.एम.ओ

सी.एम.ओ ने बताया कि समय-समय पर ऐसे लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाती है। यदि उन्हें कोई शिकायत मिलती है तो वह कार्रवाई जरूर करते है। खाद्य निरीक्षकों द्वारा समय-समय पर फलो और सब्जियों के सैंपल भी लिए जाते है। यदि कोई दोषी पाया जाता है तो उसके खिलाफ कार्रवाई भी की जाती।

क्यों है हिंदुओं के लिए अक्षय तृतीया का त्योहार महत्वपूर्ण : डॉ सोनिका जैन

अर्थ प्रकाश/शैलेंद्र जैन

करनाल, 29 अप्रैल। ज्योतिष ज्ञानपीठ चेयरपर्सन डॉ सोनिका जैन ने कहा है कि अक्षय तृतीया एक प्रमुख हिंदू त्योहार है, जो वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को मनाया जाता है। इस दिन को स्वयंसिद्ध मुहूर्त माना जाता है, जिसका अर्थ है कि इस दिन कोई भी शुभ कार्य बिना किसी पंचांग या मुहूर्त की चिंता के किया जा सकता है।*अक्षय तृतीया मनाने के पीछे कई पौराणिक कथाएं और धार्मिक कारण हैं: पौराणिक कथाएं*भगवान परशुराम का जन्म*: अक्षय तृतीया के दिन भगवान परशुराम का जन्म हुआ था, जो भगवान विष्णु के अवतार हैं।

गंगा नदी का अवतरण*: इस दिन गंगा नदी पृथ्वी पर अवतरित हुई थी, जो भगवान शिव की जटाओं से होकर आई थी। . वेदव्यास और गणेश जी*: अक्षय तृतीया के दिन महाभारत की रचना शुरू हुई थी, जिसे वेदव्यास ने लिखा था और गणेश जी ने लिखा था।धार्मिक कारण लक्ष्मी-नारायण पूजा*: अक्षय तृतीया पर भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की पूजा करने से सुख-समृद्धि और धन-धान्य में वृद्धि होती है*दान और पुण्य*: इस दिन किए गए दान और पुण्य का फल अक्षय होता है, यानी कभी समाप्त नहीं होता। *शुभ कार्य*: अक्षय तृतीया पर नए कार्य शुरू करने, वस्त्र और आभूषण खरीदने, और घर या वाहन खरीदने के लिए शुभ माना जाता है। *अक्षय तृतीया पर खरीदारी*

अक्षय तृतीया पर निम्नलिखित वस्तुओं की खरीदारी करना शुभ माना जाता है - *मिट्टी का घड़ा*: मिट्टी का घड़ा खरीदने से घर में पैसों की कमी नहीं होती और समृद्धि का वास होता है। पीतल या तांबे के बर्तन*: पीतल या तांबे के बर्तन खरीदने से घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और माता लक्ष्मी की कृपा प्राप्त होती है।कौड़ी*: कौड़ी को माता लक्ष्मी की प्रिय वस्तु माना जाता है। अक्षय तृतीया के दिन 11 कौड़ी खरीदकर उन्हें लाल कपड़े में बांधकर पूजा स्थल पर रखने से घर में धन और समृद्धि का वास होता है। इस वर्ष अक्षय तृतीया 30 अप्रैल को है, और इस दिन सर्वार्थ सिद्धि योग, शोभन योग और रवि योग जैसे शुभ योग बन रहे हैं। इस दिन का लाभ उठाने के लिए आप उपरोक्त काम कर सकते हैं और सुख-समृद्धि की प्राप्ति कर सकते हैं। अक्षय तृतीया के बारे में जानकारी अक्षय तृतीया और परशुराम जयंती से जुड़ी हुई है, जो वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को मनाई जाती है। इस वर्ष, अक्षय तृतीया और परशुराम जयंती की तिथि को लेकर कुछ भ्रम है, लेकिन ज्योतिषाचार्य के अनुसार, अक्षय तृतीया 30 अप्रैल को मनाई जाएगी। अक्षय तृतीया तिथि और मुहूर्त: अक्षय तृतीया तिथि 29 अप्रैल को शाम 5:31 बजे से शुरू होकर 30 अप्रैल को दोपहर 2:12 बजे तक रहेगी। अक्षय तृतीया का ज्योतिषीय महत्व *स्वयंसिद्ध मुहूर्त*: अक्षय तृतीया को स्वयंसिद्ध मुहूर्त माना जाता है, जिसका अर्थ है कि इस दिन कोई भी शुभ कार्य बिना किसी पंचांग या मुहूर्त की चिंता के किया जा सकता है। नए कार्य शुरू करने के लिए शुभ*: अक्षय तृतीया पर नए कार्य शुरू करने के लिए शुभ माना जाता है, जैसे कि व्यवसाय शुरू करना, घर खरीदना, या नए वाहन खरीदना।

धन और समृद्धि की प्राप्ति*: अक्षय तृतीया पर भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की पूजा करने से धन और समृद्धि की प्राप्ति होती है। *पुण्य और दान*: अक्षय तृतीया पर किए गए दान और पुण्य का फल अक्षय होता है, यानी कभी समाप्त नहीं होता। अक्षय तृतीया एक महत्वपूर्ण त्योहार है जो ज्योतिष के अनुसार बहुत महत्व रखता है। इस दिन का लाभ उठाने के लिए आप उपरोक्त काम कर सकते हैं और सुख-समृद्धि की प्राप्ति कर सकते हैं।

हर भारतवासी को खड़े होकर यह कहना चाहिए कि 'नरेंद्र मोदी हम आपके साथ है, आप लड़ाई करो हम आपके साथ है' : विज

- कश्मीर की खुशहाली देखकर पाकिस्तान के सीने पर सांप लोटते है, कश्मीर तरक्की कर रहा है वहां पौने दो करोड़ सैलानी आए जिससे कश्मीर की अर्थव्यवस्था बड़ी है
- कश्मीर में धर्म पूछ-पूछकर हिंदुओं को मारा गया, यदि हिंदुओं ने निर्णय किया कि हम वैष्णों देवी, अमरनाथ नहीं जाएंगे

अर्थ प्रकाश/रवि पाहुजा

अंबाला, 29 अप्रैल। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन व श्रम मंत्री अनिल विज ने कांग्रेस द्वारा पहलगाम में आतंकी हमले को लेकर सवाल उठाने पर प्रतिक्रिया दी और कहा कि यह युद्ध का समय है और ऐसे समय में आपस में नहीं लड़ा करते। यकीनी तौर पर इनके दिमाग में कुछ प्रश्न हो सकते हैं, लेकिन उन्हें उठाने का यह समय नहीं है। उन्होंने कहा यह समय सारे देश की एकता दिखाने का है, हर भारतवासी को खड़े होकर यह कहना चाहिए कि 'नरेंद्र मोदी हम आपके साथ है, आप लड़ाई करो हम आपके साथ है'। विज आज पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे।

भारत की जवाबी कार्रवाई से बचने के लिए पाकिस्तान ने आतंकियों को उनके लांच पैड से हटाकर कैंप में भेज दिया है पर प्रतिक्रिया देते हुए कैबिनेट मंत्री अनिल विज ने कहा कि यह रहेंगे तो पाकिस्तान में ही न, कहीं भी यह दौड़कर चलें जाएंगे इन्हें हम नहीं छोड़ेंगे। यह बार-बार हमारी शांति भंग करते है, कश्मीर की खुशहाली देखकर इनके सीने पर जो सांप लोटता है कि हम तो भूखे मर रहे हैं और कश्मीर तो तरक्की कर रहा है। कश्मीर में पौने दो करोड़ सेलानी आए जिससे कश्मीर की अर्थव्यवस्था कितनी बढ़ती है। ऐसे में यह धर्म पूछ-पूछकर लोगों को मार रहे हैं। यदि किसी दिन हिंदुओं ने निर्णय कर लिया कि न हम वैष्णो देवी जाएंगे, न अमरनाथ जाएंगे और न हम कश्मीर में सैलानी बनकर जाएंगे। ऐसे में अर्थव्यवस्था का क्या हाल होगा।

मोदी जी जो कहते हैं वो करके दिखाते हैं: विज

पहलगाम हमले का मास्टरमाइंड पाकिस्तान का पूर्व एसएसजी कमांडर हाशिम मूसा बताया जा रहा है जबकि पाकिस्तान इस हमले में अपना कोई हाथ होने पर इंकार कर रही है जिसपर कैबिनेट मंत्री अनिल विज ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि फिर यह पाकिस्तान छोड़-छोड़ क्यों भाग रहे है और बच्चों को विदेशों में क्या भेजा जा रहा है। आज तक किसी चोर ने यह नहीं कि मैं चोर हूं, इसका फैसला तो निष्पक्ष ताकतें कर दी है और फैसला भारत ने कर दिया है कि हम किसी भी हालत में आतंकवाद को बर्दाश्त नहीं करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यह बार-बार कहा है कि यह जो खून तुमने बहाया है इसका हम इंसाफ करेंगे तथा मोदी जी जो कहते हैं वो करके दिखाते हैं।

हमने 1965, 1971 और 1999 में कारगिल युद्ध देखा, हम आज भी तैयार: विज

कैबिनेट मंत्री अनिल विज ने कहा कि हमने 1965 व 1971 की ल?ाई देखी जब अम्बाला में बम गिरे और लोगों ने तब छतों पर ख? होकर विमान देखे और हौंसला दिखाया था। हमने 1999 में कारगिल ल?ाई देखी जब सैनिक दायित्व निर्वाह के लिए जोश के साथ यहां से आगे जा रहे थे। तब यहां पर लोगों ने सैनिकों के लिए जलपान आदि का प्रबंध भी किया। हम पूरी तरह से आज भी तैयार है और कोई भी भेष बदलकर आ जाए उसे भेद दिया जाएगा।

छह ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने स्टार्टअप्स को सपोर्ट करने के लिए निवेश किए 290 करोड़ रुपए : केंद्रीय मंत्री

अर्थ प्रकाश संवाददाता

नई दिल्ली, 29 अप्रैल। देश की छह ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने अब तक स्टार्टअप इकोसिस्टम को सपोर्ट करने के लिए 290 करोड़ रुपए का निवेश किया है। केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने मंगलवार को यह बयान दिया।

ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने अपने 550 करोड़ रुपए के स्टार्टअप फंड से 303 उभरते हुए स्टार्टअप्स को सपोर्ट किया है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम बन गया है।

पुरी ने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, 'भारत की स्टार्टअप यात्रा सिर्फ संख्याओं के बारे में नहीं है। यह सपनों, दृढ़ संकल्प और इनोवेशन द्वारा आकार दिए गए नए भविष्य के बारे में है।'

हरदीप पुरी ने आगे कहा कि देश में 1.5 लाख से अधिक स्टार्टअप और 120 यूनिकॉर्न हैं।

पुरी ने पोस्ट में आगे कहा, 'पेट्रोलियम मंत्रालय के तहत आने वाली छह ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने अपने 550 करोड़ रुपए के स्टार्टअप फंड में से 290 करोड़ रुपए का निवेश 303 कंपनियों में किया है।'

सरकार ने केंद्रीय बजट 2025-26 में फंड ऑफ फंड्स स्कीम के माध्यम से डीपटेक और एआई-सक्षम प्लेटफॉर्म विकसित करने के लिए स्टार्टअप्स को 10,000 करोड़ रुपए का फंड आवंटित किया था।

केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने हाल ही में 'स्टार्टअप महाकुंभ' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार एक नियामक के रूप में नहीं बल्कि एक सुविधाकर्ता के रूप में स्टार्टअप का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध है। इनोवेशन में भारत की बढ़ती ताकत पर प्रकाश डालते हुए, गोयल ने डीप टेक्नोलॉजी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डेटा एनालिटिक्स में देश की क्षमता पर विश्वास जताया।

गोयल ने कहा, 'मुझे विश्वास है कि भारत इनोवेशन की दुनिया में बड़े पैमाने पर आगे बढ़ेगा। हम वैश्विक मंच पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराएंगे।'

आने वाला समय इनेलो का अभय चौटाला होंगे प्रदेश मुख्यमंत्री : सलिंद्र प्रताप राणा

अर्थ प्रकाश/कपिल देव रोहिल्ला

कलायत, 29 अप्रैल। कलायत इनेलो द्वारा सलिंद्र प्रताप राणा को किसान प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इस खुशी में कलायत स्थित विश्वकर्मा धर्मशाला परिसर में कार्यकर्ताओं की आभार बैठक हुई। इसमें पदाधिकारियों-कार्यकर्ताओं ने सलिंद्र प्रताप राणा की नियुक्ति पर पार्टी हाईकमान का आभार व्यक्त किया। इसके साथ ही बैठक में भगवान परशुराम महोत्सव और इनेलो स्थापना दिवस उमंग-उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यकर्ताओं ने लड्डू बांटकर खुशी जाहिर की। वरिष्ठ नेता शमशेर कुराड़, पूर्व जिला अध्यक्ष मोनी बालू, भगवान परशु राम छात्र संगठन प्रधान सुमित राणा, सन्नी चौशाला, कश्मीर वाल्मीकि, सोनू नंबरदार, जसमेर राणा, विक्रम राणा, पवन भट्ट, साहिल राणा, भोलू राणा, जयभगवान शर्मा, कुलदीप सिंह, बीरजा धीमान, बिंद्र बालू, करतार बालू, रामफल और बड़ी संख्या में कार्यक्रम में मौजूद कार्यकर्ताओं ने कहा कि सलिंद्र प्रताप राणा को महत्वपूर्ण जिम्मेवारी सौंपने से संगठन को मजबूती मिलेगी। सलिंद्र प्रताप राणा ने कहा कि कलायत हलका में ताऊ देवीलाल, पूर्व मुख्यमंत्री ओपी चौटाला और इनेलो राष्ट्रीय अध्यक्ष अभय चौटाला का हर वर्ग से गहरा जुड़ाव रहा है। लोकदल और इनेलो के माध्यम से मेहनतकश वर्ग को राजनीति में आगे बढने के अवसर हमेशा मिले। इसके साथ ही विकास एवं कल्याणकारी योजनाओं की सौगात ताऊ देवीलाल की नीतियों पर चलते हुए संगठन ने दी है। राणा ने कहा कि विपरीत परिस्थितियों का सामना करते हुए इनेलो संजीदगी से अपने कर्तव्य का निर्वहन हर वर्ग के लिए करती आई है। इसलिए आने वाला समय फिर इनेलो का है और अभय चौटाला प्रदेश के मुख्यमंत्री होंगे। सलिंद्र प्रताप राणा ने भाजपा मंडल कार्यकारिणी में उनका नाम घोषित करने पर आपत्ति जताते हुए बिना देरी के नाम हटाने को कहा गया है।

आरेडिका में माननीय नेता प्रतिपक्ष एवं सांसद राहुल गांधी का दौरा

अर्थ प्रकाश संवाददाता

रायबरेली, 29 अप्रैल। माननीय नेता प्रतिपक्ष एवं सांसद रायबरेली राहुल गाँधी तथा माननीय सांसद अमेठी किशोरी लाल शर्मा ने दिनांक-29.04.2025 को आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना रायबरेली का दौरा किया। श्री गाँधी ने आरेडिका के महाप्रबंधक प्रशान्त कुमार मिश्रा तथा उच्च अधिकारियों के साथ फैक्ट्री परिसर का दौरा किया।

दौरे के दौरान आरेडिका प्रशासन के द्वारा फैक्ट्री में उत्पादित होने वाले व्हीलों तथा विभिन्न कोचों जैसे स्लीपर, एसी3 इकोनॉमिक, एसी पेन्ट्रीकार, नॉन एसी चेयरकार, तेजस, राजधानी, वन्देभारत शेल प्रोटोटाइप आदि के निर्माण के बारे में जानकारी प्रदान की गयी।

श्री गांधी ने कारखाने में कोच उत्पादन की प्रक्रिया को देखा एवं कोचों की गुणवत्ता को देख कर संतोष व्यक्त किया।

उन्होंने आमजन के उपयोग में होने वाले सामान्य कोच (दीन दयालु कोच) तथा स्लीपर कोच को देखा और कोच के अंदर आमजन की यात्रा को सुविधाजनक बनाने के लिए किये गये सुधारों जैसे सीट एंड बर्थ, स्लाइडिंग विंडो डोर, मोबाइल चार्जिंग प्वाइंट, कुशन युक्त लगेज रैक जो आवश्यकतानुसार अतिरिक्त सीट के रूप में यात्रा के लिए भी उपयोग हो सके, एफआरपी पैनल, माडयूलर टॉयलेट आदि का देखा।

इस अवसर पर आरेडिका के प्रधान मुख्य यांत्रिक इंजीनियर विवेक खरे, प्रधान मुख्य सामग्री प्रबन्धक राजीव खण्डेलवाल, प्रधान मुख्य इंजीनियर सत्य प्रकाश यादव, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी अतुल प्रियदर्शी, प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी रूपेश श्रीवास्तव, वरिष्ठ उप महाप्रबंधक एवं मुख्य सर्तकता अधिकारी अकमल वदूद, प्रधान मुख्य चिकित्सा अधिकारी आभा जैन सहित वरिष्ठ अधिकारी तथा कर्मचारी उपस्थित रहे।

20 मई को राज्यव्यापी चक्का जाम हड़ताल करेंगे रोडवेज कर्मी

कैथल (अप्रस)। हरियाणा रोडवेज कर्मचारी सांझा मोर्चा के आह्वान पर कैथल डिपो पर कर्मचारियों ने प्रदर्शन किया और कर्मशाला प्रबंधक के माध्यम से महानिदेशक रोडवेज को ज्ञापन सौंपा। कार्यक्रम की अध्यक्षता अमित कुमार कुंडू ने की तथा संचालन डिपो सचिव कृष्ण गुलियाना द्वारा किया गया। राज्य मोर्चा के वरिष्ठ सदस्य कृष्ण कुमार राविश, पूर्व कैशियर जसबीर सिंह, उपप्रधान विक्रम गुहणा, केंद्रीय कमेटी नेता कृष्ण गुलियाना, अमित कुमार कुंडू, महावीर सिंह सिंधु सहित अन्य नेताओं ने कहा कि गत 17 जुलाई को परिवहन मंत्री की अध्यक्षता में मोर्चा प्रतिनिधिमंडल के साथ हुई बैठक में कई मांगों को जायज मानते हुए सहमति बनी थी। उस समय सरकार ने शीघ्र परिपत्र जारी कर मांगों को लागू करने का भरोसा दिया था, परंतु आज तक वह परिपत्र जारी नहीं किए गए हैं जिससे कर्मचारियों को आर्थिक हानि और प्रशासनिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

जीवन में मूल्य और आदर्शों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण : ज्ञानानंद महाराज

अर्थ प्रकाश/ओम प्रकाश

कैथल, 29 अप्रैल। बाबू अनंत राम जनता कालेज कौल में उच्चतर शिक्षा निदेशालय के सौजन्य से श्रीमद्भगवद्गीता एवं योग विषय पर एक दिवसीय अन्तर्वैषयिकी राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इसमें मुख्यातिथि के तौर पर अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज ने शिरकत की। प्राचार्य डा. ऋषिपाल के मार्गदर्शन में संगोष्ठी की अध्यक्षता प्रबंधन समिति के प्रधान चौ. तेजवीर सिंह ने की। संगोष्ठी का शुभारंभ स्व. ईश्वर सिंह की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर मां सरस्वती वंदना एवं दीप प्रबोधन द्वारा किया गया। मुख्यातिथि स्वामी ज्ञानानंद महाराज ने उपस्थित श्रोताओं को संबोधित करते हुए श्रीमद्भगवद्गीता के विभिन्न आयामों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि श्रीमद्भगवद्गीता का प्रत्येक क्षेत्र में विशेष महत्व है। चाहे वह शिक्षा हो, व्यवसाय हो, प्रबंधन हो या व्यक्तिगत जीवन, गीता के सिद्धांत हर क्षेत्र में मार्गदर्शन प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि जीवन में मूल्य और आदर्शों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। ये न केवल एक व्यक्ति के चरित्र का निर्माण करते हैं बल्कि समाज में भी सकारात्मक परिवर्तन लाते हैं। उन्होंने गीता के कर्मयोग को समझाते हुए कहा कि वर्तमान में जीते हुए अपने कर्म करना ही असली कर्म सूत्र है। उन्होंने गीता के कर्मयोग और भक्ति योग को विस्तार से बताया।

स्नेह राणा के पंजे की बदौलत भारत की महिला टीम ने दक्षिण अफ्रीका को 15 रन से हराया

अर्थ प्रकाश/साक्षी जैन

चंडीगढ़/नई दिल्ली, 29 अप्रैल। भारत की महिला टीम ने कोलंबो के आर. प्रेमदासा स्टेडियम में दक्षिण अफ्रीका की महिलाओं पर नाटकीय अंदाज में 15 रन से जीत दर्ज की, जो श्रीलंका में चल रही त्रिकोणीय सीरीज में उनकी लगातार दूसरी जीत है। भारत ने प्रोटियाज द्वारा पहले विकेट के लिए 140 रन की साझेदारी से वापसी करते हुए यादगार जीत दर्ज की, जिसकी अगुआई एक बार फिर हमेशा की तरह भरोसेमंद स्नेह राणा ने की।

भारत का 50 ओवर में 276/6 का स्कोर प्रतिस्पर्धी लग रहा था, लेकिन अजेय नहीं, खासकर तब जब दक्षिण अफ्रीका ने बिना किसी नुकसान के 140 रन बना लिए। लेकिन राणा के निर्णायक 48वें ओवर, जिसमें तीन विकेट शामिल थे, ने मैच का रुख पलट दिया और सुनिश्चित किया कि ब्लू की महिला टीम कुल स्कोर का बचाव कर सके।

टॉस जीतकर लगातार दूसरे मैच में बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने सलामी बल्लेबाज प्रतीक रावल और स्मृति मंधाना के साथ मिलकर अच्छी शुरुआत की। दोनों ने बिना ज्यादा जोखिम उठाए पावरप्ले में 43 रन बनाए।

उन्होंने अपनी ओपनिंग साझेदारी को 83 रनों तक बढ़ाया, जिसमें रावल ने एक बार फिर क्रीज पर अपनी शांत उपस्थिति दिखाई, जबकि मंधाना ने 19वें ओवर में 36 रन पर आउट होने से पहले लेग-साइड में गेंद को खूबसूरती से टाइम किया।

रावल ने एक और संयमित अर्धशतक बनाया- यह उनका लगातार पांचवां अर्धशतक था, उन्होंने अपनी पिछली पारी की तरह ही पारी को संभाला। हालांकि, बीच के ओवरों में भारत की पारी लगभग रुक गई, जब हरलीन देओल अपनी शुरुआत को भुनाने में विफल रहीं।

इसके बाद जेमिमा रोड्रिग्स और कप्तान हरमनप्रीत कौर ने नियंत्रण संभाला। दोनों ने 41 रनों की समान पारी खेली, जिससे भारत प्रतिस्पर्धी स्कोर की ओर बढ़ रहा था।

अंतिम शानदार प्रदर्शन विकेटकीपर बल्लेबाज ऋचा घोष ने किया, जिन्होंने हरमनप्रीत के साथ मिलकर डेथ ओवरों में महत्वपूर्ण बाउंड्री लगाई। भारत ने अंतिम 11 ओवरों में 94 रन जोड़कर 276/6 का स्कोर बनाया, जो कि एक पार स्कोर था।

दक्षिण अफ्रीका की प्रतिक्रिया शुरू से ही जोरदार रही। अनुभवी सलामी जोड़ी लॉरा वोल्वार्ट और टैजमिन ब्रिट्स ने बेहतरीन नींव रखी। वे बिना किसी लापरवाही के आक्रामक थे, उन्होंने शॉर्ट या वाइड को दंडित किया। ब्रिट्स विशेष रूप से धाराप्रवाह थी, अपने पैरों का प्रभावी ढंग से उपयोग कर रही थी और रन-एंड-बॉल दर पर स्ट्राइक कर रही थी। 10 ओवर के निशान तक, दक्षिण अफ्रीका पहले ही बिना किसी नुकसान के 61 रन बना चुका था, और आवश्यक दर अच्छी तरह से नियंत्रण में थी।

भारत के गेंदबाज दबाव में थे, लेकिन दीप्ति शर्मा ने 24वें ओवर में वोल्वार्ट को 43 रन पर आउट करके तोड़ दिया। यह वह सफलता थी जिसकी भारत को सख्त जरूरत थी, और यह बिल्कुल सही समय पर आई। लॉरा गुडॉल जल्द ही आउट हो गई, क्योंकि स्नेह राणा ने फिर से आक्रमण में प्रवेश किया और उन्हें आसानी से आउट कर दिया।

दो विकेट खोने के बावजूद, दक्षिण अफ्रीका अभी भी नियंत्रण में था, ब्रिट्स अपने शतक की ओर बढ़ रही थी और क्लो ट्रायोन सकारात्मक इरादे से आगे बढ़ रही थी। ब्रिट्स ने अपना तीसरा वनडे शतक बनाया - ऊर्जा-क्षीण करने वाली परिस्थितियों को देखते हुए एक शानदार प्रयास - लेकिन जल्द ही, वह ऐंठन और स्पष्ट थकावट का हवाला देते हुए 108 रन पर रिटायर्ड हर्ट हो गईं। वह क्षण महत्वपूर्ण साबित हुआ, क्योंकि दक्षिण अफ्रीका की पारी ने वहां से लय खो दी।

ट्रायोन और एनेरी डर्कसेन ने एक महत्वपूर्ण साझेदारी करते हुए एक स्मार्ट काउंटर-अटैक के साथ मैच को भारत से दूर ले जाने का प्रयास किया। अंतिम तीन ओवरों में 25 रन की जरूरत और पांच विकेट हाथ में होने के कारण, खेल थोड़ा प्रोटियाज की ओर झुका। लेकिन स्नेह राणा अपने अंतिम ओवर के लिए लौटीं और एक ऐसा ओवर किया जो युगों तक याद किया जाएगा।

सबसे पहले, उन्होंने खतरनाक ट्रायोन को आउट किया, जिन्होंने फ्लाइट को गलत तरीके से पढ़ा और होल आउट हो गईं। फिर आया बड़ा पलट डेर्कसन और वापसी करने वाली टैज़मिन ब्रिट्स के लगातार दो विकेट, जो ऐंठन के बावजूद वापस आ गईं।

राणा ने तीन गेंदों में मध्यक्रम को ध्वस्त कर दिया, जिससे खेल पूरी तरह से भारत के पक्ष में हो गया। 18 गेंदों पर 25 रन की जरूरत से दक्षिण अफ्रीका अचानक सिमट गया और लड़खड़ा गया।

पुछल्ले बल्लेबाज वापसी नहीं कर सके, और दो रन आउट ने दक्षिण अफ्रीका की किस्मत को सील कर दिया, क्योंकि वे 49.3 ओवर में 261 रन पर ढेर हो गए - लक्ष्य से 15 रन पीछे रह गए। राणा ने एक बार फिर टीम की धड़कन बनकर 43 रन देकर 5 विकेट चटकाए - मैच के सर्वश्रेष्ठ आंकड़े और एक ऐसा स्पैल जिसने पूरी तरह से गति बदल दी।

इस जीत के साथ, भारत त्रिकोणीय श्रृंखला की तालिका में शीर्ष पर है और अगले मैच से पहले अमूल्य गति प्राप्त कर चुका है।

उत्तर रेलवे

ई–नीलामी सूचना

भारत के राष्ट्रपति की तरफ से वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबन्धक, उत्तर रेल्वे अंबाला छावनी द्वारा मण्डल के निम्नलिखित स्टेशनों पर ठेके आवंटित करने हेतु ई–नीलामी रेल्वे वेब साइट **www.ireps.gov.in,** के माध्यम से बोली आमंत्रित की जा रही है। आवंटित की जाने वाले ठेको का विवरण निम्नलिखित है

	क्र सं	नीलामी काटलोग सं.	कार्य का विवरण	नीलामी तिथि व समय
PARKING	1	UMB-Mix-12-2025	धुलकोट रेलवे स्टेशन पर कुल 317.0625 वर्ग मीटर क्षेत्रफल का दो पहिया वाहन पार्किंग स्थल।	07.05.25 12:00
	2	UMB-Mix-12-2025	राजपुरा रेलवे स्टेशन पर कुल 1701 वर्ग मीटर क्षेत्रफल का व्यापक पार्किंग स्थल।	07.05.25 12:00
	3	UMB-Mix-12-2025	अबोहर रेलवे स्टेशन पर कुल 2160.57 वर्ग मीटर क्षेत्रफल का व्यापक पार्किंग स्थल।	07.05.25 12:00
Catering	4	UMB-Mix-12-2025	मलौट रेलवे स्टेशन के पी.एफ. नंबर 1 पर 10'x6' आकार की लघु खानपान इकाई (स्टॉल)	07.05.25 12:00
	5	UMB-Mix-12-2025	कालका रेलवे स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया में 10'x6' आकार की लघु खानपान इकाई (स्टॉल)	07.05.25 12:00

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 1257/25

AP-804

अधिकतम 37 डिग्री से.
न्यूनतम 26
सूर्योदय 5.40 प्रातः
सूर्यास्त 7.00 सायं

सोना 24 कैरेट	98,120.00
सेंसेक्स	80,288.38
अमेरिका	85.17
कैनेडियन	61.52
आस्ट्रेलिन	54.54

न्यूज ब्रीफ

चंडीगढ़ में हाईकोर्ट परिसर के चारों तरफ होगी फेंसिंग, 2.64 करोड़ की लागत से 2 किलोमीटर में घेराबंदी

चंडीगढ़ (अप्रस)। पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट की सुरक्षा को और मजबूत बनाने के लिए चंडीगढ़ प्रशासन ने हाईकोर्ट की चारदीवारी के चारों ओर आयरन ग्रिल की फेंसिंग लगाने की योजना शुरू कर दी है। यह हाईकोर्ट यूनेस्को वर्ल्ड हेरिटेज साइट 'कैपिटल कॉम्प्लेक्स' के अंतर्गत आता है, इसलिए प्रशासन ने यह योजना उच्च स्तर पर विचार-विमर्श के बाद तैयार की है। इस प्रोजेक्ट के लिए हाईकोर्ट सुरक्षा कमेटी, पुलिस विभाग, शहरी नियोजन विभाग और इंजीनियरिंग विभाग के अधिकारियों के साथ मिलकर योजना को अंतिम रूप दिया गया। इंजीनियरिंग विभाग ने टेंडर प्रक्रिया पूरी कर ली है और 2.64 करोड़ की राशि इस परियोजना के लिए निर्धारित की गई है। फेंसिंग की लंबाई करीब 2 किलोमीटर होगी और इसे खास तौर पर हाईकोर्ट के सुरक्षा ढांचे को और मजबूत करने के लिए डिजाइन किया गया है। अधिकारियों का कहना है कि यह कार्य शुरू होने के 3 से 4 महीने के भीतर पूरा कर लिया जाएगा। यूटी प्रशासन के सूत्रों के अनुसार, आयरन ग्रिल वर्कशॉप में तैयार की जा रही हैं और जल्दी ही उनका इंस्टालेशन कार्य शुरू कर दिया जाएगा। शहरी नियोजन विभाग और हाईकोर्ट सुरक्षा कमेटी ने मिलकर इसके डिजाइन और तकनीकी डिटेल्स को अंतिम रूप दिया है, ताकि सुरक्षा के साथ-साथ विरासत का संरक्षण भी बना रहे। प्रशासन के सामने सुरक्षा बढ़ाने के साथ विरासत स्थल की मूल पहचान बनाए रखने की दोहरी चुनौती थी, जिसे विशेषज्ञों की सलाह और विभिन्न विभागों के बीच समन्वय से हल किया गया। हाईकोर्ट के अलावा कैपिटल कॉम्प्लेक्स के अन्य हिस्सों जैसे पंजाब और हरियाणा सचिवालय और विधानसभा भवन के चारों ओर भी इसी तरह की सुरक्षा फेंसिंग लगाने की योजना बनाई जा रही है।

चंडीगढ़ प्रशासन ने चंडीगढ़ स्टार्टअप नीति 2025 लॉन्च की

पुणे, बेंगलुरु व अहमदाबाद की तर्ज पर चंडीगढ़ भी बन सकता है स्टार्टअप हब : कटारिया

प्रशासक बोले, आज का युवा पहले से ही प्रतिभाशाली और तकनीक-संचालित, हमें उन्हें बस देना है समर्थन

अर्थ प्रकाश/साजन शर्मा

चंडीगढ़, 29 अप्रैल। चंडीगढ़ प्रशासन ने मंगलवार को पंजाब राज भवन में आयोजित एक भव्य समारोह में चंडीगढ़ स्टार्टअप नीति 2025 को औपचारिक रूप से लॉन्च किया। यह आयोजन चंडीगढ़ के नवाचार और उद्यमिता केंद्र के रूप में उभरने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। लॉन्च समारोह में पंजाब के राज्यपाल और चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाब चंद कटारिया ने नीति दस्तावेज का अनावरण किया। चंडीगढ़ प्रशासन के उद्योग सचिव निशांत कुमार यादव ने नीति के ढांचे, प्रोत्साहनों और दीर्घकालिक लक्ष्यों पर एक विस्तृत प्रस्तुति दी। नीति का मुख्य लक्ष्य अगले पांच वर्षों में 200 से अधिक स्टार्टअप्स को सक्षम करना, युवाओं, महिलाओं, ट्रांसजेंडर और कम प्रतिनिधित्व वाले समूहों में नवाचार व उद्यमिता की संस्कृति को बढ़ावा देना, और स्टार्टअप्स को विचार से व्यावसायीकरण तक सहायता प्रदान करना है।

अपने संबोधन में गुलाब चंद कटारिया ने कहा कि यह नीति 2016 से प्रधानमंत्री की दृष्टि और निरंतर प्रयासों के अनुरूप तैयार की गई है। उन्होंने कहा कि पुणे, बेंगलुरु और अहमदाबाद की तरह, हमारा खूबसूरत शहर चंडीगढ़ भी स्टार्टअप हब बन सकता है। आज का युवा पहले से ही प्रतिभाशाली और तकनीक-संचालित है, हमें बस उन्हें समर्थन देना है। यह नीति युवाओं को सकारात्मक और नवाचारी दिशा में प्रेरित करेगी, रोजगार के अवसर पैदा करेगी और क्षेत्र को नशा-मुक्त बनाने में मदद करेगी। उन्होंने औद्योगिक संगठनों और शैक्षणिक संस्थानों के सहयोग से नीति को और बेहतर बनाने की बात भी कही। यह नीति चंडीगढ़ को पुणे और बेंगलुरु जैसे स्टार्टअप हब के रूप में स्थापित करने, युवा सशक्तिकरण, रोजगार सृजन और नशा-मुक्त क्षेत्र बनाने के राष्ट्रीय लक्ष्यों को समर्थन देती है। इस अवसर पर मुख्य सचिव राजीव वर्मा, मेयर श्रीमती हरप्रीत कौर बबला, पंजाब के गवर्नर के प्रधान सचिव विवेक प्रताप सिंह, और पंजाब विश्वविद्यालय, पंजाब इंजीनियरिंग कॉलेज, पीजीआई एमईआर, एसटीपीआई, आईएसबी, आईआईएसईआर मोहाली, आईआई टी रोपड़, एनएबीआई जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों के प्रतिनिधि उपस्थित थे। स्टार्टअप संस्थापक, उद्यमी, और सीआईआई, पीएचडीसीसीआई, एसोचैम, सीएएन, टीआईई, पंजाब ऐंजल्स नेटवर्क और इनोवेशन मिशन पंजाब जैसे औद्योगिक संगठनों के प्रतिनिधि भी शामिल हुए।

ट्राइसिटी के समग्र विकास में योगदान देगी नीति

चंडीगढ़ स्टार्टअप नीति 2025 चंडीगढ़ को नवाचार और उद्यमिता का केंद्र बनाने की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम है। यह नीति न केवल आर्थिक विकास को बढ़ावा देगी, बल्कि ट्राइसिटी क्षेत्र के समग्र विकास में भी योगदान देगी। समारोह का समापन राष्ट्रगान और एक नेटवर्किंग सत्र के साथ हुआ, जिसमें स्टार्टअप्स, शिक्षाविदों, और उद्योग जगत के नेताओं ने भविष्य के सहयोग पर चर्चा की।

चंडीगढ़ स्टार्टअप नीति 2025 की मुख्य विशेषताएं

-अगले पांच वर्षों में 200 से अधिक स्टार्टअप्स को बढ़ावा देना।
-युवाओं, महिलाओं, ट्रांसजेंडर और अन्य अल्प-प्रतिनिधित्व समूहों में अनुसंधान, नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देना।
-स्टार्टअप्स को विचार से लेकर व्यावसायीकरण तक वित्तपोषण, इन्क्यूबेशन, मेंटरशिप और बुनियादी ढांचा प्रदान करना।
-उद्योग और शैक्षणिक संस्थानों के बीच तालमेल को बढ़ावा देना।
-नीति के लिए प्रति 5 वर्ष के लिये 10 करोड़ का बजट आवंटित

ये होगा स्टार्टअप नीति का प्रशासनिक ढांचा

-मुख्य सचिव की अध्यक्षता में उच्च अधिकार प्राप्त समिति (एचपीसी) रणनीतिक निर्णय लेगी और निर्णयों की निगरानी करेगी। जरूरत पडने पर नीति में संशोधन करेगी।
-उद्योग सचिव की अध्यक्षता में नीति निगरानी और कार्यान्वयन समिति (पीएमआईसी) प्रोत्साहनों और गतिविधियों की निगरानी करेगी।

स्टार्टअप्स के लिए प्रोत्साहन

-आइडिया ग्रांट: शीर्ष 20 स्टार्टअप्स के लिए 2 लाख अगले 50 के लिए 1 लाख ग्रांट
-सीड स्टेज ग्रांट: प्रति स्टार्टअप: 7 लाख तक, महिलाओं/ट्रांसजेंडर-नेतृत्व वाले स्टार्टअप्स के लिए अतिरिक्त 2 लाख
-प्रारंभिक व्यावसायीकरण ग्रांट :12 लाख तक, महिलाओं/ट्रांसजेंडर-नेतृत्व वाले स्टार्टअप्स के लिए अतिरिक्त 2 लाख
किराया सब्सिडी: 12 महीनों के लिए प्रतिमाह 5,000 रुपये, प्रति स्टार्टअप एक लाख की लागत के 80 फीसदी प्रमाणन के लिए सहायता अधिकतम 1 लाख
पेटेंट फाइलिंग के लिए एक लाख तक की लागत का 80 फीसदी सहायता
-राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों के लिए 2.5 लाख तक सहायता
-त्वरण कार्यक्रमों के लिए 3 लाख तक सहायता

इन्क्यूबेटरों के लिए प्रौद्योगिकी उन्नयन ग्रांट

कुल परियोजना लागत का 25 फीसदी तक, सार्वजनिक के लिए 30 लाख, निजी के लिए 20 लाख की सीमा
निर्वाह व भरण पोषण भत्ता :7.5 लाख/वर्ष
मेंटरशिप समर्थन: मेंटरिंग गतिविधियों के लिये 5 लाख/वर्ष

स्टार्टअप के लिये गैर-वित्तीय प्रोत्साहन

एक वर्ष के लिए बिना किसी लागत के मुफ्त इन्क्यूबेशन।
सरकारी खरीद में छूट, 6 श्रम कानूनों में स्व-प्रमाणन,
प्रदर्शनियों में रियायती स्टॉल
स्टार्ट-इन-चंडीगढ़ पोर्टल के माध्यम से सेवाएं
अन्य गतिविधियां-स्कूलों, कॉलेजों और आईटीआई में उद्यमिता सेल
शिक्षकों के लिए स्टार्टअप संवेदीकरण कार्यक्रम
स्टार्टअप फेस्ट और हैकाथॉन के लिए 30 लाख/वर्ष
जागरूकता कार्यक्रमों के लिए 20 लाख/वर्ष।

सिंगापुर की टिकट दिलवाने के नाम पर लाखों रुपए की ठगी, मामला दर्ज

चंडीगढ़ (अप्रस/रंजीत शम्मी)। थाना 17 पुलिस ने विदेश की टिकट दिलवाने के नाम पर लाखों रुपए की ठगी करने के मामले में आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया है। और पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुट गई है। जानकारी के अनुसार शिकायतकर्ता पंजाब के जिला मोहाली के रहने वाले श्रीकांत ने पुलिस को बताया कि उसका कुछ समय पहले सेक्टर 17 स्थित एक प्राइवेट कंपनी के कर्मी से हुआ था। उसने पीड़ित को झांसे में लेते हुए कहा था कि वह उसकी सिंगापुर की टिकट दिलवा देगा। पीड़ित उसके झांसे में आ गया। उसने कुल दो लाख 71 हजार रुपए आरोपी को दे दिए। जब कुछ दिन बीत जाने पर संपर्क किया तो वह टाल मटोल करता रहा। ना तो उसकी टिकट दिलवाई और ना ही लिए गए लाखों रुपए वापस किए। जिसकी शिकायत पुलिस को दी गई थी। पुलिस ने मामले में कारवाई करते हुए आरोपी हरमन प्रीत के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कुल 28 ठेकों में से तीसरी बोली में सात ही बिक पाये

इंडस्ट्रियल एरिया फेस 1 एमडब्लयू मार्केट का ठेका 15 करोड़ रुपये में बिका, रिजर्व प्राइस था 9 करोड़ 23 लाख 28 हजार 767 रुपये
दूसरा सबसे महंगा ठेका हिमालय मार्ग पर सेक्टर 22 बी का 14 करोड़ 97 लाख रुपये में बिका। इसका रिजर्व प्राइस था 7 करोड़ 38 लाख 63 हजार 21 रुपये
21 ठेके अभी भी बिकने बाकि, पहली बोलियों में से 5 फेक बिड़, हो सकते हैं बैंक गारंटी जमा न होने के चलते रद्द

अर्थ प्रकाश/साजन शर्मा

चंडीगढ़, 29 अप्रैल। चंडीगढ़ एक्साइज विभाग की ओर से मंगलवार को 28 ठेकों की नीलामी की गई। इसमें से महज सात ठेके ही बिक पाये। बाकि 21 ठेकों के लिये प्रशासन को आगे ऑक्शन की तारीख तय करनी पड़ेगी। इंडस्ट्रियल एरिया फेस 1 एमडब्लयू मार्केट का ठेका जिसका रिजर्व प्राइस 9 करोड़ 23 लाख 28 हजार 767 रुपये (9,23,28,767 रुपये)था, 15 करोड़ रुपये में बिका। मंगलवार की यह सबसे अधिक बोली रही। दूसरा सबसे महंगा ठेका हिमालय मार्ग पर सेक्टर 22 बी का 14 करोड़ 97 लाख रुपये (14,97,00,000)में बिका। इसका रिजर्व प्राइस 7 करोड़ 38 लाख 63 हजार 21 रुपये (7,38,63021)था। हिमालय मार्ग पर स्थित सेक्टर 22 सी का ठेका 9 करोड़ 25 लाख (9,25,00000)रुपये का बिका। इसका रिजर्व प्राइस 4 करोड़, 61 लाख 64 हजार 385 रुपये (4,61,64,385 रुपये) था। इसी तरह सेक्टर 29 सी का ठेका 4 करोड़ 6 लाख (4,06,00,000) में बिका। इसका रिजर्व प्राइस 3 करोड़ 92 लाख 39 हजार 731 (3,92,39,731)रुपये था। इसी तरह इंडस्ट्रियल एरिया फेज 1 सेंट्रा माल का ठेका जो होटल रैड फॉक्स की ओर है 9 करोड़ 55 लाख रुपये (9,55,00,000)में बिका। इसका रिजर्व प्राइस 8 करोड़ 7 लाख 87 हजार 678 (8,07,87678)रुपये था। ओल्ड रोपड़ रोड पर मनीमाजरा का ठेका 4 करोड़ 15 लाख 77 हजार 777 रुपये (4,15,77,777) में बिका। इसका रिजर्व प्राइस 4 करोड़ 15 लाख 47 हजार 952 रुपये (4,15,47,952)था। कैंबवाला गांव का ठेका 4 करोड़ 11 हजार में बिका। इसका रिजर्व प्राइस 3 करोड़ 69 लाख 31 हजार 510 रुपये (3,69,31,510 रूपये)था। आज के ठेकों में भी तीन की फेक बिड् बताई जा रही है।

बीती बोली में 48 ठेकों में से बिके थे 20 ठेके, 131 करोड़ राजस्व कमाया था

चंडीगढ़ में शराब ठेकों की पिछली नीलामी में कुल 48 ठेकों में से 20 ठेकों की बिक्री से 131 करोड़ का राजस्व कमाया गया था। पिछली बोली में 28 ठेके बिना बिके रहे थे। यानि चंडीगढ़ में शराब ठेकों की पिछली नीलामियों में मिश्रित परिणाम देखने को मिले। यह बोली 21 अप्रैल 2025 को 48 शराब ठेकों की पुन- नीलामी आयोजित की गई, क्योंकि इससे पहले इनके आवंटन को 40 करोड़ की बैंक गारंटी जमा न करने के कारण रद्द कर दिया गया था। इस नीलामी में केवल 20 ठेकों की बिक्री हुई, जिससे 109 करोड़ के रिजर्व मूल्य के मुकाबले 131 करोड़ का राजस्व प्राप्त हुआ, जो 19 फीसदी अधिक है। सेक्टर 61 का शराब ठेका 12.31 करोड़ की सर्वाधिक बोली के साथ बिका था, जो इसके रिजर्व मूल्य 11.57 करोड़ से अधिक था। हालांकि, 28 ठेके बिक्री से बाहर रह गए। फिर भी, चंडीगढ़ प्रशासन ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 69 ठेकों की नीलामी से 449.43 करोड़ का राजस्व अर्जित किया, जो पिछले वर्ष के 89 ठेकों से 413.14 करोड़ की तुलना में 9 फीसदी अधिक है। नीलामी प्रक्रिया को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा। शराब ठेकेदारों ने आरोप लगाया कि 96 में से 87 ठेके एक ही परिवार या उनके सहयोगियों को आवंटित किए गए, जिससे कार्टेलाइजेशन की शिकायतें सामने आईं। चंडीगढ़ वाइन कॉन्ट्रैक्टर्स एसोसिएशन ने पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट में नीलामी की पारदर्शिता पर सवाल उठाए। हाईकोर्ट ने 1 अप्रैल को ठेकों के संचालन पर रोक लगा दी थी, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने 3 अप्रैल को इस रोक को हटा दिया, जिससे ठेके खुल सके। बचे हुए 28 ठेकों की नीलामी 29 अप्रैल को निर्धारित की गई थी जिसमें बोली उसी दिन खोली जानी थी। आबकारी विभाग ने अपनी नीति को पारदर्शी बताया, लेकिन रद्दीकरण, लंबित भुगतान और आपूर्ति श्रृंखला में देरी के कारण चंडीगढ़ में शराब की कमी बनी रही। मिली जानकारी के अनुसार फिलहाल 20 ठेकों की नीलामी बची हुई है जबकि बीती नीलामियों की छह नीलामियां बैंक गारंटी जमा न कराने के चलते रद्द हो सकती हैं क्योंकि इनकी फेक बिड् बताई जा रही है। अगली बोली में 26 ठेके नीलामी के लिये शामिल हो सकते हैं।

मलोया में ऑटो चालक का रोजगार राख, गंगाराम मिश्रा की दर्दनाक कहानी

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़, 29 अप्रैल। चंडीगढ़ के मलोया में एक गरीब ऑटो चालक गंगाराम मिश्रा की जिंदगी उस वक्त उजड़ गई, जब उनके ऑटो को रात के अंधेरे में आग के हवाले कर दिया गया। मलोया के मकान नंबर 2122/1, फर्स्ट फ्लोर के बाहर खड़ा उनका ऑटो रात 1.30 से 2.00 बजे के बीच आग की लपटों में घिर गया और पूरी तरह जलकर खाक हो गया।

यह ऑटो गंगाराम का न सिर्फ रोजगार था, बल्कि उनके परिवार की रोटी का एकमात्र सहारा था। गंगाराम ने बताया कि रात को सोते वक्त उन्हें रहस्यमयी आग की खबर मिली। जब तक वह ऊपर से उतरकर बाहर

पहुंचे, उनका ऑटो राख में तब्दील हो चुका था। सूचना पर पुलिस और पीसीआर मौके पर पहुंची, लेकिन आग लगाने वाले का पता नहीं चला। पुलिस ने डीडीआर दर्ज कर ली है और पूछ रही है कि अगर किसी पर शक है तो बताएं। गंगाराम को शक है कि एक नशेड़ी का यह काम हो

सकता है। उन्होंने बताया कि इलाके में उसके ऑटो के साथ झुग्गी को भी एक नशेड़ी ने आग लगाई। होली के पास एक अन्य ऑटो में आग लगाई जा चुकी है जिसमें नशेड़ी पकड़ा गया है। गंगाराम के मुताबिक आसपास सीसीटीवी कैमरे लगे हैं, लेकिन मकान मालिक की अनुपस्थिति के कारण फुटेज की जांच नहीं हो पाई है।

4.5 लाख का ऑटो, 13 महीने की किश्त

उत्तरप्रदेश के गौंडा जिले से चंडीगढ़ आए गंगाराम ने मार्च 2024 में 4.5 लाख रुपये का ऑटो लोन पर खरीदा था। हर महीने 10,080 रुपये की किश्त वह मेहनत से चुका रहे थे। लेकिन पैसे की तंगी के चलते वह ऑटो का इंश्योरेंस नहीं करा पाये थे। गंगाराम ने बताया, इंश्योरेंस कराने की सोच रहा था, लेकिन उससे पहले यह हादसा हो गया। अब ऑटो जलने से उनका रोजगार छिन गया और किश्त चुकाना भी मुश्किल हो गया है।

तीन बच्चों का परिवार, भूखे मरने की नौबत

गंगाराम के तीन छोटे बच्चे हैं- 12 साल की बेटी और 10 व 8 साल के दो बेटे। ऑटो की कमाई से ही वह परिवार का पेट पाल रहे थे। अब उनके सामने भूखे मरने की नौबत आ गई है। गंगाराम ने बैंक से गुहार लगाई है कि उनकी किश्तें माफ की जाएं या कोई रिकवरी ऑटो दिया जाए, ताकि वह किश्त चुका सकें और परिवार का भरण-पोषण कर सकें। पुलिस का कहना है कि अगर गंगाराम किसी पर शक जताएंगे, तो कार्रवाई की जाएगी। लेकिन गंगाराम की सबसे बड़ी चिंता उनका रोजगार है। उन्होंने प्रशासन और सामाजिक संगठनों से मदद की गुहार लगाई है। गंगाराम की कहानी मलोया के उन तमाम गरीब परिवारों की व्यथा को बयां करती है, जो एक छोटे से रोजगार के भरोसे अपनी जिंदगी चला रहे हैं। यह घटना न सिर्फ गंगाराम के परिवार के लिए त्रासदी है, बल्कि इलाके में बढ़ते नशे और असामाजिक तत्वों की समस्या को भी उजागर करती है।

भगवान परशुराम जयंती पर संजय टंडन ने लिया आशीर्वाद

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़ 29 अप्रैल। भगवान परशुराम जयंती के पावन अवसर पर चंडीगढ़ के सेक्टर 37 स्थित परशुराम भवन में आयोजित कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य एवं हिमाचल प्रदेश भाजपा के सह प्रभारी संजय टंडन ने उसमे भाग लिया और पूजा अर्चना उपरान्त परशुराम जी का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर उनके साथ पूज्य स्वामी डॉ. मनीषा महाराज, वाईपी तिवारी, प्रदीप, योगेश ने भी भगवान् परशुराम की पूजा अर्चना की और उनकी मंगलकामना की।

इस पावन अवसर पर उन्होंने सभी देशवासियों को बधाई प्रदान

करते हुए संजय टंडन ने कहा कि भगवान् परशुराम सबसे आज्ञाकारी सन्तानों में से एक थे, जो सदैव अपने गुरुजनों और माता पिता की आज्ञा का पालन करते थे। वे सदा बड़ों का सम्मान करते थे और कभी भी उनकी अवहेलना नहीं करते थे। उनका भाव इस जीव सृष्टि को इसके प्राकृतिक सौंदर्य सहित जीवन्त बनाये रखना था। वे चाहते थे कि यह सारी सृष्टि पशु पक्षियों, वृक्षों, फल फूल औए समूची प्रकृति के लिए जीवन्त रहे। उन्होंने सभी लोगों का आह्वान करते हुए कहा कि हम सभी को भगवान् परशुराम द्वारा दिखाए गए मार्ग चलना चाहिए और दूसरों की सहयता करते रहना चाहिए।

कांग्रेस ने संपत्ति कर को पूरी तरह वापस लेने की मांग की

अर्थ प्रकाश/वीरेन्द्र सिंह

चंडीगढ़, 29 अप्रैल। चंडीगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एच एस लक्की के नेतृत्व में आज नगर निगम चंडीगढ़ के कांग्रेस पार्षदों की प्री-हाउस मीटिंग हुई। मीटिंग के दौरान सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि चंडीगढ़ प्रशासन द्वारा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सहयोग से लगाए गए प्रॉपर्टी टैक्स को पूरी तरह वापस लेने की मांग की जाए। हालांकि जनता के विरोध के बाद कर में आंशिक कमी की गई, लेकिन कांग्रेस पार्टी का कहना है कि यह कटौती अपर्याप्त है और आम जनता के हितों की पूर्ति नहीं करती।

लक्की ने सभी कांग्रेस पार्षदों को निर्देश दिया कि वे कल होने वाली हाउस मीटिंग में अपना विरोध मजबूती से और स्पष्ट रूप से व्यक्त करें। उन्होंने प्रॉपर्टी टैक्स में मनमानी

और अनुचित वृद्धि के खिलाफ पार्टी के लगातार रुख को दोहराया और इस बात पर जोर दिया कि कांग्रेस ऐसी किसी भी नीति को बर्दाश्त नहीं करेगी जो चंडीगढ़ के नागरिकों पर बोझ डालती हो।

लक्की ने कहा, 'कांग्रेस पार्टी हमेशा लोगों के साथ खड़ी रही है और संपत्ति कर वृद्धि जैसे जनविरोधी निर्णयों का विरोध करती रहेगी। यह कदम न केवल मनमाना है, बल्कि आम लोगों के कल्याण के लिए भी हानिकारक है।' 'हम संपत्ति कर को पूरी तरह से वापस लेने की मांग करते हैं और भाजपा से अपनी स्थिति स्पष्ट करने की अपेक्षा करते हैं। यदि भाजपा वास्तव में जनहित के बारे में चिंतित है, तो उन्हें पूरी तरह से कर वापस लेने की हमारी मांग का समर्थन करना चाहिए।' लक्की ने आगे कहा कि कर में पिछली कटौती केवल जनता और कांग्रेस पार्टी के एकजुट विरोध के कारण ही संभव हो पाई थी। हालांकि, उन्होंने जोर देकर कहा कि आंशिक वापसी पर्याप्त नहीं थी और कांग्रेस पूरी तरह से कर वापस लेने के लिए दबाव बनाती रहेगी।

चंडीगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी चंडीगढ़ के लोगों के अधिकारों और हितों की रक्षा के अपने संकल्प पर अडिग है और न्याय मिलने तक चैन से नहीं बैठेगी।

पानी की बर्बादी पर 52 चालान, 618 को नोटिस जारी किए गये

नगर निगम चंडीगढ़ ने गठित की हैं विभिन्न सेक्टरों के लिए टीमें

अर्थ प्रकाश/वीरेंद्र सिंह

चंडीगढ़, 29 अप्रैल। गर्मी के बढ़ते ही शहर में पानी की खपत बढ़ गई है। लोगों की मांग थी ज्यादा बढ़ गई है। इसलिए पानी की बर्बादी को रोकने और बर्बाद करने वालों के विरुद्ध नगर निगम चंडीगढ़ ने भी संबंधित कर्मियों की सक्रियता बढ़ा दी है। इसके अंतर्गत चंडीगढ़ नगर निगम के संबंधित कर्मियों की टीमें विभिन्न सेक्टरों में छापेमारी कर रही हैं।

विगत 15 अप्रैल से अब तक पानी की बर्बादी करने वाले 52 लोगों के चालान काटे गये हैं। इसके अलावा 618 मामलों में नोटिस

थमाये गये हैं।

उल्लेखनीय है कि हर चालान पर 5788 रुपये का जुर्माना लगाया गया है। नोटिस देने के बाद सुधार नहीं करने वालों को भी चालान किये जायेंगे।

सुबह 5.30 से 8.30 बजे तक होगी है चैकिंग

संबंधित टीमें प्रत्येक दिन सुबह 5.30 बजे से 8.30 बजे के बीच ऐसे लोगों को रंगे हाथ पकड़कर उनके फोटो भी खींचती है। यह टीमें पेयजलापूर्ति के समय अलग-अलग सेक्टरो में निकलती हैं। इस प्रकार विभिन्न लोगों द्वारा पानी की बर्बादी करते उन्हें उनके घरों से ही पकड़ा गया। इनमें अधिकांश लोगों को अपनी गाड़ियों की धुलाई करते हुए पकड़ा गया। यही नहीं, पाइपों के जरिये पौधों में सिंचाई करते हुए भी कुछ लोग पाये गये।

3 जून तक चलेगा अभियान

बता दें कि नगर निगम ने 15 अप्रैल से 30 जून तक यह अभियान चलाने का निर्णय लिया है। इस अवधि के दौरान पाइप से वाहनों की धुलाई या लान की सिंचाई करते हुए जो मिलेंगे, उनके विरुद्ध कार्रवाई होगी। वहीं टंकियों, नलों, वाटरमीटरों या वाटर कूलरों में लीकेज पायी गई तो पहले संबंधित घरों को नोटिस दिया जाता है। 2 दिन के भीतर मरम्मत नहीं कराने पर चालान जारी किया जाता है। नगर निगम द्वारा गठित टीमें नियमों का उल्लंघन करने वालों के फोटो और वीडियो भी तैयार कर रही हैं, इन्हें साक्ष्य के रूप में रखा जायेगा, ताकि कोई मुकर न सके।

निमायुक्त की अपील

एमसी कमिश्नर ने शहरवासियों से अपील की है कि वह पानी की बर्बादी न करें और पीने योग्य पानी का संरक्षण करें। लॉन की सिंचाई के लिए टीटी वाटर (टर्शरी ट्रीटेड वाटर) का उपयोग किया जा सकता है। पानी की बर्बादी की जांच करने के लिए एमसीसी ने कई टीमों का गठन किया है। यह टीम प्रतिदिन के समय अलग-अलग क्षेत्रों में जाकर पानी की बर्बादी की जांच-परख करती है।

जुर्माने की राशि में तब्दीलियां

बता दें कि यह प्रक्रिया विगत कई वर्षों से जारी है। इनमें चालान के जुर्माने की राशि में तब्दीलियां भी होती रही हैं। किंतु इस बार इसमें ज्यादा वृद्धि के साथ 5788 रुपये की धनराशि कर दी गई है। चूंकि गर्मियों के चलते शहर के ऊपरी मंजिलें मकानों में पानी का पूरा प्रेशर नहीं हो पाता है। इसलिए इन दिनों टैंकरों आदि की मांग भी बढ़ जाती है।

सम्पादकीय

किसान संगठनों को दूर करने होंगे मतभेद, नहीं तो राह होगी मुश्किल

एमएसपी की सरकारी गारंटी की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे किसान संगठनों के बीच मतभेद उभरना दुर्भाग्यपूर्ण है, वहीं केंद्र सरकार के साथ चार मई को होने वाली बैठक में पंजाब सरकार के प्रतिनिधियों को न बुलाने संबंधी किसान संगठनों की मांग भी अव्यवहारिक जान पड़ रही है। यह आंदोलन किसानों को उनका हक दिलाने के लिए है, लेकिन अब जहां आंदोलन कई गुटों में बंट चुका है, वहीं 131 दिनों तक अनशन कर चुके जगजीत सिंह डल्लेवाल के अनशन पर भी सवाल उठाकर किसान नेता का उपहास बनाने की शर्मनाक कोशिश की गई है। पंजाब एवं पूरे देश ने देखा है कि संयुक्त किसान मोर्चा गैर राजनीतिक के नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल का जीवन संकट में पड़ गया था। खुद सुप्रीम कोर्ट ने उनके स्वास्थ्य की निगरानी की है और उनसे अनशन समाप्त करने का आह्वान भी। हालांकि कुछ किसान नेताओं की मानसिकता इतनी निम्न हो गई है कि उन्होंने अनशन पर सवाल उठाते हुए आशंका जताई है कि अनशन किया भी गया था या नहीं। निश्चित रूप से आंदोलन के अंदर विभिन्न मत और विचार के लोग हो सकते हैं, लेकिन इस कदर संवेदनहीन होने से किसी को क्या मिलेगा। अब आंदोलन में आए राशन और फंड का ब्योरा नहीं होने संबंधी आरोप भी सामने आ रहे हैं। संभव है, यह सब आरोप उन किसान नेताओं की ओर से लगाए जा रहे हैं, जोकि किसी न किसी वजह से अप्रासंगिक हो गए हैं।

अभी तक केंद्र सरकार एवं किसान नेताओं के बीच ही आंदोलन की जंग जारी थी, लेकिन अब किसान नेताओं ने पंजाब सरकार को भी खुद से दूर कर लिया है। ऐसा बीते समय के दौरान हुआ, जब शंभू बॉर्डर पर बैठे किसानों को पंजाब सरकार ने बल प्रयोग करके हटवा दिया था। जाहिर है, ऐसा किया जाना जरूरी था, क्योंकि किसानों के धरने की वजह से जनसामान्य के लिए हालात बेहद खराब हो गए थे। पूरा इलाका अस्त व्यस्त हो चुका था और अदालत भी यह कार्रवाई करने के आदेश दे चुकी थी। हालांकि अब किसान संगठन चाहते हैं कि केंद्र के साथ होने वाली चर्चा में पंजाब सरकार को न बुलाया जाए। जबकि पंजाब सरकार का कहना है कि उसे बातचीत से अलग करके किसान संगठन केंद्र सरकार का दबाव नहीं झेल पाएंगे।

अभी तक केंद्र सरकार एवं किसान नेताओं के बीच ही आंदोलन की जंग जारी थी, लेकिन अब किसान नेताओं ने पंजाब सरकार को भी खुद से दूर कर लिया है। ऐसा बीते समय के दौरान हुआ, जब शंभू बॉर्डर पर बैठे किसानों को पंजाब सरकार ने बल प्रयोग करके हटवा दिया था। जाहिर है, ऐसा किया जाना जरूरी था, क्योंकि किसानों के धरने की वजह से जनसामान्य के लिए हालात बेहद खराब हो गए थे। पूरा इलाका अस्त व्यस्त हो चुका था और अदालत भी यह कार्रवाई करने के आदेश दे चुकी थी। हालांकि अब किसान संगठन चाहते हैं कि केंद्र के साथ होने वाली चर्चा में पंजाब सरकार को न बुलाया जाए। जबकि पंजाब सरकार का कहना है कि उसे बातचीत से अलग करके किसान संगठन केंद्र सरकार का दबाव नहीं झेल पाएंगे। उसका यह भी कहना है कि किसान संगठनों के पास केंद्र के सवालों का तथ्यात्मक जवाब नहीं होता, जबकि पंजाब सरकार के प्रतिनिधि यह जवाब देने में सक्षम हैं। सरकार का यह भी कहना है कि वह किसानों के कहने पर बैठक में नहीं जाती और न ही अपने आप इसमें शामिल होती। वह केंद्र सरकार के कहने पर बैठक में शामिल होती है।

दरअसल, किसानों और पंजाब सरकार के बीच बातचीत का तारतम्य टूटना दुखद रहा है। यह अपने आप में अप्रत्याशित भी रहा कि एकाएक शंभू बॉर्डर पर बैठे किसानों को हटा दिया गया। बीते दो साल के करीब किसानों ने यहां डेरा डाला हुआ था। पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट और बाद में सुप्रीम कोर्ट तक जिस काम के लिए सरकार को निर्देशित कर रहे थे और उसे करते हुए वह झिझक रही थी। उसे उसने अपनी इच्छा से कुछ भी घंटों में कर दिखाया। राज्य सरकार ने जनता को पेश आ रही परेशानियों को बखूबी समझा और उसके मुताबिक किसानों को हटाया। हालांकि इस दौरान उसने किसानों की नाराजगी भी मोल ले ली। अब वही किसान संगठन पंजाब सरकार के विरुद्ध हो गए हैं और उस पर केंद्र सरकार से मिलीभगत का आरोप लगा रहे हैं। पंजाब सरकार का यह तर्क उचित है कि उसके पास तथ्य होते हैं। निश्चित रूप से अनौपचारिक बातचीत में दोनों पक्ष इसके लिए सहमत हो जाएं लेकिन जब बात सरकार की आती है तो उसे तथ्यों के आधार पर फैसला लेना होता है। तीन कृषि कानूनों को वापस लेने का फैसला पूरी तरह से राजनीतिक था, लेकिन अब एमएसपी पर सरकारी गारंटी देने का फैसला तकनीकी होगा, क्योंकि अगर एमएसपी पर सरकारी गारंटी दी जाती है तो इसका असर पूरे देश और इसकी अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा। वास्तव में इसकी गुंजाइश बरकरार रहनी चाहिए कि किसान नेताओं के बीच आपसी कटुता पैदा न हो, क्योंकि आखिरकार वे लड़ तो किसान भाइयों के लिए ही रहे हैं न। वहीं पंजाब सरकार को बैठक में न बुलाने की मांग अतार्किक है। सड़क पर जाम हटवाना सरकार की जिम्मेदारी है, लेकिन इसी से यह नहीं माना जा सकता है कि पंजाब सरकार किसानों से वैर रखती है। उस समय उसने अपनी जिम्मेदारी नहीं निभाई, लेकिन अब वह किसानों के व्यापक हित में काम करना चाहती है। किसान संगठनों और पंजाब सरकार के बीच तारतम्य का होना आवश्यक है।

न्यायिक नियुक्ति आयोग के खात्मे का दर्द नहीं भूली केंद्र सरकार

राज्यपाल और राष्ट्रपति के बिल रोकने के मामले में सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों से केंद्र सरकार से उत्पन्न टकराहट की जड़ में न्यायिक नियुक्ति आयोग पर दिया गया फैसला है। सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों की नियुक्ति को लेकर केंद्र सरकार द्वारा संसद में पारित किए गए न्यायिक नियुक्ति आयोग को निरस्त करते हुए सुप्रीम कोर्ट की कॉलेजियम व्यवस्था को जारी रखा था। इस आयोग के जरिए केंद्र सरकार चाहती थी कि न्यायाधीशों की नियुक्ति में उसकी भी भूमिका होनी चाहिए। अकेले सुप्रीम कोर्ट को यह हक नहीं होना चाहिए कि अपने चहेते न्यायाधीशों की नियुक्ति करे। केंद्र सरकार की न्यायिक आयोग बनाए जाने की मंशा यही थी कि महत्वपूर्ण मुद्दों पर उसके द्वारा चयनित न्यायाधीशों के मौजूद होने से पक्ष में फैसला होने की संभावना रहेगी। न्यायिक आयोग में सुप्रीम कोर्ट न्यायाधीशों के साथ केंद्र सरकार के प्रतिनिधियों का भी प्रावधान किया गया था।

सुप्रीम कोर्ट केंद्र सरकार की इस मंशा को भाप गया था। वर्ष 2015 में दिए गए फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने आयोग को असंवैधानिक बताते हुए निरस्त कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि जजों की नियुक्ति में न्यायपालिका की स्वतंत्रता को बनाए रखना महत्वपूर्ण है और न्यायिक आयोग इस स्वतंत्रता को खतरे में डालता है। इस फैसले पर भी खूब वाद-विवाद हुआ था। न्यायिक आयोग के जरिए केंद्र सरकार पर सुप्रीम कोर्ट में दखलंदाजी करने और इसे राजनीतिक अखाड़ा बनाने की बात कही गई थी। दूसरी तरफ न्यायिक आयोग की पैरवी करने वाले केंद्र सरकार के पैरवीकारों का कहना था कि न्यायाधीशों की नियुक्ति में भाई-भतीजावाद हावी है। आयोग के निरस्त होने का रंज केंद्र सरकार को अभी तक है। इसी वजह से राज्यपाल और राष्ट्रपति के बिल रोकने के मामले में सुप्रीम कोर्ट के फैसले से केंद्र सरकार से छत्तीस का आंकड़ा बन गया है। तमिलनाडु बनाम राज्यपाल मामले में सुप्रीम कोर्ट ने राज्यपाल की तरह राष्ट्रपति के लिए भी दी समय-सीमा बताई है।

सुप्रीम कोर्ट ने फैसले में कहा कि राष्ट्रपति को राज्यपाल द्वारा सुरक्षित रखे गए विधेयकों पर 3 महीने के भीतर फैसला लेना होगा। राज्य राष्ट्रपति की निष्क्रियता के खिलाफ अदालत जा सकते हैं। इस अवधि से अधिक किसी भी देरी के मामले में, उचित कारणों को दर्ज करना होगा और संबंधित राज्य को बताना होगा। राज्यों से यह भी अपेक्षित है कि वे सहयोगात्मक बनें तथा उठाए जाने वाले प्रश्नों के उत्तर देकर सहयोग प्रदान करें तथा केंद्र सरकार द्वारा दिए गए सुझावों पर शीघ्रता से विचार करें। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले के बाद राजनीतिक बवंडर आ गया। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सुप्रीम कोर्ट के एक फ़ैसले को लेकर न्यायपालिका के बारे में सख्त टिप्पणी कर दी। उन्होंने कहा कि अदालतें राष्ट्रपति को आदेश नहीं दे सकतीं। उप राष्ट्रपति ने इसकी ओर इशारा करते हुए कहा कि संविधान का अनुच्छेद 142 एक ऐसा परमाणु मिसाइल बन गया है जो लोकतांत्रिक ताक़तों के खिलाफ न्यायपालिका के पास चौबीसों घंटे मौजूद रहता है। उन्होंने कहा कि देश में ऐसी स्थिति नहीं हो सकती कि आप राष्ट्रपति को निर्देश दें। सुप्रीम कोर्ट को ये अधिकार किसने दिया है और वो किस आधार पर ऐसा कर सकता है।

गौरतलब है कि संविधान का अनुच्छेद 142 सुप्रीम कोर्ट को ये अधिकार देता है कि वो पूर्ण न्याय करने के लिए कोई भी आदेश, निर्देश या फ़ैसला दे सकता है चाहे वो किसी भी मामले में क्यों न हो। लेकिन उप राष्ट्रपति ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट सिर्फ संविधान की व्याख्या कर सकता है। धनखड़ ने कहा कि हमारे पास ऐसे जज हैं जो अब कानून बनाएंगे, कार्यपालिका का काम करेंगे और एक सुपर संसद की तरह भी काम करेंगे और कोई जिम्मेदारी नहीं लेंगे, क्योंकि इस देश का क़ानून उन पर लागू तो होता नहीं। उप राष्ट्रपति ने हाई कोर्ट के जज यशवंत वर्मा के दिल्ली आवास से कथित तौर पर जले नोट मिलने के बाद भी एफआईआर दर्ज न होने पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि ये घटना किसी आम आदमी के घर में होती तो बिजली की गति से कार्रवाई होती। लेकिन यहां तो बैलगाड़ी की रफ़्तार से भी कार्रवाई नहीं हो रही है। उन्होंने कहा कि विधानसभा का चुनाव हो या लोकसभा का हर सांसद, विधायक और उम्मीदवार को अपनी संपत्ति घोषित करनी होती है लेकिन वे (जज) ऐसा कुछ नहीं करते।

इस पर पलटवार करते हुए डीएमके राज्यसभा सांसद तिरुचि शिवा ने कहा कि संविधान की रक्षा करने का अधिकारी होने से किसी व्यक्ति को ये अधिकार नहीं मिल जाता कि वो संसद में पारित विधेयकों को अनिश्चित काल तक रोक कर रख सकता है। सीपीआई नेता डी राजा ने कहा कि लोकतांत्रिक ढांचे को बचाए रखने लिए चेक एंड बैलेंस जरूरी है। संविधान का अनुच्छेद 74(1) यह साफ कहता है कि राष्ट्रपति मंत्रिपरिषद की सहायता और सलाह से बंधे हैं। राष्ट्रपति सर्वोच्च संवैधानिक पद पर रहते हुए, ऐसे मामलों में स्वतंत्र विवेक का इस्तेमाल नहीं करते। उन्होंने कहा कि उपराष्ट्रपति की टिप्पणी आरएसएस-भाजपा की ओर से विपक्ष के नेतृत्व वाली राज्य सरकारों को कमज़ोर करने के लिए राज्यपाल की शक्तियों के दुरुपयोग को सही ठहराती है। हाल के वर्षों में ऐसी प्रवृति ख़तरनाक ढंग से बढ़ी है। सीनियर एडवोकेट और राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने कहा कि अगर कार्यपालिका अपना काम नहीं कर रही है, तो न्यायपालिका को हस्तक्षेप करने का पूरा अधिकार है। सिब्बल ने उपराष्ट्रपति के बयानों को राजनीतिक करार देते हुए कहा कि उन्होंने आज तक किसी राज्यसभा सभापति को ऐसे बयान देते नहीं देखा। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति केवल नाममात्र की प्रमुख हैं। वे कैबिनेट की सलाह और स्वीकृति पर कार्य करते हैं। उनके पास कोई व्यक्तिगत निर्णय लेने की शक्ति नहीं होती। सिब्बल ने कहा कि अगर कार्यपालिका अपना काम नहीं कर रही है, तो न्यायपालिका को हस्तक्षेप करना चाहिए। ऐसा करना उनका अधिकार है। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा कि न्यूक्लियर मिसाइल तो नोटबंदी थी, तब किसी को तकलीफ नहीं हुई? दरअसल सत्तारुढ राजनीतिक दलों के राजनीतिक उद्देश्य होते हैं, जब ये संविधान के दायरे में पूरा नहीं होते तब अदालतों से टकराहट की नौबत आती है। इसकी पुनरावृत्ति निश्चित तौर पर लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए घातक है। ऐसे विवादस्पद मुद्दों को सभी पक्षों को मिलबैठ कर निपटाने से ही देश की संवैधानिक विविधता और एकता-अखंडता मजबूत रहेगी।

अर्थ प्रकाश में 34 साल पहले आज का दिन

कट्टर खाड़कू सहित 4 मरे

चंडीगढ़। पंजाब में पिछले 24 घंटों के दौरान एक खूंखार खाड़कू कमलजीत सिंह समेत चार खाड़कू मारे गये जबकि एक खाड़कू पुलिस हिरासत से भागने में सफल हो गया। यहां प्राप्त समाचारों के मुताबिक कमलजीत सिंह व उसका एक साथी जलंधर जिला के गांव चीना से सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में मारे गये। उनके पास से एक एके 47 राईफल एक पिस्तौल व कुछ कारतूस बरामद किए गए। इसके अलावा दो अज्ञात खाड़कू जगराव पुलिस जिला के गांव ब्रह्मपुर में मारे गए इसी जिले में डांडा गांव में केसव सिंह नामक खाड़कू उस समय पुलिस हिरासत से भाग गया जब उसे विस्फोटक सामग्री बरामद करने के लिए पुलिस कही ले जा रही थी।

लाखो का माल बरामद

चंडीगढ़। स्थानीय पुलिस ने 5 व्यक्तियों को गिरफ्तार करके लाखों रुपए का माल बरामद किया है, इनकी गिरफ्तारी से काफी चोरी के मामले हल होने की संभावना व्यक्त की जा रही है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक नगर पुलिस के सीआईए विभाग दो ने चोरों के एक गिरोह के 5 सदस्यों को गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की है जिनके पास से चार वीसीआर 9 साइकिल एक स्कूटर व कुछ जेवरात बरामद किया गया है। उक्त चोरों के नाम फुल सिंह व सुरेश (उत्तर प्रदेश) जबकि मदन लाल व राजकुमार (डड्डूमाजरा) तथा राजकुमार उर्फ मुन्ना लुधियाना का रहने वाला बताया जाता है। इसके अलावा इनके पास से एक स्टीरिंग मशीन नम्बरिस मशीन रिक्शा रहेड़ी तथा कुछ प्रिंटिस के काम में आने वाला सिक्का भी बरामद किया गया है।

कर्मियों को किश्त देने की मांग

चंडीगढ़। यूटी कर्मचारी वैलफेयर एसोसिएान सरकारी कालेज 46 ने केंद्र सरकार द्वारा इस वर्ष जनवरी से अपने कर्मियों को महंगाई भत्ते की 9 प्रतिशत अतिरिक्त किश्त जारी करने के लिए सरकार का धन्यवाद किया।

ज्ञान सागर : देखें आज के दिन क्या घटा

1492- स्पेन की रानी इसाबेला ने क्रिस्टोबल कोलंबो को भारत के लिए एक समुद्री मार्ग खोजने की अनुमति दी।

1657- शिवाजी महाराज ने मुगलों के कब्जे वाले शहर जुन्नार पर आक्रमण किया और लूटपाट की।

1789- जॉर्ज वाशिंगटन संयुक्त राज्य अमेरिका के पहले राष्ट्रपति चुने गए।

1936- महात्मा गांधी ने वर्धा के पास सेवाग्राम आश्रम की स्थापना की।

1945- द्वितीय विश्व युद्ध में जर्मनी की हार के बाद हिटलर की क्रूर आत्महत्या अपरिहार्य है। सोवियत सैनिकों ने बर्लिन में जर्मन संसद (रीचस्टैग) पर विजय ध्वज फहराया।

1975- साम्यवादी ताकतों ने साइगांव पर अधिकार कर लिया। वियतनाम युद्ध का अंत।

1977- 9 राज्यों में विधान सभाओं को भंग कर दिया गया और जनसंघ, समाजवादी पार्टी, संगठन कांग्रेस और भारतीय लोक दल ने जनता पार्टी बनाने का फैसला किया।

1982- कलकत्ता में बिजन सेतु नरसंहार।

1995- बिल क्लिंटन उत्तरी आयरलैंड का दौरा करने वाले पहले अमेरिकी राष्ट्रपति बने।

1813- अमेरिका में जेएफ हम्मेल ने रबर का पेटेंट कराया।

1848- सुप्रसिद्ध चित्रकार राजा रवि वर्मा का जन्म।

1930- ब्रिटेन और ऑस्ट्रेलिया के बीच टेलिफोन सेवा की शुरुआत।

1939- नेताजी सुभाषचंद्र बोस ने कांग्रेस से इस्तीफा दिया।

1996- थेउर में श्री चिंतामणि मंदिर के परिसर में माधवराव पेशवा स्मारक का उद्घाटन।

2009- क्रिसलर कंपनी दिवालिया हो गई।

2010- बेल्जियम सरकार के सार्वजनिक स्थानों पर बुर्के पर पाबंदी लगाने संबंधी विधेयक के एक कानूनी मसौदे को संसद के निचले सदन ने मंजूरी दे दी।

बोल ब्यूटीफुल

ब्रजेश कुमार सिंह: जब सिंधू जल संघि पर भारत ने हस्ताक्षर किए थे, तब पाकिस्तान की हालत इतनी खराब थी कि भारत जो चाहता वह करा लेता। इसका उल्लेख पाकिस्तान के तत्कालीन सैन्य शासक अयूब खान ने अपनी आत्मकथा फ्रेंडस नाट मास्टर्स में किया है। उन्होंने लिखा है कि तब हालात पूरी तरह उनके खिलाफ थे।

कुशल मेहरा: भाजपा नेताओं और उनके करीबियों की दुबई में शाहिद अफरीदी जैसों के साथ गलबहियों पर सवाल उठाने वाले अपनी जगह सही है। आखिर ये लोग चैंपियस ट्राफी के दौरान इन कट्टरपंथियों के साथ वक्त क्यों बिता रहे थे?

आस्था कौशिक: यह उलझने का नहीं, बल्कि एकजुटता का वक्त है। इसी में आतंक के आकाओं की हार है। न वे हममें नफरत भर पाए और न हमारे सामाजिक ढांचे को कमजोर कर पाए।

अब पाकिस्तान का सही, पक्का और स्थाई इलाज जरूरी

22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल पहलगाम के लोकप्रिय टूरिस्ट साइट बैसरन घाटी में आतंकवादियों ने जिस प्रकार से धर्म पूछकर निहत्थे, निर्दोष और मासूम पर्यटकों पर गोलियों की बौंछार करके 28 हिंदुओं समेत 30 लाशें बिछा दीं, वह उनकी राक्षसी प्रवृति का परिचायक है। पहलगाम की घाटी बैसरन में बेहद क्रूरतापूर्ण, दुष्टतापूर्ण, अमानवीय एवं असहनीय घटना को अंजाम देने वाले अत्यंत निर्मम, वीभत्स और दैत्य प्रकृति आतंकवादियों को सभ्य मानव समाज के बीच रहने का कोई अधिकार नहीं दिया जाना चाहिए। यही नहीं, उन्हें मानव बस्तियों और समाज से दूर घने और अंधकारपूर्ण जंगलों में भी नहीं रहने दिया जा सकता, क्योंकि यदि उन्हें वहां रहने दिया गया तो जंगली जानवरों और यहां तक कि स्वयं जंगलों का भी महाविनाश निश्चित ही हो जाएगा। ऐसी परिस्थिति में यह प्रश्न किया जाएगा कि फिर वे कहां पर रहें... जाहिर है कि इस प्रश्न का केवल एक ही उत्तर हो सकता है, और वह है कि उनकी अधोगति को उर्ध्वगति में परिवर्तित कर उनका कल्याण कर दिया जाए। यानी उन्हें भी ऊपर भेज दिया जाए, लेकिन यह मामला इतना सहज भी नहीं है, क्योंकि यदि ऐसा किया गया तो मानव अधिकारों की बात करने वाले लोग और संगठन उन 'राक्षसों के भी मानव आकिरों' की वकालत करना शुरू कर देंगे। इतना ही नहीं, ये उन 'राक्षसों के मानव आकिरों' की वकालत बेहद जोर-शोर से करेंगे।

ऐसा ये इसलिए करेंगे, ताकि उनकी आवाज दूर-दूर तक पहुंच सके, अन्यथा भारत के कोने-कोने तथा दूर देशों में बैठे इनके पैरोकारों, सहयोगियों और हमदर्दों से इन्हें पान-फूल और शाबाशियां कैसे मिल पाएंगी। वैसे, देखा जाए तो हम सब इनके कृत्यों के लिए इन्हें व्यर्थ ही बदनाम करते रहते हैं। वास्तव में, इसमें इनका कोई दोष भी नहीं है, क्योंकि इस प्रकार की वकालत करना तो हमेशा से ही, बल्कि कहा जाए कि इनका खानदानी व्यवसाय रहा है। ...और यही कारण है कि यह व्यवसाय इनसे छुड़ाए नहीं छूटता है। जाहिर है कि पुश्तों से 'मुंह की लगी' इतनी आसानी से कैसे छूटेगी भला। खैर, नहीं छूटती तो, न छोड़ें ये, हम इनके इस 'मुंह की लगी' को छुड़ाने का जिम्मा ले लें, यही उचित है। तात्पर्य यह कि ये अपना कार्य (अपनी वकालत) करते रहें... आतंकवादी भी (अपनी राक्षसी प्रवृति को आगे बढ़ाने का) अपना नियत कार्य करते रहें... और हम सभी 142 करोड़ भारतवासी एकजुट होकर अपने कर्तव्यों को पूरी ईमानदारी से अंजाम तक पहुंचाने के लिए तत्पर रहें, ताकि इनकी 'मुंह की लगी' वकालत को भी सही राह दिखाई जाए और उनकी राक्षसी प्रवृति का समूल नाश भी किया जा सके। स्मरण रहे कि जब तक इनकी 'मुंह की लगी' और उनकी राक्षसी प्रवृति का पूरा-पूरा हिसाब नहीं किया जाएगा, वे हमारे निहत्थे, निर्दोष और मासूम लोगों के साथ धर्म पूछ-पूछकर खून की होली यों ही खेलते रहेंगे।

पहलगाम की उस बेहद क्रूरतापूर्ण, दुष्टतापूर्ण, अमानवीय एवं असहनीय घटना के बाद से ही देश की मीडिया में और राजनीतिक मंचों पर बार-बार यह बात कही-सुनी जा रही है कि आतंकवादियों ने धर्म पूछकर हिंदुओं की हत्या की है, जबकि सच तो यह है कि पिछले 78 वर्षों से लगातार आतंकवादी धर्म पूछकर हिंदुओं की हत्याएं करते आ रहे हैं। यदि हम इसे नहीं मानते, तो समझिए कि स्वयं को झूठी तसल्ली दे रहे हैं। दरअसल, यह पाकिस्तानी सेना द्वारा प्रायोजित धार्मिक (इस्लामिक) जिहाद है, जिसकी शुरूआत लगभग 32 वर्ष पूर्व जम्मू कश्मीर के किश्तवाड़ कस्बे के सरयल इलाके में एक यात्री बस से 17 हिन्दुओं को उनकी जांच-पड़ताल कर मौत के घाट उतार दिया था। कश्मीरी पंडितों के नरसंहार के बाद वह पहला सबसे बड़ा नरसंहार था। उसके उपरांत तो धर्म पूछकर और जांच-पड़ताल कर हत्याएं करने का जो सिलसिला जम्मू कश्मीर में शुरू हुआ, वह 136 नरसंहारों के बाद भी नहीं थमा है। हालांकि, वर्ष 2006 के उपरांत ऐसे नरसंहारों में थोड़ी बहुत कमी आई थी, लेकिन वर्ष 2023 में एक जनवरी की रात आतंकवादियों ने राजौरी जिले के डांगरी गांव में 07 हिन्दुओं के आधार कार्ड जांच कर मार डालने की घटना ने एक बार फिर अधिकारियों को चौंका दिया था।

जम्मू-कश्मीर में हुए हिन्दुओं के कुछ अन्य बड़े नरसंहारों में 13-14 अगस्त 1993 को डोडा जिले के किश्तवाड़ कस्बे में सरथल-किश्तवाड़ मार्ग पर यात्री बस से उतार कर 17 हिन्दू यात्रियों को मारना, 14 मई 1995 को दोहरी भरथ में 06 हिन्दुओं की हत्या करना, 15 जनवरी 1996 को डोडा जिले के किश्तवाड़ कस्बे के बरशाला क्षेत्र में 16 हिन्दुओं की हत्या करना, 12 जनवरी 1996 को डोडा जिले के भद्रवाह कस्बे में 07 हिन्दुओं की हत्या करना, 06 मई 1996 को डोडा की रामबन तहसील के सुम्बर गांव में 17 हिन्दुओं की हत्या करना, 07-08 जून 1996 को डोडा जिले के कमलाड़ी गांव में 09 हिन्दुओं की हत्या करना, 25 जून 1996 को डोडा के सियुधार क्षेत्र में 13 हिंदुओं की हत्या करना, 07 अप्रैल 1997 को कश्मीर घाटी के संग्रामपुरा गांव में 07 कश्मीरी पंडितों की हत्या करना, 24 सितम्बर 1997 को राजौरी जिले के सवाड़ी गांव में 08 हिन्दुओं की हत्या करना, 26 जनवरी 1998 को कश्मीर के वंदहामा गांव में 23 कश्मीरी पंडितों की हत्या करना, 16 अप्रैल 1998 को डोडा के देस्सा क्षेत्र में 09 की हत्या करना, 17 अप्रैल 1998 को उधमपुर के प्राणकोट एवं ढाकीकोट गांवों में 29 लोगों की हत्या करना, 05 मई 199 को पुंछ के सुरनकोट क्षेत्र में 05 हिन्दुओं की हत्या करना और 06 मई 1998 को डोडा के देस्सा गांव में 11 सुरक्षा समिति के हिन्दू सदस्यों की हत्या करना शामिल है।

इनके अतिरिक्त, 19 जून 1998 को डोडा के चम्पनारी में 29 हिन्दू बारातियों की हत्या करना, जिनमें 03 दूल्हे भी शामिल थे। 27 जुलाई 1998 को डोडा में किश्तवाड़ के छिन्नाठकुराई एवं श्रवण गांवों में 20 हिन्दुओं की हत्या करना, 28 जुलाई 1998 को डोडा के सरवान क्षेत्र में 08 लोगों की हत्या करना, 19 फरवरी 1999 को राजौरी जिले के बल-चराल गांव में 09 हिन्दू बारातियों की हत्या करना, 19 फरवरी 1999 को राजौरी में कालाकोट क्षेत्र के बनियारी में 10 हिन्दुओं की हत्या करना, 29 जून 1999 को अनंतनाग के संथू गांव में 12 बिहारी श्रमिकों की हत्या करना, 01 जुलाई 1999 को मेंढर के आड़ी गांव में दो हिन्दू परिवारों के 09 सदस्यों की हत्या करना, 19 जुलाई 1999 को डोडा के काठरी गांव में 05 हिन्दू परिवारों के 15 सदस्यों की हत्या करना, 28 फरवरी 2000 को पुंछ के मेंढर कस्बे में 05 हिन्दुओं की हत्या करना, 29 फरवरी 2000 को काजीगुंड में 05 सिख ट्रक चालकों की हत्या करना, 20 मार्च 2000 को कश्मीर के छत्तीसिंह पोरा में 36 सिखों की हत्या करना, 01 अगस्त 2000 को पहलगाम में 32 हिंदुओं की हत्या करना, जिनमें 29 अमरनाथ यात्री भी शामिल थे, 02 अगस्त 2000 को डोडा के बनिहाल कस्बे के पोगल में 12 हिन्दुओं की हत्या करना तथा 02 अगस्त सन् 2000 को अनंतनाग के अच्छबल में आठ प्रवासी श्रमिकों की हत्या करना शामिल है।

इसी प्रकार, 02 अगस्त 2000 को अनंतनाग के काजीगुंड में 19 प्रवासी श्रमिकों की हत्या किया जाना, 22 नवम्बर 2000 को बनिहाल में राजमार्ग पर 05 हिन्दू-सिख ट्रक ड्राइवरों की हत्या करना, 24 नवम्बर 2000 को डोडा के किश्तवाड़ कस्बे में 05 हिन्दुओं की हत्या किया जाना, 03 फरवरी 2001 को श्रीनगर के महजूर नगर में 08 सिखों की हत्या करना, 10 मई 2001 को किश्तवाड़ के अठोली-पाडर के सजार कस्बे में 08 हिन्दुओं की गला रेत कर हत्या करना, 21 जुलाई 2001 को अमरनाथ यात्रा के पड़ाव स्थल शेषनाग में 07 तीर्थयात्रियों सहित 13. की हत्या किया जाना, 21 जुलाई 2001 को डोडा जिले के किश्तवाड़ तहसील के छात्रू क्षेत्र में 05 हिन्दुओं की हत्या करना, 21 जुलाई 2001 को डोडा जिले की किश्तवाड़ तहसील के वाडवान क्षेत्र में चिरजी मोहड़ा गांव में 15 हिन्दुओं की हत्या किया जाना, 04 अगस्त 2001 को डोडा जिले के किश्तवाड़ तहसील के सरूतधार क्षेत्र में 16 हिन्दुओं की हत्या करना, 01 जनवरी 2002 को पुंछ के मगवार गांव में एक हिन्दू परिवार के 06 सदस्यों की हत्या करना, 31 जनवरी 2002 को उधमपुर के रियासी कस्बे में 04 प्रवासी श्रमिकों की हत्या किया जाना, 17 फरवरी 2002 को राजौरी के कालाकोट क्षेत्र के निराला गांव में एक हिन्दू परिवार के 08 सदस्यों की हत्या करना एवं 30 मार्च 2002 को जम्मू के रघुनाथ मंदिर पर हमला कर 08 हिन्दुओं को मौत के घाट उतार दिया जाना शामिल है।

ऐसे ही, 08 अप्रैल 2002 को उधमपुर के अरनास गांव में सात हिन्दुओं की सामूहिक हत्या करना, 14 मई 2002 को जम्मू के कालूचक में किए गए भीषण नरसंहार में 34 हिन्दुओं की हत्या करना, 15 जून 2002 को डोडा के किश्तवाड़ क्षेत्र में एक धार्मिक यात्रा पर हमला कर 05 हिन्दुओं की हत्या करना, 16 जून 2002 को उधमपुर के बडर गांव में एक ही हिन्दू परिवार के 05 सदस्यों की हत्या किया जाना, 18 जुलाई 2002 को जम्मू के कासिम नगर में 29 लोगों की हत्या करना, जिनमें मरने वाले सभी प्रवासी श्रमिक थे, 06 अंगस्त 2002 को नुनवान-पहलगाम में 10 अमरनाथ श्रद्धालुओं का नरसंहार करना, 23 नवम्बर 2002 को रघुनाथ मंदिर पर हुए दूसरा आत्मघाती हमला कर 14 हिंदुओं की हत्या किया जाना, जिनमें 11 नागरिक, 01 सुरक्षाकर्मी एव 02 आतंकवादी शामिल थे, एक अन्य आतंकी हमले में जम्मू में 15 पुलिसकर्मियों और 02 नागरिकों की हत्या करना, 23 मार्च 2003 को कश्मीर के पुलवामा जिले में शोपियां के पास नाड़ीमर्ग गांव में आतंकवादियों द्वारा 24 कश्मीरी पंडितों की हत्या करना तथा 30 अप्रैल 2006 को उधमपुर के बसंतगढ़ में 07 हिन्दुओं और डोडा के कुलहान इलाके में 22 हिन्दुओं की हत्या किया जाना शामिल है। दरअसल, उन आतंकवादियों की फितरत ही यही है। वे हमेशा से पाकिस्तानी सेना द्वारा प्रायोजित धार्मिक (इस्लामिक) जिहाद के अंतर्गत ऐसे ही योजनाएं बनाकर हिंदुओं की हत्याएं करते आए हैं। गौरतलब है कि हाल ही में, पाकिस्तानी प्रधानमंत्री, अन्य मंत्रियों, संत्रियों, आर्मी अफसरों, फौजियों आदि की मौजूदगी में हिंदुओं के विरूद्ध जहरीली तकरीर दी थी। उसने हिंदुओं को मुसलिमों से बदतर बताया तथा धार्मिक (इस्लामिक) जिहाद के लिए पाकिस्तानी फौज एवं आतंकवादियों को प्रेरित और प्रोत्साहित किया था, जिसके महज कुछ ही दिनों के भीतर उसके पाले-पोसे कुत्तों ने पहलगाम के लोकप्रिय टूरिस्ट साइट बैसरन घाटी में 28 हिंदुओं का कत्लेआम कर दिया। इससे पहले, 14 फरवरी 2019 को सीआरपीएफ के काफिले पर हुआ पुलवामा अटैक भी इसी जनरल मुनीर ने कराया था, जबकि हम उनके आतंकियों को मारकर अपनी पीठ थपथपाते रहे। पता नहीं हम इस बात को क्यों नहीं समझ पाते हैं कि हिंदुओं की हत्याओं का ये सिलसिला तब तक नहीं रूकने वाला, जब तक कि पाकिस्तान का सही, पक्का और स्थाई ईलाज नहीं किया जाएगा।

आर्थिक तंगी से हैं परेशान तो उत्तराखंड के कुबेर मंदिर के करें दर्शन, भक्तों पर बरसती है कृपा

भारत में यूं तो लाखों की तादात में मंदिर हैं। हर मंदिर का अपना रहस्य और अनोखा इतिहास होता है। आपने भी देश के अधिकतर मंदिरों के बारे में सुन रखा होगा। लेकिन आज हम आपको एक अनोखे मंदिर के बारे में बताने जा रहे हैं। कहा जाता है कि इस मंदिर में दर्शन करने भर से ही भक्तों की सभी मुरादें पूरी हो जाती हैं। बता दें यह मंदिर देवों की भूमि उत्तराखंड में है। देवभूमि उत्तराखंड से 40 किमी दूर जागेश्वर धाम में कुबेर मंदिर स्थित है।

इस मंदिर को जागेश्वर धाम के नाम से जाना जाता है। इस मंदिर में स्थित कुबेर का मंदिर हैं। भगवान कुबेर धन के देवता हैं और वह रावण के सौतेले भाई भी थे। आप सभी जानते हैं कि दिवाली और धनतेरस के दिन धन के देवता कुबेर की पूजा की जाती है।

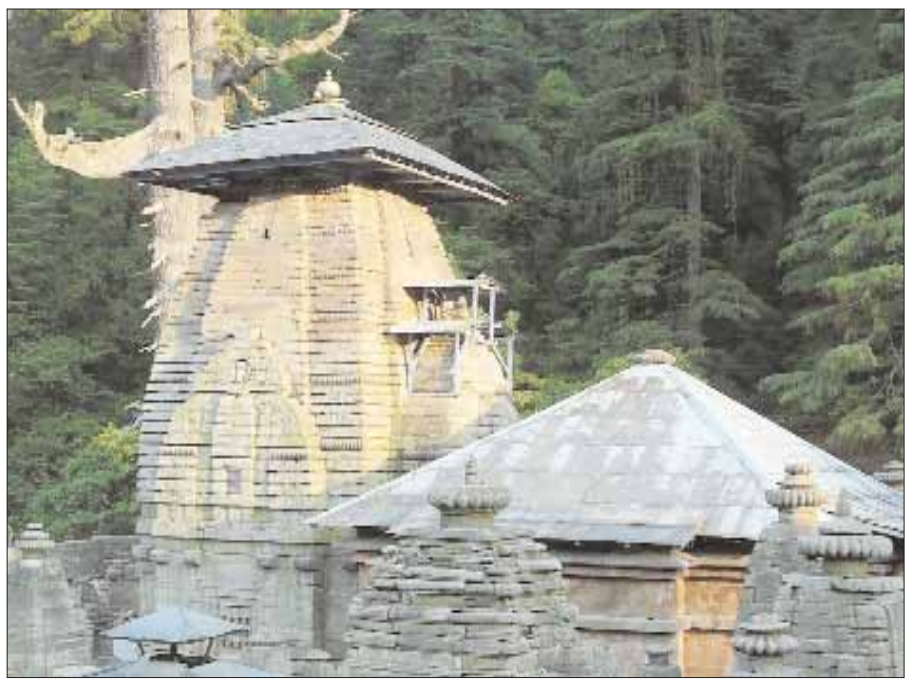

मंदिर का इतिहास: देवभूमि उत्तराखंड के अल्मोड़ा में स्थिति इस कुबेर मंदिर का इतिहास काफी दिलचस्प है। कई लोगों का मानना है कि इस मंदिर का निर्माण 7वीं शताब्दी में किया गया था। वहीं कुछ लोगों का मानना है कि इस मंदिर का निर्माण 9वीं शाताब्दी में हुआ था। जबकि कई अन्य लोगों का कहना है कि इस मंदिर का निर्माण 7वी शताब्दी से 14वीं शताब्दी के बीच कत्यूपी राजवंश के दौरान कराया गया था।

देश का छठा कुबेर मंदिर: आपको बता दें कि उत्तराखंड के अल्मोड़ा में स्थिति यह मंदिर कुबेर का छठा मंदिर है। इस मंदिर में एकमुख शिवलिंग में कुबेर भगवान विराजमान हैं। यहां के पुजारियों का कहना है कि यह देश का सबसे प्राचीन कुबेर मंदिर है। यहां पर भगवान कुबेर को भगवान शंकर के रूप में पूजा जाता है। मान्यता है कि जिस भी व्यक्ति पर भगवान कुबेर की कृपा हो जाती है, उसे कभी गरीबी का सामना नहीं करना पड़ता है। साथ ही उस व्यक्ति के पास धन-दौलत की कभी कमी नहीं होती है।

यहां के स्थानीय लोगों का मानना है कि इस मंदिर में सभी व्यक्तियों की मनोकामनाएं पूरी होती है। खासतौर पर उन लोगों की जो आर्थिक तौर पर कमजोर होते हैं। आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को इस मंदिर से चांदी के सिक्के को मंत्र पढ़कर पीले कपड़े में लपेट कर दिया जाता है। वहीं जब किसी की मनोकामना पूरी हो जाती है, तो वह भगवान कुबेर को खीर का भोग चढ़ाते हैं।

नहीं होती धन की कमी

मान्यता के अनुसार, जिन लोगों का कारोबार सही से नहीं चलता है, वह भी इस मंदिर में अपनी अर्जी लगाने के लिए पहुंचते हैं। एक अन्य मान्यता के मुताबिक जो भी व्यक्ति इस मंदिर के गर्भगृह की मिट्टी को अपने घर की तिजोरी में रखता है, उसके घर में कभी भी धन-दौलत की कमी नहीं होती है। धन के देवता कुबेर की दिवाली के दिन पूजा होती है। इसलिए दिवाली के दिन मंदिर में भक्तों की भारी भीड़ देखने को मिलती है। अगर आप भी इस मंदिर की असली रौनक देखना चाहते हैं। तो आपको यहां पर दिवाली और धनतेरस के बीच आना चाहिए। इस दौरान मंदिर को दुल्हन की भांति सजाया जाता है। साथ ही मंदिर में कई अन्य कार्यक्रम भी आयोजित किए जाते हैं।

सभी सनातनियों का एकजुट होना अनेक समस्याओं का समाधान : आचार्य लोकेश

जैन आचार्य लोकेश, युवाचार्य अभयदास, प्रदीप मिश्रा, देवकीनंदन ठाकुर आदि संतों ने श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति हेतु भरी हुंकार

अर्थ प्रकाश/सुभाष जैन

राजस्थान/नई दिल्ली/पानीपत। अहिंसा विश्व भारती एवं विश्व शांति केंद्र के संस्थापक जैन आचार्य लोकेशजी, युवाचार्य अभयदासजी, देकिनंदन ठाकुरजी सहित अनेक धर्माचार्यों व प्रख्यात कथा वाचकों ने राजस्थान के प्रतापगढ़ मे आयोजित श्री कृष्ण जन्मभूमि मुक्ति महासभा को संबोधित किया।

विश्व शांतिदूत जैनाचार्य लोकेशजी ने कहा कि जैन धर्म के 22वें तीर्थंकर अरिष्टनेमिनाथ के चचेरे भाई थे योगराज श्रीकृष्ण। जैन परंपरा में, श्रीकृष्ण को गीता के उपदेशक के रूप में एक महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त है, इस प्राचीन परंपरा को को सुरक्षित रखना भारतीय संतों का दायित्व है उन्होंने कहा सभी सनातनियों का एकजुट होना श्री कृष्ण जन्मभूमि सहित अनेक समस्याओं का समाधान है।

प्रतापगढ़ में श्री कृष्ण जन्मभूमि मुक्ति के लिए धर्मसभा के आयोजक युवाचार्य अभयदास जी ने कहा कि श्रीकृष्ण जन्मभूमि के अस्तित्व को स्थापित करना हमारा कर्तव्य है, इसके लिए हम हर संभव प्रयास करेंगे। उन्होने युवाओं से आह्वान किया कि श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति आंदोलन के लिए आगे आयें। देवकीनंदन ठाकुर जी ने कहा कि अन्याय सहना धर्म नहीं, हिन्दुत्व कि रक्षा के बिना राष्ट्र रक्षा संभव नहीं। अपने धर्म, संस्कृति और ईश्वर के लिए जीवन समर्पित करना सनातन की पहचान है। श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति आंदोलन संविधान के दायरे और मर्यादा में रहकर होगा।

श्री गौतम खट्टर जी ने श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति आंदोलन को पूर्ण समर्थन देते हुये कहा कि इस मुहिम को सफल बनाने के लिए जन जागृति पैदा करना आवश्यक है।

गोहाना के फव्वारा चौक पर मनाया भगवान परशुराम जन्मोत्सव

अर्थ प्रकाश/आदेश त्यागी

गोहाना। गोहाना के प्रमुख फव्वारा चौक पर भगवान परशुराम जन्मोत्सव बड़ी श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि हरियाणा भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के भाई एवं वरिष्ठ भाजपा नेता माईराम कौशिक रहे।

कौशिक ने भगवान परशुराम की तस्वीर पर अगरबत्ती दिखाकर विधिवत पूजा-अर्चना की और पुष्प एवं पुष्पमाला अर्पित कर अपनी श्रद्धा प्रकट की। कार्यक्रम में देश की सुरक्षा में अपने प्राणों की आहुति देने वाले पहल गांव में आतंकी हमले के दौरान शहीद हुए जवानों को भी श्रद्धांजलि दी गई।इस अवसर पर सामाजिक सरोकार को ध्यान में रखते हुए एक रक्तदान शिविर का भी आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में युवाओं और कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।अपने संबोधन में माईराम कौशिक ने कहा कि भगवान परशुराम भगवान विष्णु के छठे अवतार हैं। वे किसी एक जाति विशेष के नहीं, बल्कि सम्पूर्ण समाज के देवता हैं।

उन्होंने भगवान परशुराम को न्याय का प्रतीक बताते हुए युवाओं से उनके आदर्शों को अपनाने की अपील की।कार्यक्रम में चंद करण शर्मा, बलराम कौशिक, रीना शर्मा, कुलदीप सहित सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ता और श्रद्धालु उपस्थित रहे।

इंसान को चाहत है दुनियावी प्राप्तियों की

संसार में दुनियावी दौलतों की चाहना तो हर किसी को है लेकिन इस सच्ची दौलत की चाहना किन्हीं विरलों को ही हुआ करती है। स्वामी विवेकानन्द जी ने इस सम्बन्ध में कहा है कि ऐ इन्सान, इस सत्य की प्राप्ति की तुझे इतनी तीव्र इच्छा होनी चाहिए, जितनी एक डूबते हुए इन्सान को पानी से बाहरे निकलने की होती है। लेकिन ऐसी इच्छा रखने वाले हमें हर जगह नहीं मिलते। बाहरी रूप से तो ऐसी इच्छा रखने वाले अनेकों मिल जाते हैं क्योंकि हर स्थान पर बन्दगी हो रही है जिन्हें देखकर ऐसा लगता है कि वास्तव में ही ये प्रभु प्रेमी प्रभु की चाहत रखते हैं लेकिन अगर इन्सान गौर से अपने अन्दर झाँककर देखे तो अक्सर सांसारिक पदार्थों के लिए, रुके हुए काम बनाने के लए, कोई शारीरिक ताकत के लिए, राजसत्ता हासिल करने के लिए, कोई राजनीतिक या आर्थिक समर्थाएं प्राप्त करने के लिए ही अक्सर यह सभी कुछ किया जा रहा होता है। लेकिन सामने निशाना दुनियावी प्राप्ती होती हैं।

एक उदाहरण भी है कि मालिक प्रभु ने नारद जी को कहा कि आप बहुत दावा करते हैं कि संसार में स्थान स्थान पर सारे प्रभु की बन्दगी करते हैं, प्रभु प्रेमी हैं। अगर सचमुच ऐसा है तो आप उन्हें यहाँ मेरे पास ले

सद्गुरू माता सुदीक्षा जी महाराज

आइए। नारद जी निकल पड़े। पृथ्वी लोक पर आकर कहने लगे कि चलो आपको प्रभु ने बुलाया है। पहले ता सभी लोग कुछ न कुछ बहाने बनाने लगे लेकिन नारद जी के बार-बार कहने पर कुछ लोग तैयार हो गए। नारद जी उन्हें लेकर प्रभु-धाम की ओर चल पड़े। कुछ दूर ही चले थे कि उन लोगों में हलचल मच गई। कुछ लोग एक विशेष दिशा में भागने लगे। नारद जी ने पूछा तो बाकी बचे लोगों ने बताया कि किसी ने कहा है कि उधर चाँदी की खान है इसलिए वे लोग उधर भाग गये हैं। हमें तो आपके साथ जाना है, इसलिए यहीं खड़े हैं। थोड़ा आगे जाकर फिर वही हलचल होने लगी। फिर पूछा तो लोगों ने बताया कि उधर कोई सोने की खान है इसलिए कुछ लोग उधर भाग रहे हैं। अब बहुत थोड़े लोग रह गये जिन्हें लेकर नारद जी आगे बढ़ने लगे। थोड़ा आगे जाने पर फिर वही हलचल। मालूम हुआ कि उधर हीरे की खान है। सभी लोग उस ओर भाग रहे हैं। नारद जी अकेले ही रह गये। उन्होंने भागते हुए इन्सान को पकड़ा और कहा, ÷तू तो मेरे साथ चल ताकि मैं मालिक से आँखें तो मिला सकूँ, क्योंकि वहां तो मैं दावा करके आया था कि सभी लोग प्रभु प्रेमी हैं।÷नारद जी उसे लेकर मालिक प्रभु के समक्ष पहुँचे। प्रभु ने कहा ङ्क नारद जी आप तो कहते थे कि बहुत लोग हैं, यह ता अकेला ही है। नारद जी बोले, महाराज, एक तो लाया हूँ, इसे ही स्वीकार कर लें। इतने में वह इन्सान बोला, नारद जी, जल्दी करो, मुझे देर हो गई तो वे लोग सारे हीरे ले जायेंगे। मेरे हिस्से में कुछ नहीं आयेगा। यह कह कर वह भी भाग गया। कहने का भाव, आम इन्सान को चाहत है दुनियावी प्राप्तियों की, प्रभु की चाहत नहीं है। इसके विपरीत दूसरी ओर मीरा है जिसको दुनियावी दौलत उपलब्ध है लेकिन सन्तुष्टी नहीं हो रही है, खालीपन महसूस हो रहा है। तभी तो वह कह रही है-

लकड़ी जल कोयला भई, कोयलाभई है राख।
मैं अभागन यूँ जली कोयला भई न राख।

वह उन महलों को, पदार्थों को महत्ता नहीं दे रही है, एक लकड़ी की तरह सुलग रही है।

पंचांग

बुधवार, 30 अप्रैल, 2025, सूर्योदयः 05:41 ए एम, सूर्यास्तः 06।56 पी एम, चन्द्रोदयः 07।22 ए एम, चन्द्रास्तः 10।14 पी एम, शक सम्वतः 1947 विश्वावसु, विक्रम सम्वतः 2082 कालयुक्त, गुजराती सम्वतः 2081 नल, अमान्त महीनाः वैशाख, पूर्णिमान्त महीनाः वैशाख, वारः बुधवार, पक्षः शुक्ल पक्ष, तिथिः तृतीया - 02।12 पी एम तक, नक्षत्रः रोहिणी - 04।18 पी एम तक, योगः शोभन - 12।02 पी एम तक, करणः गर - 02।12 पी एम तक, द्वितीय करणः वणिज - 12।43 ए एम, मई 01 तक, सूर्य राशिः मेष, चन्द्र राशिः वृषभ - 03।15 ए एम, मई 01 तक, राहुकालः 12।18 पी एम से 01।58 पी एम, गुलिक कालः 10।39 ए एम से 12।18 पी एम, यमगण्डः 07।21 ए एम से 09।00 ए एम, अभिजित मुहूर्तः कोई नहीं, दुर्मुहूर्तः 11।52 ए एम से 12।45 पी एम, अमृत कालः 01।26 पी एम से 02।52 पी एम, वर्ज्यः 09।07 ए एम से 10।33 ए एम, वर्ज्यः 09।26 पी एम से 10।55 पी एम।

भविष्य फल

मेषः आपका ध्यान परिवार और पैसे पर होगा। हर मौके का फायदा उठाने की कोशिश करें। आपके सारे काम आसानी से और समय पर निपट सकते हैं।

वृषः आगे बढ़ने के लिए आपको एक से ज्यादा मौके मिलने की संभावना है। पैसों के हर मामले पर आप बारीकी से विचार कर लें।

मिथुनः आज सोचा हुआ काम अचानक से पूरा हो जाएगा। आपकी आर्थिक स्थिति में काफी सुधार भी आएगा।

कर्कः आप उम्मीदों की जादुई दुनिया में हैं। इस बात में सावधानी बरतें कि आप किसके साथ आर्थिक लेन-देन कर रहे हैं।

सिंहः समारोह और महत्वपूर्ण अवसरों के लिए अच्छा दिन है। ऑफिस में आपका कॉन्फिडेंस बढ़ा रहेगा, सीनियर्स भी आपसे खुश रहेंगे।

कन्याः माता-पिता का स्वास्थ्य चिंता का कारण बन सकता है। जल्दबाज़ी में फ़ैसले न लें ख़ासतौर पर अहम आर्थिक सौदों में मोलभाव करते वक्त।

तुलाः लोग आपके ख़र्चीले स्वभाव की आलोचना करेंगे। आपको भविष्य के लिए पैसे जमा करने चाहिए, नहीं तो आगे आप मुश्किल में पड़ सकते हैं।

वृश्चिकः जिंदगी में होने वाला बदलाव आपके फेवर में रहेगा। अगर आप कला के क्षेत्र से जुड़े हैं, तो तरक्की के कई नये रास्ते नजर आएंगे।

धनुः नई जमीन या मकान खरीदने का विचार बन सकता है। निवास या काम करने की जगह में बदलाव का मूड भी बन सकता है।

मकरः आर्थिक तौर पर सुधार के चलते आप आसानी से काफ़ी वक्त से लंबित बिल और उधार चुका सकेंगे।

कुंभः दोस्तों और भाइयों से सहयोग मिलेगा। अचानक कोई खास काम आपको करना पड़ सकता है। आज ऐसे ही काम शुरू करें जो जल्दी पूरे हो जाएं।

मीनः विवाहित अपनी पारिवारिक समस्याओं को जीवनसाथी से साझा करेंगे तो निश्चित हल निकल सकता है। आज बच्चे आपको कोई शुभ समाचार देंगे, जिससे परिवार के सभी सदस्य खुश हो जायेंगे।

भारत में आरएसवी रोकथाम के लिए डॉ. रेड्डीज़ और सनोफी ने बेफोर्टस लॉन्च के लिए किया साझेदारी का विस्तार

चंडीगढ़। विश्व टीकाकरण सप्ताह के अवसर पर, एक वैश्विक फार्मास्युटिकल कंपनी, डॉ. रेड्डीज़ लैबोरेट्रीज़ लिमिटेड (बीएसई-500124, एनएसई-डीआरआरईडीडीवाय, एनवाईएसई-आरडीवाय, एनएसईआईएफएससी-डीआरआरईडीडीवाय; इसके बाद 'डॉ. रेड्डीज़' के रूप में संदर्भित), ने सनोफी हेल्थकेयर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (एसएचआईपीएल) के साथ अपनी रणनीतिक साझेदारी का विस्तार किया है ताकि भारत में एक नई दवा, बेफोर्टस (निर्सेविमैब) को पेश किया जा सके। बेफोर्टस में मोनोक्लोनल एंटीबॉडी, निर्सेविमैब, एक प्रीफिल्ड इंजेक्शन के रूप में शामिल है, जो रेस्पिरेटरी सिंकाइटियल वायरस (आरएसवी) निचले श्वसन पथ रोग (एलआरटीडी) की रोकथाम के लिए उपयोग किया जाता है, जो नवजात शिशुओं और पहले आरएसवी सीज़न में जन्म लेने वाले या उसमें प्रवेश करने वाले शिशुओं के लिए है। यह 24 महीने तक के बच्चों को भी दी जाती है, जो अपने दूसरे आरएसवी सीज़न तक गंभीर आरएसवी रोग के प्रति संवेदनशील रहते हैं।इस व्यवस्था के तहत, डॉ. रेड्डीज़ को एसएचआईपीएल से भारत में बेफोर्टस (निर्सेविमैब) को प्रमोट और डिस्ट्रीब्यूट करने के लिए विशेष अधिकार प्राप्त होंगे। यह घोषणा पिछले साल भारत में सनोफी के वैक्सीन पोर्टफोलियो के लिए डॉ. रेड्डीज़ की सफल एक्सक्लूसिव डिस्ट्रीब्यूशन पार्टनरशिप के बाद हुई है।

आईडीबीआई बैंक ने लाभ में 33प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की

चंडीगढ़। आईडीबीआई बैंक ने आज वित्त वर्ष 25 की चौथी तिमाही के लिए अपने परिणाम जारी किए। वित्त वर्ष 25 की चौथी तिमाही में शुद्ध लाभ 26प्रतिशत साल दर साल की मजबूत वृद्धि के साथ 2,051 करोड़ रुपए रहा। ऑपरेटिंग प्रॉफिट 3,195 करोड़ रुपए रहा। एनआईएम 4प्रतिशत दर्ज की गई, और शुद्ध ब्याज आय 3,290 करोड़ रुपए रही। वित्त वर्ष 25 की चौथी तिमाही के लिए कॉस्ट ऑफ डिपॉज़िट 4.83प्रतिशत थी, जो वित्त वर्ष 24 की चौथी तिमाही में 4.48प्रतिशत थी। सीआरएआर 279 बीपीएस की साल दर साल वृद्धि के साथ 25.05प्रतिशत रहा। संपत्ति पर रिटर्न (आरओए) वित्त वर्ष 24 की चौथी तिमाही में 1.82प्रतिशत के मुकाबले वित्त वर्ष 25 की चौथी तिमाही में 29 बीपीएस बढ़कर 2.11प्रतिशत हो गया। इक्विटी पर रिटर्न (आरओई) 20.40प्रतिशत रहा, (65 बीपीएस की साल दर साल वृद्धि)। शुद्ध एनपीए 31 मार्च 2024 को 0.34प्रतिशत से घटकर 0.15प्रतिशत हो गया। सकल एनपीए 31 मार्च 2024 को 4.53प्रतिशत से घटकर 2.98प्रतिशत हो गया। पीसीआर 31 मार्च 2024 को 99.09प्रतिशत के मुकाबले 99.48प्रतिशत रहा।

भगवान परशुराम ने मानव को सत्य का मार्ग दिखाया : देवेंद्र कादियान

भगवान परशुराम जयंती पर हवन, भंडारा का आयोजन

अर्थ प्रकाश/सुरेन्द्र कुमार

गन्नौर। गढ़ी केसरी स्थित परशुराम मंदिर में भगवान विष्णु के छठे अवतार भगवान परशुराम का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक देवेंद्र कादियान पहुंचे। शुभारंभ हवन यज्ञ से हुआ। इसमें विधायक सहित श्रद्धालुओं ने आहुति दी। इसके बाद विधायक ने

भगवान परशुराम की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर नमन किया।विधायक कादियान ने कहा कि भगवान परशुराम दया, क्षमा और करुणा के प्रतीक थे। उन्होंने मानव को सत्य का मार्ग दिखाया। वे केवल ब्राह्मणों के ही नहीं, सभी के पूजनीय हैं। आज भी उनके सिद्धांत पूरी तरह प्रासंगिक हैं। हमें उनके आदर्शों को जीवन में अपनाना चाहिए।

कार्यक्रम में विधायक का स्वागत किया गया। आयोजकों ने उन्हें भगवान परशुराम की प्रतिमा भेंट की। इस अवसर पर विशाल भंडारे का आयोजन हुआ। श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम में शिवराज त्यागी, सुनील शर्मा, अमित त्यागी, श्रेष्ठ वकील, बाबूराम पंडित, संजू, अमरीश त्यागी, कृष्ण कुमार सहित कई लोग मौजूद रहे।

सोनीपत की मंडियों व खरीद केंद्रों में की जा चुकी है 03 लाख 99 हजार 483 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद

अर्थ प्रकाश/आदेश त्यागी

सोनीपत। उपायुक्त डॉ. मनोज कुमार ने बताया कि जिला की विभिन्न मंडियों में गेहूं की आवक व खरीद तेज हो गई है। सोमवार देर सांय तक जिला की विभिन्न 24 मंडियों व खरीद केंद्रों में 03 लाख 99 हजार 483 मीट्रिक टन गेहूं की आवक हो चुकी है। इस गेहूं को विभिन्न एजेंसियों द्वारा खरीद लिया गया है। उपायुक्त ने बताया कि जिला की विभिन्न मंडियों में पहुंचे 03 लाख 99 हजार 483 मीट्रिक गेहूं में से खाद्य एवं आपूर्ति विभाग द्वारा 01 लाख 19 हजार 119 मीट्रिक टन, हैफेड द्वारा 01 लाख 64 हजार 717 मीट्रिक टन, हरियाणा वेयर हाउसिंग द्वारा 84 हजार 967 मीट्रिक टन और फूड कार्पोरेशन आफ इंडिया (एफसीआई) द्वारा 12 हजार 984 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद की गई है। जिला की मंडियों में पहुंचे गेहूं में बरोदा खरीद केन्द्र पर 3995 मीट्रिक टन, भैंसवाल खरीद केंद्र पर 6060 मीट्रिक टन, बिचपड़ी खरीद केन्द्र पर 1275 मीट्रिक टन, दातौली खरीद केन्द्र पर 5384 मीट्रिक टन, फरमाणा खरीद केन्द्र पर 11380 मीट्रिक टन, गन्नौर अनाज मण्डी में 32463 मीट्रिक टन खरीद की गई।

तिरंगा चौक व 23 सेक्टर डिस्पोजल लाइन को ककरोई स्थित सीवेरज ट्रीटमेंट प्लांट को जाने वाली लाइन से जोड़ा जाएगा

राजीव जैन ने सीवेरज के गंदे पानी की समस्या को देखते हुए घोषणा की

अर्थ प्रकाश/आदेश त्यागी

सोनीपत। मयूर विहार, शास्त्री कॉलोनी, प्रगति नगर, अशोक विहार समेत अनेकों कालोनियों में सीवेरज की गंभीर हो चुकी समस्या से निजात दिलाने के लिए जल्द ही तिरंगा चौक तथा 23 सेक्टर डिस्पोजल की लाइन को महलाना रोड पर ककरोई स्थित सीवेरज ट्रीटमेंट प्लांट को जाने वाली लाइन से जोड़ा जायेगा, इसके लिए निर्माण विभाग ने रोड कट की मंजूरी प्रदान कर दी है। नगर निगम मेयर राजीव जैन ने मयूर विहार की गली नंबर 22, 23, 24,25 में गलियों में भरे सीवेरज के गंदे पानी की समस्या को

देखने के बाद यह घोषणा की। उन्होंने कहा कि अगले दस दिनों के भीतर इस कार्य को पूरा करने के निर्देश निगम अधिकारियों को दिए गए हैं। कालोनीवासियों ने शिकायत की कि उनकी गलियों में सीवर प्रॉपर्टी डीलरों द्वारा डाले गए थे जोकि गलियों में घूम घूम कर मैन रोड तक जा रहे हैं और कई गलियों का सीवेरज कनेक्शन मैन रोड पर नहीं किया गया है जिससे समस्या उत्पन्न होती रहती है। राजीव जैन ने आश्वासन दिया कि वह स्वयं संज्ञान लेकर कॉलोनी में पंहुचे हैं और जल्द ही इस समस्या से निजात दिलाएंगे।

निखिल मदान ने देशवासियों को भगवान परशुराम जन्मोत्सव व अक्षय तृतीया पर्व की दी बधाई

अर्थ प्रकाश/आदेश त्यागी

सोनीपत। विधायक निखिल मदान मंगलवार को शहर के रोहतक फ्लाईओवर के पास बने परशुराम चौक पर पहुंचे। इस अवसर पर उन्होंने वहां उपस्थित सभी लोगों को भगवान परशुराम के जन्मोत्सव और अक्षय तृतीया के पर्व की शुभकामनाएं दी। विधायक निखिल मदान ने इस अवसर पर भगवान परशुराम की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया। मेयर निखिल मदान ने कहा कि विष्णु जी के अवतार, धर्म और न्याय की स्थापना करने वाले, चिरंजीवी, भगवान परशुराम के जन्मोत्सव पर आज वो उनका

आशीर्वाद लेने पहुंचे है। विधायक निखिल मदान ने कहा कि भगवान परशुराम का जीवन सत्य के रास्ते पर चलकर, अन्याय के खिलाफ संघर्ष और विजय पाने का प्रतीक है। भगवान परशुराम का जीवन तप,त्याग ,तपस्या और वीरता का अनुकरणीय उदाहरण है। भगवान परशुराम शास्त्र और शस्त्र दोनों के ज्ञाता है। भगवान परशुराम का आशीर्वाद सभी देश वासियों पर बना रहे ऐसी वो कामना करते हैं। साथ ही अक्षय तृतीया के मांगलिक पर्व पर माता लक्ष्मी जी और विष्णु जी का आशीर्वाद भी सभी देशवासियों पर बना रहे और सबके घरों में धन वैभव और सुख समृद्धि का वास हो ऐसी प्रार्थना करते हैं।

कांग्रेस के बयान आतंकवादियों के हौसले बढ़ाने वाले : पंडित मोहन लाल बड़ौली

- कांग्रेस द्वारा एक्स अकाउंट पर शेयर की गई फोटो ''सर तन से जुदा'' वाली घृणित मानसिका का प्रतिबिंब
- पीएम मोदी आतंकवाद को नेस्तानाबूद करने के संकल्प के साथ आगे बड़ रहे हैं
- भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और संगठन मंत्री ने पंचकूला में की 17 जिलों के भाजपा जिला अध्यक्षों के साथ बैठक
- जल्द होगी हरियाणा में भाजपा जिला कार्यकारिणी की घोषणा

अर्थ प्रकाश /सुनील सिंघई

पंचकूला। कांग्रेस के एक्स अकाउंट पर एक फोटो शेयर को लेकर भारतीय जनता पार्टी हमलावर हो गई है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि कांग्रेस के बयान आतंकवादियों के हौंसले बड़ाने वाले हैं। आर्तकियों और कांग्रेस की मिली-जुली सोच बन गई है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस द्वारा शेयर की गई फोटो ''सर तन से जुदा'' वाली घृणित मानसिका का प्रतिबिंब है। श्री बड़ौली मंगलवार को पंचकूला स्थित भाजपा के प्रदेश कार्यालय पंचकमल में जिला अध्यक्षों की मीटिंग लेने पहुंचे थे। यहां श्री बड़ौली ने मीडिया के सवालों का जवाब भी दिया और प्रदेश में चल रही संगठनात्मक गतिविधियों के बारे में जानकारी भी दी।

मीटिंग के बाद प्रदेश अध्यक्ष ने कांग्रेस को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सदा ही विभाजनकारी और तुष्टिकरण की राजनीति करती आई है। पहलगाम में निर्दोष लोगों पर हुए हमले पर उन्होंने कहा कि आर्तकियों ने धर्म को टारगेट किया है। आर्तकियों की भारत में हिंसा भड़काने की जो मंशा थी वह कभी पूरी होने वाली नहीं है। देश की 140 करोड़ जनता का आशीर्वाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ है। पीएम मोदी आतंकवाद को नेस्तानाबूद करने के लिए संकल्प के साथ आगे बड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पाकिस्तान के खिलाफ जो कड़े निर्णय लिए हैं जनता ने उनका स्वागत किया है।

श्री बड़ौली ने कहा कि कांग्रेस ने

देश में लंबे समय तक शासन किया और उनके समय में आतंकवादी घटनाएं भी हुई। भाजपा ने विपक्ष में रहते हुए सदा सरकार का साथ दिया। कांग्रेस नेताओं पर निशाना साधते हुए श्री बड़ौली ने कहा कि कांग्रेस के लोग भले ही सर्वदलीय बैठक में आए, लेकिन बाहर निकलते ही उलटी सीधी बयानबाजी करते हैं। बड़ौली ने कहा कि मोदी सरकार आर्तकियों को तो सजा देगी ही साथ ही आतंक का पालन पोषण करने वालों को भी कड़ा सबक सिखाएगी।

जिला अध्यक्षों के साथ हुई बैठक के बारे में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि आज 17 जिलों के जिला अध्यक्षों के साथ बैठक हुई है। 10 जिलों के जिला अध्यक्षों के साथ सोमवार को गुरुग्राम में बैठक हुई थी। उन्होंने कहा कि सभी जिला अध्यक्षों से जिलेवार मंडल कार्यसमिति और पदाधिकारियों की नियुक्ति के बारे में चर्चा हुई। पिछले दिनों हुए संगठनात्मक कार्यक्रमों की समीक्षा की और आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तय की। उन्होंने कहा कि बैठक में सभी जिला अध्यक्षों को शीघ्र अपने-अपने जिलों की टीम बनाने के दिशा निर्देश दिए हैं। श्री बड़ौली ने कहा कि हरियाणा में हमारे सभी मंडलों के पदाधिकारियों की नियुक्तियां हो चुकी हैं और अब जल्द ही जिला के पदाधिकारियों की घोषणा कर दी जाएगी। मोर्चों और प्रकोष्ठों की टीम की घोषणा भी शीघ्र कर दी जाएगी। आज की बैठक में संगठन मंत्री फणीन्द्र नाथ शर्मा जी और प्रदेश महामंत्री सुरेंद्र पूनिया भी मौजूद रहे।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि मोदी और नायब सरकार जनहित में निर्णय लेकर हर वर्ग का विकास कर रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं की पार्टी है और कार्यकर्ताओं की मेहनत के परिणाम से हरियाणा में तीसरी बार भाजपा की सरकार बनी है। बड़ौली ने कहा कि भाजपा काम करने में विश्वास करती है और जनता भी ठोस कामों ही आशीर्वाद देती है। उन्होंने नायब सरकार की तारीफ करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में युवा, किसान, महिलाएं गरीब वर्ग के हित में ठोस काम हो रहा है। भाजपा जो कहती है वह संकल्प के साथ पूरा करती है।

जिला अध्यक्षों के साथ हुई बैठक में संगठन मंत्री फणीन्द्रनाथ शर्मा ने सभी जिला अध्यक्षों से संगठनात्मक विषयों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि मोदी और नायब सरकार कल्याणकारी नीतियां बनाकर वंचितों और गरीबों के उत्थान के लिए काम कर रही है। भाजपा की नीतियों और कराए गए विकास कार्यों की बदौलत ही हम लगातार चुनाव जीत रहे हैं।

शादी में हंगामा करने से रोका तो घोंपा चाकू, सिर में शराब की बोतल फोड़ी

- घायल युवक को सेक्टर-6 स्थित नागरिक अस्पताल में कराया भर्ती

अर्थ प्रकाश संवाददाता

जीरकपुर। ढकोली स्थित एक मैरेज पैलेस में शादी समारोह में शराब पीकर हंगामा कर रहे युवकों ने एक युवक पर चाकुओं से हमला कर दिया। युवक की पीठ पर चाकू घोंपा गया है और सिर पर शराब की बोतल फोड़ दी। घायल की पहचान सेक्टर-21 निवासी 30 वर्षीय वीरपाल के रुप में हुई है। बताया जा रहा है कि शादी समारोह के दौरान डीजे पर कुछ युवक शराब पीकर हंगामा कर रहे थे और वीरपाल उन्हें समझाने के लिए गया था लेकिन नशे में धुत युवक उसके साथ ही गाली गलौज करने लगे। जब उसने उन्हें ऐसा करने से रोका तो उस पर चाकु से हमला कर दिया। वीरपाल को लहूलुहान हालत में उपचार के लिए सेक्टर-6 स्थित नागरिक अस्पताल में भर्ती कराया गया और घटना की शिकायत पुलिस को दी गई। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में सेक्टर-21 निवासी वीरपाल ने बताया कि

रविवार रात को उनके परिवार में शादी थी। शादी समारोह ढकोली स्थित एक मैरेज पैलेस में रखा गया था। रात करीब एक बजे समारोह में आए कुछ युवक शराब पीकर हंगामा करने लगे। कपड़े उतारकर डीजे पर डांस करने लगे। वीरपाल ने उनको रोकने का प्रयास किया, तो हंगामा कर रहे युवक इस बात का बुरा मना गए कि वह उन्हें कैसे रोक सकता है।। उन्होंने वहां अपने 20-22 अन्य साथियों को बुला लिया और वीरपाल के साथ झगड़ा करने लगे। कुछ लोगों ने बीच-बचाव करने का प्रयास किया, मगर इसी दौरान उन्होंने चाकू निकालकर वीरपाल की पीठ और हाथ में घोंप दिया। इसके अलावा शराब की बोतल उठाकर उसके सिर पर फोड़ दी। इस हमले में वह गंभीर रूप से घायल हो गया। वहां मौजूद अन्य लोगों ने बीच-बचाव कर वीरपाल को बचाया और उपचार के लिए पंचकुला के सेक्टर-6 स्थित नागरिक अस्पताल में भर्ती कराया गया। इसकी शिकायत ढकोली थाना पुलिस को दी गई है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है।

हमारे पास अभी अस्पताल से कोई सूचना नहीं आई है। सूचना मिलने के बाद घायल के बयान दर्ज किए जाएंगे। उसके बाद जो बनती कार्रवाई होगी की जाएगी।

बलजीत सिंह, ड्यूटी आफिसर थाना ढकोली

न्यूज ब्रीफ

साहित्यिक क्लब शब्द शिल्प का सफल आयोजन

कालका (जग्गी)। राजकीय महाविद्यालय कालका की प्राचार्या डॉक्टर गीता सुखीजा के कुशल नेतृत्व और मार्गदर्शन में साहित्यिक क्लब शब्द शिल्प द्वारा तीन दिवसीय थियेटर कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। प्रसिद्ध गुमफन थियेटर ग्रुप, चंडीगढ़ के डायरेक्टर और एक्टर श्री जगदीश तिवारी ने विद्यार्थियों को ट्रेनिंग दी। श्री जगदीश तिवारी को थियेटर में 20 साल का अनुभव है। कार्यशाला में भाग लेने के इच्छुक विद्यार्थियों की संख्या बहुत अधिक होने के कारण छंटनी करके 30 छात्रों को तीन दिवसीय ट्रेनिंग दी गई। विद्यार्थियों ने अपनी अभिनय कला का बहुत अच्छा प्रदर्शन किया। प्रस्तुत कार्यशाला अंग्रेजी विभागाध्यक्षा डॉक्टर मीनू ख्यालिया, असिस्टेंट प्रोफेसर पूजा सिंगल, हिंदी विभागाध्यक्षा डॉ बिंदु शर्मा, डॉक्टर नीरू शर्मा, डॉ गीता, डॉ कविता, डॉ रमाकांत सहाय, पंजाबी विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर जगपाल, संस्कृत विभाग के डॉक्टर प्रदीप के मार्गदर्शन में किया गया। साहित्यिक क्लब शब्द शिल्प की प्रभारी पूजा सिंगल ने कार्यक्रम का आयोजन बहुत व्यवस्थित और सुचारू रूप से करवाया।

शहीदों को दी गई श्रद्धांजलि

कालका (अप्रस)। प्राचीन श्री काली माता मंदिर कालका में आयोजित साप्ताहिक हवन कार्यक्रम में नगर के गणमान्य नागरिकों ने भाग लिया। इस अवसर पर जम्मू-कश्मीर के पहलगाम क्षेत्र में शहीद हुए वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। हवन यज्ञ के माध्यम से शहीदों की आत्मा की शांति हेतु प्रार्थना की गई। कार्यक्रम में मनसा देवी पूजा स्थल बोर्ड के सचिव पृथ्वी राज विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि देश की रक्षा में अपने प्राण न्योछावर करने वाले जवानों का बलिदान कभी भुलाया नहीं जा सकता। नगरवासियों ने भी बड़ी संख्या में भाग लेकर श्रद्धा और देशभक्ति का परिचय दिया।

अत्याधुनिक अज़्यूरियन कैथ लैब का मुकट हॉस्पिटल एंड हार्ट इंस्टीट्यूट में हुआ श्रीगणेश

चण्डीढ़ (सुशील सहगल)। मुकट हॉस्पिटल एंड हार्ट इंस्टीट्यूट ने मंगलवार को अत्याधुनिक फिलिप्स अज़्यूरियन कैथ लैब की शुरुआत की है। कैथ लैब भारत में गिनी-चुनी जगहों पर ही उपलब्ध है तथा यह तकनीक कॉरपोरेट हेल्थकेयर सेक्टर में सिटी ब्यूटीफुल मे एक नई उपलब्धि है। फिलिप्स अज़्यूरियन तकनीक इमेज-गाइडेड इंटरवेंशनल प्रक्रियाओं में सबसे कम विकिरण के साथ अत्यधिक सटीकता, सुरक्षा और दक्षता प्रदान करती है, जिससे हृदय, रक्त नलिकाओं और न्यूरोलॉजिकल संबंधी जटिल प्रक्रियाएं अधिक प्रभावी रूप से की जा सकती हैं। अर्थ प्रकाश से जानकारी सांझा करते हुए अस्पताल के मेडिकल डायरेक्टर डॉ. रवि इंदर सिंह ने कहा कि फिलिप्स अज़्यूरियन कैथ लैब की स्थापना मुकट हॉस्पिटल एंड हार्ट इंस्टीट्यूट में सिटी ब्यूटीफुल व सैटेलाईट सिटी के लोगों के लिए विश्वस्तरीय कार्डियक देखभाल को और नज़दीक लाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी। उन्होंने बताया कि रोगी की देखभाल, तकनीक और चिकित्सीय नवाचार में उत्कृष्टता के प्रति मुकट हॉस्पिटल निरंतर प्रतिबद्ध हैं। ज्ञात रहे कि नई कैथ लैब फ्लैट डिटेक्टर तकनीक, रियल टाइम इमेज प्रोसेसिंग, सहज यूजर इंटरफेस, तेज़ गति से स्थिति बदलने की क्षमता, मरीज के अनुभव को बेहतर बनाने वाला शांत सुपर कूल जनरेटर और एक्स-रे बीम फिल्टर्स,बेहतर इमेज क्वालिटी और मशीन संचालन का उन्नत सॉफ़्टवेयर, रक्त नलिकाओं के बेहतर अवलोकन के लिए आईवीयूएस (इन्ट्रावैस्कुलर अल्ट्रासाउंड) तकनीक, और स्टेंट की स्पष्ट लाइव इमेजिंग के लिए स्टेंट बूस्ट टेक्नोलॉजी आदि से लैस है।

फराटा मशीन के ऊपर रखे हुए दो चाय के कप कर रहे अधिकारियों का इंतजार

- क्या इन मशीनों को चाय पर चर्चा करने के बाद ही चलाया जाएगा?

अर्थ प्रकाश /संदीप सिंह बावा

जीरकपुर । नगर कौंसिल जीरकपुर द्वारा लाखों रुपए खर्च कर करीब 6 महीने पहले खरीदी गई गोबर गोला मशीन धूल फांक रही है क्योंकि 6 महीने से इन मशीनों को एक बार भी नहीं चलाया गया। यह मशीन गोबर से लंबे-लंबे डंडे बनाने के काम आती है जो की मृतक शरीर का संस्कार करने में प्रयोग किए जाते हैं और लकड़ी की भारी बचत होती है। यह मशीन पभात क्षेत्र में स्थित डंपिंग ग्राउंड में खड़ी है। इन मशीनों को चलाने के लिए मौके पर तीन ट्राली गोबर की भी व्यवस्था कर ली गई थी जो कि अब सूख चुका है।

इसके अलावा उसी जगह पर एक फराटा मशीन भी खड़ी खड़ी खराब हो रही है क्योंकि इसे भी पिछले दो महीने से चलाया नहीं जा रहा यह फराटा मशीन पॉलिथीन कचरे को साफ करने के लिए प्रयोग की जाती है। पॉलिथीन को साफ करने के बाद आगे अलग-अलग कंपनियों को बेच दिया जाता है। इस मशीन के न चलने के कारण डंपिंग ग्राउंड में भारी मात्रा में प्लास्टिक कचरा भी पड़ा हुआ दिखाई दे रहा है।

फराटा मशीन पर पड़े दो कप कर रहे हैं अधिकारियों का इंतजार : गोबर गोला मशीन तथा फराटा मशीन ना चलने के कारण अब सही प्रयोग करने की बजाय इनका प्रयोग अन्य कामों के लिए किया जा रहा है।अब फराटा मशीन के ऊपर दो चाय के

फराटा मशीन पहले तो चलाई जा रही थी अब अगर यह नहीं चल रही तो मैं चेक कर लूंगा। इसके अलावा गोबर गोला मशीन को चलाने के लिए लेबर की जरूरत पड़ती है। लेबर के लिए अभी तक टेंडर नहीं खोला गया है इसीलिए इन मशीनों को नहीं चलाया जा रहा। टेंडर लगने के बाद ही इन मशीनों को चलने वाली लेबर आएगी और इनको चलाया जाएगा।

रणजीत सिंह सेनेटरी इंस्पेक्टर नगर कौंसिल जीरकपुर।

कप पड़े हुए दिखाई दे रहे हैं जो कि अधिकारियों का इंतजार कर रहे हैं कि क्या इन मशीनों को चाय पर चर्चा करने के बाद ही चलाया जाएगा? फराटा मशीन के ऊपर एक पानी का कैंपर भी अधिकारियों का इंतजार कर रहा है कि कब अधिकारी इस मशीन को देखने आएंगे और उन्हें ठंडा-ठंडा पानी पिलाकर इन मशीनों को चलाने के लिए उत्सुकता पैदा करेगा। गोबर गोला मशीनों में भी अब गोबर की बजाय विभिन्न प्रकार का कचरा ही भरा हुआ दिखाई दे रहा है।

अवैध मिट्टी से भरा टिप्पर जब्त, 1.5 लाख रुपए का जुर्माना

- क्षेत्र में अवैध खनन बर्दाश्त नहीं किया जाएगा: इंस्पेक्टर अभय कुमार

अर्थ प्रकाश संवाददाता

बनूड़ । माइनिंग विभाग ने अवैध मिट्टी से भरे एक टिप्पर को जब्त किया है। चालक के पास बिल व अनुमति न होने पर टिप्पर चालक पर 1.5 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। इस मामले की जानकारी देते हुए माइनिंग विभाग के इंस्पेक्टर अभय कुमार ने बताया कि आज विभाग के उच्च अधिकारियों के निर्देश पर उन्होंने विभाग के कर्मचारियों व बनूड़ थाने की पुलिस के साथ बनूड़ से जीरकपुर जाने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग पर नाका लगाया और करीब दो दर्जन टिप्परों की जांच की। उन्होंने बताया कि चैकिंग के दौरान मिट्टी से भरे एक टिप्पर पीबी 11 डीडी 1157 को रोका गया और

मिट्टी का बिल व अनुमति मांगी गई। लेकिन इसका चालक इस मिट्टी का कोई बिल या अनुमति नहीं दिखा सका, जिसके चलते टिप्पर को मौके पर ही जब्त कर लिया गया तथा पंजाब माइनर मिनरल रूल्स 2013 के नियम 74 व 75 के तहत चालान जारी कर उन पर 1.5 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया। टिप्पर को जब्त कर बनूड़ पुलिस थाने भेज दिया गया है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में किसी को भी अवैध खनन नहीं करने दिया जाएगा तथा यदि कोई भी व्यक्ति विभाग की हिदायतों के विरुद्ध खनन करता पाया गया या कोई भी टिप्पर बिना अनुमति के माल ले जाते पकड़ा गया, तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

भाजपा जीरकपुर की महत्वपूर्ण सत्रीय बैठक का सफल आयोजन

अर्थ प्रकाश संवाददाता

जीरकपुर। भाजपा जीरकपुर मंडल -1 की सत्रीय महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक सोमवार शाम होटल अमेज, जीरकपुर में रखी गई, जिसमें मुख्य अतिथि पूर्व केंद्रीय मंत्री सोमप्रकाश, मोहाली के भाजपा जिला अध्यक्ष संजीव वशिष्ठ, रविंदर राणा व अन्य वरिष्ठ अधिकारीयों की उपस्थिति में सम्पन्न हुई।सभी सम्मानित जनो को पटक देकर सम्मानित किया गया। बैठक में मंडल अध्यक्ष नवीन सांगवान,सचिव क्रमशः राजिंदर कौशिक,अर्श अग्रवाल,रेनु लुम्बा,उपाध्यक्ष अरुण रतन, हीरा लाल , महिला मोर्चा अध्यक्ष निहारिका गर्ग,सचिव रेखा

शर्मा, किसान मोर्चाध्यक्ष दयानंद, वरिष्ट मोर्चा अध्यक्ष प्रवीण विज,कृष्णकुमार, लुम्बा,मीरा व अन्य सभी कार्यकारिणी सदस्य मौजूद रहे। सभी पार्टी कार्यकर्ताओं ने तन -मन- धन से पार्टी के प्रति विश्वास जताया व पार्टी के सुखद भविष्य की कामना की।

समाजसेवी सुखदेव चौधरी ने लोटस ग्रीन के बिल्डर पर धमकाने और परेशान करने के लगाए आरोप

- बिल्डर शहर में पर्ल ग्रुप की ज़मीनों पर मिलीभगत से कर रहा है कब्ज़ा, गोरखधंधे के खिलाफ आवाज़ उठाने के कारण मुझे बनाया जा रहा है निशाना
- सैकड़ों करोड़ रुपए की लागत से बने प्रोजेक्ट में पत्रकारों के सवालों का जवाब देने के लिए एक अधिकारी नहीं

अर्थ प्रकाश संवाददाता

जीरकपुर । मंगलवार को समाजसेवी सुखदेव चौधरी ने लोटस ग्रुप के बिल्डर अमित मित्तल पर गंभीर आरोप लगाए, जिनमें उन्होंने उन पर और उनके परिवार को डराने, धमकाने और मानसिक रूप से परेशान करने के तरीके अपनाने का आरोप लगाया। चौधरी का दावा है कि बिल्डर

अमित मित्तल उन्हें और उनके परिवार को डराने के लिए सोसाइटी के बाहर बाउंसर तैनात कर रहा है, और महिलाओं को उनके घर भेजकर उन्हें झूठे केस में फँसाने की कोशिश भी की जा रही है।

सुखदेव चौधरी ने इस मामले की शिकायत पुलिस में भी दर्ज करवाई है और उनके पास अपने घर पर हुए हमले के वीडियो सबूत भी मौजूद हैं। चौधरी के अनुसार, बिल्डर शहर में पर्ल ग्रुप की ज़मीनों पर मिलीभगत से कब्ज़ा कर रहा है और इस गोरखधंधे के खिलाफ आवाज़ उठाने के कारण उन्हें निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बिल्डर उन्हें चुप कराने के लिए अपनी ताकत और प्रभाव का इस्तेमाल कर रहा है।

चौधरी ने कहा कि वह ज़ीरकपुर के निवेशकों और खरीदारों के हकों की बात करते रहे हैं और समाज में रहने की स्थितियों को बेहतर बनाने के लिए सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं। उन्होंने अपनी और अपने परिवार की सुरक्षा को लेकर भी चिंता जताई, क्योंकि हाल ही में सिंहपुरा स्थित ग्रीन लोटस एवेन्यू सोसाइटी, जहां उनका घर है, वहां धमकियों और मानसिक उत्पीड़न की घटनाएं बढ़ गई हैं।

उन्होंने कहा कि वे बिल्डर के खिलाफ अपनी लड़ाई जारी रखेंगे और अपनी तथा अपने परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उच्च पुलिस अधिकारियों से मदद की माँग कर रहे हैं। चौधरी ने पुलिस से अपील की है कि बिल्डर और उसके साथियों के खिलाफ तुरंत कार्रवाई की जाए ताकि उनके और उनके परिवार को कोई व्यक्तिगत नुकसान न पहुँचे। सुखदेव चौधरी द्वारा लगाए गए आरोपों ने रियल एस्टेट उद्योग में बिल्डरों और डेवलपर्स द्वारा ताकत के दुरुपयोग और डराने-धमकाने की रणनीतियों को लेकर गंभीर चिंताएँ पैदा कर दी हैं।

पत्रकारों को लौटना पड़ा वापस

इस पूरे मामले संबंधी पक्ष जानने के लिए जब ग्रीन लोटस के मालिक अमित मित्तल तथा कंपनी के वरिष्ठ अधिकारी करण लांबा को फोन किया तो उन्होंने फोन नहीं उठाया इसके बाद प्रेस वार्ता में मौजूद सभी पत्रकारों ने ग्रीन लोटस प्रोजेक्ट में जाकर मलिक अमित मित्तल से मिलने की कोशिश की तो गेट पर खड़े बाउंसरों ने कहा कि अमित मित्तल यहां पर नहीं है जब मौके पर मौजूद पत्रकार प्रोजेक्ट के बाहर से तस्वीर लेने की कोशिश कर रहे थे तो बाउंसरों ने उन्हें फोटो लेने से भी मना कर दिया। पत्रकारों ने बाउंसरों के पास कंपनी के किसी उच्च अधिकारी से मिलने की इच्छा जताई तो एक बार तो उन्होंने बाहरी गेट के अंदर पत्रकारों को बैठकर इंतजार करने के लिए कहा लेकिन 15-20 मिनट तक कंपनी का कोई भी अधिकारी मौके पर नहीं आया तो मायूस होकर पत्रकारों को वहां से वापस लौटना पड़ा। जिगर योग्य है के सैकड़ों करोड़ रुपए की लागत से बने इतने बड़े प्रोजेक्ट में पत्रकारों के सवालों का जवाब देने के लिए किसी एक अधिकारी का भी मौके पर ना होना अपने आप में एक बड़ा सवाल है कि क्या बिल्डर पत्रकारों से कुछ छुपाना चाहता है अथवा सुखदेव चौधरी द्वारा लगाए गए आरोप सही है?

भगवान परशुराम का जीवन व आदर्श से प्रेरणा ले युवा पीढ़ी: डॉ. अरविंद शर्मा

अन्याय के खिलाफ और जरूरतमंद की मदद में समर्पित रहा जीवन

अर्थ प्रकाश/आदेश त्यागी

गोहाना। मंगलवार को सहकारिता मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने शहर के सोनीपत रोड टी पॉइंट पर स्थित भगवान परशुराम चौक पहुंचकर भगवान परशुराम की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए व हवन में आहुति डाली। इससे पूर्व उन्होंने पहलगाम में आतंकी हमले में जान गंवाने वाले वीर नागरिकों को श्रद्धासुमन अर्पित किए। भगवान परशुराम के जन्मोत्सव की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि भगवान परशुराम का जीवन सदैव आदर्श रहा है। उन्होंने पितृ भक्ति, गुरू भक्ति के साथ-साथ समाज के महत्वपूर्ण पहलुओं को छूते हुए समाज मे बदलाव के ध्वजवाहक बने। भगवान परशुराम ने हमेशा अन्याय के खिलाफ लड़ाई लड़ते हुए धर्म की स्थापना की। उनका लक्ष्य सभी को साथ लेकर चलने और जरूरतमंद की भलाई करने का रहा। उन्होंने समाज की बुराईयों के खिलाफ लड़ाई लड़ी और हमें आज उनके बताए मार्ग पर समाज को एक-एक करके आगे बढाने की आवश्यकता है। ब्राह्मण समाज ने हमेशा से ही समाज का नेतृत्व किया है और भविष्य में भी संगठित होकर समाज को नई राह दिखानी है। कैबिनेट मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि भगवान परशुराम ने कमजोर वर्ग के प्रति दयालुता के भाव के साथ उनके उत्थान को लेकर जो मार्ग प्रशस्त किया है, आज केंद्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व प्रदेश में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी अंत्योदय उत्थान के साथ आगे बढ़ रहे हैं।इस अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेता माईराम कौशिक, नप चेयरपर्सन रजनी विरमानी, डॉ गजराज कौशिक, एसडीएम इसराना आशीष वशिष्ठ, सुभाष शर्मा, श्यामलाल वशिष्ठ, राजकुमार शर्मा, डॉ कपूर नरवाल, बलराम कौशिक, डॉ ओमप्रकाश शर्मा, शिवकुमार, भानुप्रकाश शर्मा, राजबीर शर्मा, भूपेंद्र मुदगिल, प्रवीण खुराना, रीना शर्मा, रामदिया, चांद वशिष्ठ, कुलदीप कौशिक, सुभाष भारद्वाज, जयकिशन शर्मा, जगबीर जैन आदि उपस्थित रहे।

खेत से बिजली की तार चोरी

सोनीपत। जिले के थाना गन्नौर की पुलिस टीम ने खेत से बिजली की तार चोरी करने की घटना मे संलिप्त दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी प्रदीप पुत्र रामा व सचिन पुत्र भूप सिंह दोनो निवासी गांव नारायणा, समालखा जिला पानीपत के रहने वाले है। इस प्रकरण की विस्तृत जानकारी देते हुए बतलाया कि दिनांक 29 जनवरी को रणबीर सिंह पुत्र खेमचंद गांव बजाना कलां ने खुबडु झाल चौकी मे शिकायत दी कि मैंने अपने खेत में गेहूं की फसल लगा रखी है। 28 जनवरी को मैं अपने खेत में अपनी गेहूं की फसल देखने के लिए गया।

न्यायालय श्री अभिनव नायब तहसीलदार एवं सहायक कलैक्टर प्रथम/द्वितीय श्रेणी, सोनीपत

केस. नं. 183/NT किस्म मु.: तकसीम मौजा: बिन्धरोली अनुमान

शालू पुत्री वजीर सिंह पुत्र श्रीलाल निवासी गांव बिन्धरोली तहसील व जिला सोनीपत हाल निवासी मकान नं. 197, गांव नवादा इलाहाबाद बैंक रोड उत्तम नगर दिल्ली-110059

फरीक अव्वल

बनाम

1. जयप्रकाश पुत्र श्री चन्दराम पुत्र भरतू 2. बिजेन्द्र पुत्र चन्दराम पुत्र भरतू 3. श्रीमति रिंकू देवी विधवा संजय पुत्र जयदेव 4. सक्षम पुत्र संजय पुत्र जयदेव 5. हिमांशु पुत्र संजय पुत्र जयदेव 6. पवन पुत्र रामदास पुत्र चेतराम 7. पुष्पेन्द्र पुत्र रामदास पुत्र चेतराम 8. श्री भगवान पुत्र श्रीलाल पुत्र हरकेराम 9. रमेश पुत्र श्रीलाल पुत्र हरकराम 10. आनन्द सिंह पुत्र श्रीलाल पुत्र हरकराम 11. कृष्ण कुमार पुत्र नफे सिंह पुत्र रामसरूप 12. कपिश कुमार सज्जन कुमार पुत्र रामकिशन 13. श्रीमति कृष्णा देवी विधवा जयदेव पुत्र रामकिशन 14. अजय पुत्र जयदेव पुत्र रामकिशन निवासी गांव बिन्धरोली तहसील व जिला सोनीपत।

फरीकदोयम

दरखास्त तकसीम खेवट नं. 77/73 खाता नं. 86
कुल तादादी 45 कनाल 03 मरले मोजा बिन्धरोली
नोटिस बजरिये अखबार प्रकाशन

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त केस अनुवान शालू बनाम श्री जयप्रकाश मौजा बिन्धरोली तहसील व जिला सोनीपत बाबत तकसीम का केस इस न्यायालय में विचाराधीन है। फरीक दोयम को बजरिये प्रकाशन के माध्यम से सचित किया जाता है कि उपरोक्त केस की आगामी तिथि पेशी 12-02-2025 को निश्चित है। उपरोक्त फरीक दोयमगण जहां भी रहते है। निश्चित तिथि पेशी 12-05-2025 तक असालतन व वकालतन हाजिर न्यायालय में आवे अन्यथा उनके विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।
मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत में जारी हुआ।

सहायक कलैक्टर प्रथम/द्वितीय श्रेणी सोनीपत

AP-790

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता हैं कि ग्राम पंचायत उदारसी खंड थानेसर, जिला कुरूक्षेत्र के दो पंचायती तालाबों जिनका रकबा क्रमशः 2.5 एकड़ व 3 एकड़ है में मछली पालन की खुली बोली दिनांक 15.05.2025 दिन वीरवार समय सुबह 11.00 बजे अम्बेडकर भवन, उदारसी में होनी निश्चित हुई है। इच्छुक व्यक्ति बोली में समय पर पहुँचें। बोली की शर्तें मौके पर सुनाई जाएंगी।

ग्राम सचिव अमित कुमार
खण्ड थानेसर, कुरूक्षेत्र
मो: 9466607034

सरपंच, सीमा देवी
ग्राम पंचायत उदारसी (थानेसर)
कुरूक्षेत्र। मो: 9812492527

AP-788

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं श्रीमती ओम कुमारी निवासी 554R माडल टाउन करनाल ब्यान करती हूँ कि मेरे पति स्वर्गीय दीवान चन्द टंडन का निधन 27/10/1994 को हो गया था। उनके निधन के बाद उनकी प्रॉपर्टी, 554R माडल टाउन करनाल प्रॉपर्टी आई डी IEFD85P9 के निम्न वारिस है, 1. ओम कुमारी पत्नी 2. अरुण टंडन, 3 किशोर टंडन, 4. सतीश टंडन पुत्र गण, 5 मीनू खोसला, 6. नीलम मल्होत्रा पुत्री है। यदि इनके अलावा कोई और वारिस हो या किसी को आपत्ति हो तो कार्यालय मे तीस दिन के भीतर साक्ष्य के साथ आपत्ति दर्ज कराये। निर्धारित अवधी के बाद नियमानुसार कारवाई अमल मे ला दी जायेगी। उसके बाद सुनवाई नही होगी।

कार्यालय
क्षेत्रीय कराधान अधिकारी
नगर निगम करनाल

AP-799

सार्वजनिक सूचना

मैं साहिल कम्बोज पुत्र श्री वकील चंद निवासी गांव धनूर तहसील रानियां जिला सिरसा हरियाणा का हूं जोकि आपने हल्फ से ब्यान करता हूं कि मेरे दादा जी राम चंद पुत्र श्री वटु राम निवासी गांव धनूर तहसील रानियां जिला सिरसा की मृत्यु दिनांक 21-8-2019 को मृत्यु हो चुकी है। मेरी दादी जी की मृत्यु दादा जी की मृत्यु से पहले हो चुकी है और मेरे पिता जी वकील चंद की मृत्यु भी काफी अरसा पहले हो चुकी है। मेरे दादा जी के निम्न वारिस है बिमला रानी पुत्री राम चंद, निर्मला रानी पुत्री राम चंद, सुदेश रानी पुत्री राम चंद, स्वीट रानी पुत्री राम चंद, वकील चंद पुत्र रामचंद, साहिल कम्बोज पोत्र वकील चंद, लवप्रीत पोत्र वकील चंद। मेरे दादा जी राम चंद पुत्र श्री वटु राम ने एक वसीयत मेरे व मेरे भाई के नाम तहसील कार्यालय रानियां जिला सिरसा में दर्ज करवाई थी। मेरे दादा जी राम चंद पुत्र श्री वटु राम के नाम जो जायदाद वाक्या वार्ड नं 26 सिरसा तहसील व जिला सिरसा में है उसका विरासत का इन्द्राज नगरपालिका विभाग में उपरोक्त वारिसान के नाम दर्ज व मंजूर किया जाए। उपरोक्त वारिसान के अलावा कोई अन्य वारिस पाया जाता है उसकी सभी प्रकार की जिम्मेवारी मेरी स्वयं की होगी।

शपथकार

AP-795

सार्वजनिक सूचना

श्री विनय चौधरी, उप-रजिस्ट्रार, यू.टी., चंडीगढ़ के समक्ष।

जबकि, श्रीमती पुष्पा मेहता पत्नी श्री गिरधारी लाल मेहता निवासी मकान नं. 550, सेक्टर 36, चंडीगढ़ ने स्वर्गीय श्री गिरधारी लाल मेहता पुत्र स्वर्गीय श्री माघी राम मेहता की मृत्यु के पश्चात, जिनकी मृत्यु 24.03.2025 को हुई थी, दिनांक 22.03.2025 की अपंजीकृत वसीयत के पंजीकरण के लिए आवेदन किया है। वसीयत के अनुसार स्वर्गीय श्री गिरधारी लाल मेहता पुत्र स्वर्गीय श्री माघी राम मेहता ने अपनी चल और अचल संपत्ति अपनी पत्नी श्रीमती पुष्पा मेहता निवासी मकान नं. 550, सेक्टर 36, चंडीगढ़ के पक्ष में वसीयत की है, जैसा कि उक्त वसीयत में उल्लेख किया गया है।
इस नोटिस के माध्यम से आम जनता को सूचित किया जाता है कि यदि किसी को उक्त अपंजीकृत वसीयत के पंजीकरण के विरुद्ध कोई आपत्ति या दावा है, तो वह इस नोटिस के प्रकाशन की तिथि से 30 दिनों के भीतर ग्राउंड लोर, 30 बेज़ बिल्डिंग, सेक्टर 17, चंडीगढ़ स्थित उप-रजिस्ट्रार के कार्यालय में आपत्ति दर्ज करा सकता/सकती है, अन्यथा इसे भारतीय पंजीकरण अधिनियम, 1908 की धारा 40 के तहत पंजीकृत किया जाएगा।
मेरे हस्ताक्षर और इस कार्यालय की मुहर के तहत दिया गया।

उप-रजिस्ट्रार, यू.टी., चंडीगढ़

AP-789

PUBLIC NOTICE

Under the instruction from my client namely Manager, Cholamandalam Investment and FinanceCompany Limited (CIFCL) Branch Narwana, issuing the following publication as the property 11Marla situated at Dablain Teh. Narwana that the parent/chain/link title deed vide Original Sale deed no. 8386 dt. 29.03.2012 SRO office Narwana in the name of Smt. Santro W/o Sh. Bhale RamS/o Chandan was lost/misplaced while traveling Narwana. Lost Property report Application no is 132300282500432 lodged by Smt. Rukmani w/o Sh. Pawan Kumar S/o Sh. Bhale Ram intoportal of Haryana Police Citizen Services. If any person found the above said title deed, may return the same by way of Registered post, to address given below or inform undersigned by telephone. Incase any persons/Financial Institution having any claim/Interest in respect there of by way of sale,exchanges, gift, mortgage or any objection, please be inform the same in writing to the undersignedin the below mentioned address within 7 days from the date of Publication, with relevant documents in support of their claim/objection. If I have not received any objection with in the stipulated days,beyond that no claim is entertained or binding on my client.

Sarin Kumar Advocate,
Office Opp. Mini Secretariat,Narwana
Distt Jind (Haryana) Mobile no. 9416464264

AP-793

न्यायालय तहसीलदार कम- सब रजिस्ट्रार साहिब जीन्द ।

मनके शैलेश माथुर पुत्र श्री हवा सिंह पुन श्री पहलु राम माथुर निवासी पटेल नगर जीन्द जिला जीन्द।

बनाम जनरल पब्लिक

इस इश्तहार के माध्यम से हर आम व खास को सूचित किया जाता है कि मेरे पिता जी स्व0 श्री हवा सिंह माथुर पुत्र श्री पहलु राम माथुर निवासी पटेल नगर जीन्द जिला जीन्द एक वसीका नं0 4711 दिनांक 17.11.2005 के तहत प्रोपर्टी के मालिक थे और उनका देहांत दिनांक 16.09.2023 को हो चुका है और मेरे दादा-दादी का देहान्त काफी समय पहले हो चुका है। इनकी मृत्यु के पश्चात इसके निम्नलिखित वारिस है-
1.शारदा (पत्नी), 2.शैलेश माथुर (पुत्र), 3.निलेश माथुर (पुत्री) इनके अलावा उक्त मृतक का दीगर वारिस नहीं है जिसके संबंध में प्रार्थी ने अपना शपथ पत्र भी प्रस्तुत कर दिया है। इसलिए हर आम व खास को इस नोटिस / इश्तहार के माध्यम से सूचित किया जाता है कि उपरोक्त मृतक के बताए गए वारसान / उत्तराधिकारी के बाबत कोई शक या इतराज हो तो वह स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से इस नोटिस के प्रकाशन के उपरान्त 30 दिन के अन्दर अन्दर इस कार्यालय के कार्यदिवस पर अपना इतराज प्रस्तुत कर सकता है।
यह नोटिस बाबत इश्तहार आज दिनांक 16-04-25 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मोहर द्वारा जारी किया गया।

तहसीलदार कम-सब रजिस्ट्रार साहिब जीन्द।

AP-790

न्यायालय श्री अभिनव नायब तहसीलदार एवं सहायक कलैक्टर प्रथम/द्वितीय श्रेणी, सोनीपत

केस. नं. 181/NT किस्म मु.: तकसीम मौजा: बिन्धरोली अनुमान

शालू पुत्री वजीर सिंह पुत्र श्रीलाल निवासी गांव बिन्धरोली तहसील व जिला सोनीपत हाल निवासी मकान नं. 197, गांव नवादा इलाहाबाद बैंक रोड उत्तम नगर दिल्ली-110059

फरीक अव्वल

बनाम

1. श्री भगवान 2. रमेश कुमार 3. आनन्द सिंह पुत्रान श्रीलाल पुत्र हरके राम तहसील व जिला सोनीपत।

फरीकदोयम

दरखास्त तकसीम खेवट नं. 78/74 खाता नं. 87
कुल तादादी 21 कनाल 10 मरले मोजा बिन्धरोली
नोटिस बजरिये अखबार प्रकाशन

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त केस अनुवान शालू बनाम श्री भगवान मौजा बिन्धरोली तहसील व जिला सोनीपत बाबत तकसीम का केस इस न्यायालय में विचाराधीन है। फरीक दोयम को बजरिये प्रकाशन के माध्यम से सचित किया जाता है कि उपरोक्त केस की आगामी तिथि पेशी 12-02-2025 को निश्चित है। उपरोक्त फरीक दोयमगण जहां भी रहते है। निश्चित तिथि पेशी 12-05-2025 तक असालतन व वकालतन हाजिर न्यायालय में आवे अन्यथा उनके विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।
मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत में जारी हुआ।

सहायक कलैक्टर प्रथम/द्वितीय श्रेणी सोनीपत

AP-790

सार्वजनिक सूचना

विषयः आवंटी श्री रघुबीर सिंह पुत्र इन्द्र सैन की निर्वसीयत हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप निर्मित संपति / प्लॉट नं. 1760, सैक्टर-17, अर्बन एस्टेट, जगाधरी के संबंध में स्वामित्व का हस्तांतरण। श्री रघुबीर सिंह पुत्र इन्द्र सैन, जो रिकॉर्ड के अनुसार उक्त संपति के आवंटी थे, की 05.11.2024 को मृत्यु हो गई है और उनकी कोई पंजीकृत / अपंजीकृत वसीयत नहीं है, वे अपने पीछे निम्नलिखित कानूनी उत्तराधिकारी छोड़ गये है-1. जगीर कौर-पत्नी, 2. प्रियंका-पुत्री, 3. राहुल-पुत्र, 4. विशाल-पुत्र। जगीर कौर पत्नी स्व. रघुबीर सिंह निवासी 1760, सैक्टर17, हुड्डा, जगाधरी ने कानूनी उत्तराधिकारी होने के नाते उक्त संपति को अपने पक्ष में हस्तांतरित करने के लिए आवेदन करना चाहती हैं और जगीर कौर के नाम पर पुनः आवंटन का अनुरोध करती हैं। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त प्लॉट / मकान के हस्तांतरण पर आपति हो तो वह इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 30 दिनों के भीतर सहायक दस्तावेजों के साथ संपदा अधिकारी, एचएसवीपी, जगाधरी को लिखित रूप में आपत्तियां प्रस्तुत कर सकता है, अन्यथा संपदा अधिकारी एचएसवीपी पॉलिसी के अनुसार उक्त संपति के हस्तांतरण / पुनः आवंटन की अनुमति दे सकता है। और बाद में किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जा सकता है। जगीर कौर, कानूनी वारिस संपदा अधिकारी की ओर से

AP-783

सार्वजनिक सूचना

सीमित दायित्व साझेदारी नियमों के नियम 17(4) के अनुसार

M/s SJRB AND ASSOCIATES LLP (AAR-6039), जो कि सीमित दायित्व साझेदारी अधिनियम, 2008 के अंतर्गत पंजीकृत एक एलएलपी है, जिसका पंजीकृत कार्यालय SCO 408, प्रथम तल, सेक्टर 20, पंचकूला, हरियाणा, भारत, 134117 पर स्थित है, अपने पंजीकृत कार्यालय को SCO 408, प्रथम तल, सेक्टर 20, पंचकूला, हरियाणा, भारत, 134117 से प्रथम तल, S.C.O A14, वेव एस्टेट, ब्लॉक A, सेक्टर 85, मोहाली, एसएएस नगर, पंजाब, 140308 में स्थानांतरित करने का प्रस्ताव करती है।
कोई भी व्यक्ति जिसकी हितों पर प्रस्तावित कार्यालय परिवर्तन का प्रभाव पड़ सकता है, वह इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 21 दिनों के भीतर, अपने हित का स्वरूप और प्रस्तावित परिवर्तन का विरोध करने के आधारों को बताते हुए, रजिस्ट्रार ऑफ कंपनीज, दिल्ली और हरियाणा (पताः कॉरपोरेट भवन, चौथी मंजिल, आईएफसीआई टॉवर, 61 नेहरू प्लेस, नई दिल्ली-110019) को सूचित कर सकता है, और इसकी एक प्रति M/s SJRB AND ASSOCIATES LLP (AAR-6039) के पंजीकृत कार्यालय पर भी भेज सकता है।

दिनांक: 28.04.2025
स्थान: पंचकूला

SJRB AND ASSOCIATES LLP के लिए
(हस्ताक्षर)
ज्योति रानी
नामित साझेदार

AP-765

लामडिंग मंडल में विश्वसनीयता में सुधार का कार्य

ई-निविदा सं. SNT-02-LMG-2025-26; दिनांक: 25-04-2025। निम्नलिखित कार्य के लिए अधोहस्ताक्षरी द्वारा ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। **कार्य का नाम एवं स्थान:-** लामडिंग मंडल के 500 मीटर से अधिक लंबाई वाली 12 सुरंगों में सुरंग संचार के लिए पुराने उपकरणों को बदलकर विश्वसनीयता में सुधार। **निविदा मूल्य:** ₹3,90,41,444.65; **बिड सिक्यूरिटी:** ₹3,45,200.00। **ई-निविदाएं** 19-05-2025 को 15:00 बजे **बंद होंगी** और 19-05-2025 को 15:30 बजे **खुलेंगी**। विवरणों के लिए www.ireps.gov.in पर पधारें।

सीनि. डीएसटीई, लामडिंग
पूर्वोत्तर सीमा रेलवे
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

AP-785

100 एसी एलएचबी कोचों के शौचालयों का उन्नयन

ई-निविदा सूचना सं. 03-Toilet-Upgrade-KIR-25; दिनांक: 24-04-2025। अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए **''दो पैकेट सिस्टम''** में खुली निविदा आमंत्रित की जाती हैं। **कार्य का नाम:-** कटिहार मंडल में 100 एसी एलएचबी कोचों के शौचालयों का उन्नयन । **निविदा मूल्य:** ₹11,30,72,317.83; **धरोहर राशि:** ₹7,15,400.00; **ई-निविदा** 23-05-2025 को 15.00 बजे **बंद होंगी** और 23-05-2025 को 15.30 बजे **खुलेंगी**। उपरोक्त ई-निविदा के निविदा कागजात के साथ संपूर्ण सूचना वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध रहेंगी।

सीनि. डीएमई, कटिहार
पूर्वोत्तर सीमा रेलवे
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

AP-782

grtr mhll erlA ifvlpmt AQirtl, pf Bvn, As.e.As. ngr jnqk scn

imqk Altl lBpqrl

pltn: 8346, selj 150 vrg gj, Aristl, As.e.As. ngr d Altl Manjit Singh S/o Avtar Singh, R/o 1376, Sector-9, Urban Estate, Ambala City, Hr. dl mq imql 08.11.2022 f h gel h[Kuljit Singh Bedi, Municipal Councillor, Ward No-8, SAS Nagar vl idql sv GSx Ansr imqk Altl Manjit Singh S/o Avtar Singh d vrs hT ilK Ansr qsdlk klq ge hn :-

1. GURDEEP KAUR Wife
2. MANMEET SINGH Son
3. DALJEET SINGH Son

akq vrsl vl pltn: 8346, selj 150 vrg gj, Aristl, As.e.As. ngr dl mlklAq Apx nm qbdll krn lel dsqvj ies dPqr n pS klq ge hn Aq ieh ks imlK APsr (p) gmfw As e As ngr d dPqr iv-c ivcr ADln h[ies lel mlklAq qbdll krn q pihl sB Am Aq Ks f sicq klq jd h ik jkr imqk Altl d knnl vrsl sbDl iks f kel ieqrj hv q ah ies ivigApn dl imql q 15 idn d Adr-Adr Apx ieqrj Astt APsr, gmfw mhll ps ilKql rp iv-c d skd h[inSicq imql Aq sml q bAd ppq he ieqrj q kel ivcr nhl klq jvg Aq pltn: 8346, selj 150 vrg gj, Aristl, As.e.As. ngr dl mlklAq Kuljit Singh Bedi, Municipal Councillor, Ward No -8, SAS Nagar vl idql sv GSx d ADr q akq vrsl d nm qbdll kr idql jvgl[

imlK APsr (p)
gmfw, mhll

AP-805

सार्वजनिक सूचना

श्री नवीन, दानिक्स सहायक संपदा अधिकारी, यू.टी., चंडीगढ़ के समक्ष

विषय:- स्वर्गीय श्री सोहिंदर सिंह की पंजीकृत वसीयत के आधार पर 50.00 प्रतिशत शेयर की सीमा तक आवासीय साइट संख्या 712, सेक्टर 20-ए चंडीगढ़ (आरपी 9944) के संबंध में स्वामित्व का हस्तांतरण।
आम जनता और सभी संबंधितों की जानकारी के लिए यह अधिसूचित किया जाता है कि इस कार्यालय के रिकॉर्ड के अनुसार श्री/श्रीमती श्री सोहिंदर सिंह 50.00 प्रतिशत शेयर की सीमा तक आवासीय साइट संख्या 712, सेक्टर 20-ए चंडीगढ़ के मालिक/पट्टेदार हैं।
कुलदीप सिंह द्वारा सूचित किया गया है कि श्री/श्रीमती श्री सोहिंदर सिंह का निधन 26/08/2020 को हो गया है और उन्होंने मृतक मालिक/पट्टेदार के निम्नलिखित कानूनी उत्तराधिकारियों को भी सूचित कर दिया है-

क्र. सं.	कानूनी उत्तराधिकारी का नाम	मृतक से संबंध
1	कुलदीप सिंह	पुत्र
2	गुरमीत कौर	पुत्री
3	कुलवंत कौर	पत्नी
4	हरदीप सिंह	पुत्र

अब कुलदीप सिंह ने दिनांक 03/12/2009 की पंजीकृत वसीयत के आधार पर स्वर्गीय श्री सोहिंदर सिंह द्वारा धारित 50.00 प्रतिशत शेयर की सीमा तक, आवासीय साइट संख्या 712, सेक्टर 20-ए, चंडीगढ़ के संबंध में स्वामित्व हस्तांतरण के लिए आवेदन किया है।
यदि किसी के पास मृतक के उपरोक्त वर्णित उत्तराधिकारियों के अलावा किसी अन्य कानूनी उत्तराधिकारी के बारे में कोई जानकारी है, तो वह इसकी सूचना तुरंत संपदा अधिकारी, यू.टी., चंडीगढ़ को दे।
यदि किसी को उक्त संपत्ति में उक्त हिस्से के म्यूटेशन पर कोई आपत्ति है, तो वह उपरोक्त नामित आवेदकों के पक्ष में, इस नोटिस के प्रकाशन की तिथि से 30 दिनों के भीतर नीचे हस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में लिखित रूप में (मजिस्ट्रेट/नोटरी द्वारा विधिवत सत्यापित हलफनामे के साथ) प्रस्तुत कर सकता है, ऐसा न करने पर उक्त संपत्ति में उक्त हिस्से का म्यूटेशन तदनुसार उपरोक्त लाभार्थी/लाभार्थियों के नाम पर कर दिया जाएगा और बाद में किसी भी तरह का कोई दावा स्वीकार नहीं किया जाएगा। आपको वसीयत में दिए गए प्रावधानों का पालन करना होगा, यदि कोई हो।

नवीन, दानिक्स, सहायक संपदा अधिकारी, संपदा अधिकारी, यू.टी., चंडीगढ़ की शक्तियों का प्रयोग करते हुए।

AP-784

न्यायालय श्री अभिनव नायब तहसीलदार एवं सहायक कलैक्टर प्रथम/द्वितीय श्रेणी, सोनीपत

केस. नं. 182/NT किस्म मु.: तकसीम मौजा: बिन्धरोली अनुमान

शालू पुत्री वजीर सिंह पुत्र श्रीलाल निवासी गांव बिन्धरोली तहसील व जिला सोनीपत हाल निवासी मकान नं. 197, गांव नवादा इलाहाबाद बैंक रोड उत्तम नगर दिल्ली-110059

फरीक अव्वल

बनाम

1. बलवान पुत्र श्री जय सिंह पुत्र हरके 2. ओमबीर पुत्र श्री भगवान पुत्र श्रीलाल 3. मन्जीत पुत्र राजेन्द्र पुत्र श्रीलाल 4. श्रीमति सावित्री माता हरिप्रकाश पुत्र श्री कृष्ण 5. श्रीमति सुमन देवी विधवा हरिप्रकाश पुत्र श्रीकृष्ण 6. काफी पुत्री हरिप्रकाश पुत्र श्री कृष्ण 7.वियान्सी पुत्री हरिप्रकाश पुत्र श्री कृष्ण 8. हिमांशु पुत्र हरिप्रकाश पुत्र श्रीलाल 9. मोहन 10. सोनू पुत्रान श्री भगवान पुत्र श्रीलाल 11. सुनील 12. कुलदीप पुत्रान रमेशपुत्र श्रीलाल 13. रणबीर पुत्र कृष्ण पुत्र हरके 14. दीपक पुत्र आनन्द पुत्र श्रीलाल 15. विक्रम पुत्र राजेन्द्र पुत्र श्रीलाल 16. सुमेर सिंह पुत्र श्री रिसाल सिंह पुत्र अमर सिंह निवासीगण ग्राम बिन्धरोली तहसील व जिला सोनीपत।

फरीकदोयम

दरखास्त तकसीम खेवट नं. 30/31 खाता नं. 36
कुल तादादी 141 कनाल 13 मरले मोजा बिन्धरोली
नोटिस बजरिये अखबार प्रकाशन

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त केस अनुवान शालू बनाम श्री भगवान मौजा बिन्धरोली तहसील व जिला सोनीपत बाबत तकसीम का केस इस न्यायालय में विचाराधीन है। फरीक दोयम को बजरिये प्रकाशन के माध्यम से सचित किया जाता है कि उपरोक्त केस की आगामी तिथि पेशी 12-02-2025 को निश्चित है। उपरोक्त फरीक दोयमगण जहां भी रहते है। निश्चित तिथि पेशी 12-05-2025 तक असालतन व वकालतन हाजिर न्यायालय में आवे अन्यथा उनके विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।
मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत में जारी हुआ।

सहायक कलैक्टर प्रथम/द्वितीय श्रेणी सोनीपत

AP-790

न्यायालय श्री अभिनव नायब तहसीलदार एवं सहायक कलैक्टर प्रथम/द्वितीय श्रेणी, सोनीपत

केस. नं. 180/NT किस्म मु.: तकसीम मौजा: बिन्धरोली अनुमान

शालू पुत्री वजीर सिंह पुत्र श्रीलाल निवासी गांव बिन्धरोली तहसील व जिला सोनीपत हाल निवासी मकान नं. 197, गांव नवादा इलाहाबाद बैंक रोड उत्तम नगर दिल्ली-110059

फरीक अव्वल

बनाम

1. बलवान पुत्र श्री जय सिंह पुत्र हरके 2. ओमबीर पुत्र श्री भगवान पुत्र श्रीलाल 3. विक्रम पुत्र राजेन्द्र पुत्र श्रीलाल 4. मन्जीत पुत्र राजेन्द्र पुत्र श्रीलाल 5. श्रीमति सावित्री माता हरिप्रकाश पुत्र श्रीकृष्ण 6. श्रीमति सुमन देवी विधवा हरिप्रकाश पुत्र श्रीकृष्ण 7. काफीपुत्र हरिप्रकाश पुत्र श्री कृष्ण 8. वियान्सी पुत्री हरिप्रकाश पुत्र श्रीकृष्ण 9. हिमांशू पुत्र हरिप्रकाश पुत्र श्रीलाल 10. मोहन 11. सोनू पुत्रान श्री भगवान पुत्र श्रीलाल 12. सुनील 13. कुलदीप पुत्रान रमेश पुत्र श्रीलाल 14. दीपक पुत्र आनन्द पुत्र श्रीलाल 15. रणबीर पुत्र कृष्ण पुत्र हरके 16. जोगिन्द्र सिंह पुत्र राम सिंह पुत्र भरत सिंह निवासीगण ग्राम बिन्धरोली तहसील व जिला सोनीपत।

फरीकदोयम

दरखास्त तकसीम खेवट नं. 31/31 खाता नं. 37
कुल तादादी 34 कनाल 08 मरले मोजा बिन्धरोली
नोटिस बजरिये अखबार प्रकाशन

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त केस अनुवान शालू बनाम श्री बलवान मौजा बिन्धरोली तहसील व जिला सोनीपत बाबत तकसीम का केस इस न्यायालय में विचाराधीन है। फरीक दोयम को बजरिये प्रकाशन के माध्यम से सचित किया जाता है कि उपरोक्त केस की आगामी तिथि पेशी 12-02-2025 को निश्चित है। उपरोक्त फरीक दोयमगण जहां भी रहते है। निश्चित तिथि पेशी 12-05-2025 तक असालतन व वकालतन हाजिर न्यायालय में आवे अन्यथा उनके विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।
मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत में जारी हुआ।

सहायक कलैक्टर प्रथम/द्वितीय श्रेणी सोनीपत

AP-790

अर्थ प्रकाश क्लासीफाइड CLASSIFIED ADS

आज ही बुक करें
PH. : 0172-2638515, 98140-19928
Email : arthparkashadvt29@gmail.com

ऋण

Equitas Small Finance Bank Solution Limited
(1995 से आपके सेवा में)

सरकारी योजना के अंतर्गत सभी प्रकार के मार्कशीट, पर्सनल, प्रॉपर्टी, एजीकल्चर, ईंट भट्ठा, बिज़नेस, होमलोन, सभी लोन
50000 - 95 लाख तक
घर बैठे 72 घंटे में पाएं
सरकारी कर्मचारी, महिलाओं हैंडीकैप्ड को भारी छूट
2 % ब्याज सालाना
40 % की छूट
70 लाख संतुष्ट ग्राहक
नोट: मार्कल डाक्यूमेंट्स और नेगेटिव एरिया और खराब सिबिल स्कोर पर भी लोन उपलब्ध
9335436289, 9064554675

सार्वजनिक सूचना

I, Harminder Singh S/o Gurbachan Singh Chawla R/o #2131, Phase X, Sector 64, Mohali. That I have changed My Name from Harminder Singh to Harminder Singh Chawla.
एपी-776

मैं, नेहा अग्रवाल पुत्री विनोद कुमार गुप्ता, निवासी हाउस नंबर 37, हरमिलाप नगर, फेज-1, निकटवर्ती क्षेत्र, फेज-2, बलटाना, एसएएस नगर, पंजाब - 140604, भारत ने अपना नाम नेहा अग्रवाल से बदलकर नेहा गुप्ता रख लिया है।
एपी-778

मैं, कमल पुत्र ईश्वर चंद निवासी मकान नं 33, तीसरा फ्लोर, गुरु गोबिंद सिंह नगर, बोली साहिब गुरुद्वारा के पास, ढकौली, एस ए एस नगर, मोहाली (पंजाब) अपना नाम कमल से बदलकर कमल अग्रवाल रखता हूं। संबंधित कृपया नोट करें।
एपी-779

I, Geeta wife of Sh. Surinder Singh R/o #939, Guru Nanak Colony, Jagatpura, Punjab have changed my name from Geeta to Pinki for all officials and unofficial purposes
एपी-780

I, R Shunmugapriya is legally wedded spouse of No. 15329899N, Rank: HAV Name: P Ramesh Kumar, presently residing at 162, Br Coy 16 Engr Br Regt(PMS) Chandimandir Cantt, Panchkula, Haryana declare that I have changed my name from R Shunmugapriya to Shunmugapriya S
एपी-786

मैं, गुरविंदर कौर पत्नी पलविंन्द्र सिंह निवासी मकान नम्बर 32, गांव सलपानी कलां (300), पोस्ट ऑफिस अजराना कलां, जिला कुरुक्षेत्र (हरियाणा)-136130 ब्यान करता हूँ कि मैंने अपना नाम GURWINDER Kaur से बदलकर GURVINDER KAUR रख लिया है।
एपी-788

मैं, बलिन्द्र कुमार पुत्र छज्जू राम, गांव भेडों, ककर माजरा (269), अम्बाला हरियाणा ने अपना नाम बलिन्द्र कुमार से बदलकर बलविंदर कुमार रख लिया है।
एपी-789

मैं, नंबर 4204997ए रैंक सिपाही संजय कुमार, वर्तमान में 11 कुमाऊं, डगशाई, हिमाचल प्रदेश में कार्यरत, घोषित करता हूं कि मेरे सेना के रिकॉर्ड में मेरे पिता जी का नाम राम बिलास यादव और माता जी का नाम सुईया बाई दर्ज है, जबकि मेरे पिता जी का सही नाम रामविलास यादव और माता जी का नाम सुईया बाई यादव है।

मैं, कविता मलिक पत्नी सुधीर कुमार, मकान नंबर 825 श्योराण कालोनी नजदीक डी आर डी ए तहसील व जिला जीन्द की स्थाई निवासी हूं। मैंने अपना नाम कविता मलिक से बदलकर कविता रख लिया है।
एपी-790

मैं, Madhuri पत्नी Sh. Pankaj Kumar निवासी फ्लैट नंबर 102-बी, जीएच-108 सेक्टर-20, पंचकुला, हरियाणा ने अपना नाम Madhuri से बदलकर Madhuri Verma रख लिया है।
एपी-791

मैं, सुमित पुत्र भारत भुषण निवासी मकान न0. 2266, गली न0.2, शाँति नगर, करनाल ने अपने नाबालिग पुत्र का नाम काव्यांश से बदलकर कुंज रख लिया है।

मैं, Eakta Goswami पत्नी ललित कुमार वासी मकान नं. 4157, जी एफ ब्लॉक-इ, सैक्टर-5, ईको सिटी-1 न्यू चंडीगढ़ मुल्लांपुर एस ए एस नगर मोहाली ने अपना नाम बदलकर Eakta Goswami Sharma रखा है।

मैं, योगेश पुत्र रतन दत्त वासी गांव पब, डाकघर वसनी, तहसील पछाड़, जिला सिरमौर, हिमाचल प्रदेश पिन कोड 173024, ने अपना उपनाम 'पराशर' जोड़ लिया है और अब मुझे योगेश पराशर के नाम से जाना जाए।

मैं, पंकज खुराना पुत्र सुरिंदर खुराना वासी मकान नं 453, गली नं. 2, मोती नगर करनाल बयान करता हूँ की मैंने अपना नाम बदलकर पंकज से पंकज खुराना रखा है।

मैं, रिकलदीप कौर पत्नी रोबिन सिंह धोत वासी गांव शेखुपुर सोतर, रतिया, फतेहाबाद ने अपना नाम बदलकर रिकलदीप (नाम) कौर (उपनाम) रखा है।
एपी-792

मैं, कृष्णा देवी पत्नी श्री संजय शर्मा निवासी मकान नं. 993ए/12, न्यू लक्ष्मण कॉलोनी, नरकातारी रोड, थानेसर, जिला कुरुक्षेत्र नें अपना नाम कृष्णा शर्मा से बदलकर कृष्णा देवी रख लिया है। भविष्य में मुझे कृष्णा देवी के नाम से जाना व पहचाना जाए। सभी संबंधित नोट करें।
एपी-794

I, Anuja Devi spoure of Baleshwar Kumar resident of Vill. Kurah (Mali Toda) P.O. Sahebpur Kamal Teh-Baliya Distt. Begusarai State Bihar Pin-851217. I have changed my name from Anuja Devi to Anuja and I have changed my date of birth from 19-01-1985 to 07-01-1976 vide affidavit.date 25/4/2025

No 15153349-A, HAV Baleshwar Kumar s/o Ramatar Sah R/o Vill. Kurah P.O. Shahpur Kamal Distt. Begusarai State Bihar Pin-851217. I have changed my minor Son name from Prithviraj to Prithvi Raj and in future he will be known as Prithvi Raj vide affidavit.date 25/4/2025
एपी-796

I, Janardan Yadav, father of Army no. 6394671K, Hav, Kaushal Yadav, My Date of birth is wrongly mentioned in my son's army service record as 01/07/1940, but my correct Date of Birth 01/01/1959.

I, Manti Devi, Spouse of Army No. 6394671K, Hav, Kaushal Yadav, My Name and Date of birth is wrongly mentioned in my Husband's army service record as Manti Yadav and DOB 10/12/1980, but my correct name Manti Devi and Date of Birth 01/01/1992.

I, Army no. 15499828Y, LD, Tadvi DharmendraKumar Manubhai R/o - Village Samaria, Post - Samaria, Dist- Narmada (Gujarat) Pin - 393145, Have Changed my son's name from Tadvi Har to Har DharmendraKumar Tadvi.

मैं, Shweta पुत्री Vijay Kumar, निवासी मकान नं. 71, ग्रीन पार्क, हिसार (हरियाणा), ने भविष्य में सभी उद्देश्यों के लिए अपना नाम Shweta Mehta से बदलकर Shweta कर लिया है।
एपी-797

मैं, सुशील कुमार गोयल पुत्र संत राम गोयल, निवासी मकान नंबर 41, वार्ड नंबर 8, हुडा आर-3, चीका, तहसील गुहला, जिला कैथल, हरियाणा, ने अपना नाम सुशील कुमार से बदलकर सुशील कुमार गोयल कर लिया है।

मैं, नीलम गोयल पत्नी सुशील कुमार गोयल, निवासी मकान नंबर 41, वार्ड नंबर 8, हुडा आर-3, चीका, तहसील गुहला, जिला कैथल, हरियाणा, ने अपना नाम नीलम देवी से बदलकर नीलम गोयल कर लिया है।
एपी-790

मैं, सेना संख्या जेसी-250147डब्ल्यू रैंक-रिस, नाम-साळुंके गणेश शिवाजी पुत्र शिवाजी मारुती साळुंके निवासी गांव-का-हाटी, पो-सुपा, तेह-बारामती, जिला-पुणे, राज्य-महाराष्ट्र, पिन-412204 एतद्द्वारा सत्यनिष्ठा से पुष्टि करता हूं और घोषणा करता हूं कि जन्मतिथि मेरे पिता शिवाजी मारुती साळुंके और माता कौशल्या शिवाजी साळुंके के नाम गलत है। बीटी रेजि.पार्ट-II आदेश 0/0137/0036/2002 में क्रमशः 01/07/1962 और 01/07/1964 दर्ज किया गया था। मेरे पिता (शिवाजी मारुती साळुंके) की सही जन्म तिथि 18/06/1949 है और माता (कौशल्या शिवाजी साळुंके) की सही जन्म तिथि 10/01/1954 है!

मैं, अमित कुमारी (Amit Kumari) पत्नी वीरेंद्र निवासी नजदीक वाटर सप्लाई, गाँव ढाकल, तह नरवाना, जिला जीन्द मेरा एक सेविंग अकाउंट खाता पंजाब नैशनल बैंक, कोर्ट रोड, नरवाना ब्रांच में खाता सं0 0361001700057273 से खुला हुआ है जिसमें मेरा नाम मसीता (Masita) दर्ज है परन्तु मेरे आधार कार्ड (नं0 257498953852) व पेन कार्ड (नं0 KFNPK9967L) में मेरा नाम अमित कुमारी (Amit Kumari) दर्ज है। मसीता (Masita) व अमित कुमारी (Amit Kumari) एक ही महिला है। मुझे दोनों नामों से जाना जाता है।
एपी-800

मैं, रिंकू पुत्र बंत राम फ्लैट नंबर 19ए इश्मिता होम्स, किशनपुरा, ढकोली (मोहाली) ने अपना नाम बदलकर रिंकू कुमार रख लिया है।
एपी-801

मैं, Ashwini Kumar पुत्र राम प्रकाश निवासी हाउस न 253, महेश नगर,अम्बाला कत्रत ने अपना नाम बदलकर Ashwani Kumar रख लिया है।
एपी-802

मैं, निशु गर्ग पत्नी श्री अमित कुमार निवासी मकान नं. 957/1 लोअर कुराड़ी कालका, तहसील कालका जिला पंचकूला हरियाणा-133302 की स्थायी निवासी हूं जोकि मैंने अपना नाम निशु गर्ग से बदलकर निशा अग्रवाल रख लिया है।
एपी-803

बेदखली सूचना

हम, विजय सिंह पुत्र श्री फुले राम व सुनीता पत्नी विजय सिंह निवासीगण म.नं. 992, इसराना, पानीपत, अपने हल्फ से ब्यान करते हैं कि हमारी लड़की नीकू हमारे कहने व सुनने से बाहर है। इसलिए हम अपनी पुत्री नीकू को अपनी चल-अचल सम्पति से बेदखल करते है। भविष्य में उनके साथ लेन-देन करने वाला स्वंय जिम्मेदार होगा। हमारी कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।
एपी-781

मैं, बिमला देवी पत्नी स्वर्गीय वेदपाल निवासी # 2288 भास्कर कॉलोनी सेक्टर 25 चंडीगढ़, मैं घोषणा करती हूं कि मैं अपने बेटे कुलदीप और उसकी पत्नी कृष्णा को अपनी चल अचल संपत्ति से वंचित/बेदखल करती हूं क्योंकि वे मेरे नियंत्रण से बाहर हैं, अगर कोई भी उनके साथ लेनदेन करता है तो वह स्वयं जिम्मेदार होगा।
एपी-777

हम लाल सिंह पुत्र स्वर्गीय श्री साधु सिंह और श्रीमती बलजीत कौर पत्नी श्री लाल सिंह दोनों निवासी मकान नंबर 229पी, सेक्टर-25, पंचकूला (हरियाणा)-134116 यह घोषणा करते हैं कि हमारा बेटा पीरथ सिंह और उसकी पत्नी तरनजीत कौर हमारे नियंत्रण से बाहर हैं। हम अपने बेटे और उसकी पत्नी को अपनी चल और अचल संपत्तियों से बेदखल करते हैं। उनके साथ कोई भी लेन-देन करने वाला व्यक्ति उनकी वैध और अवैध लेनदेन के लिए पूरी तरह जिम्मेदार होगा। हमारा और हमारे परिवार के किसी भी सदस्य का उनसे कोई लेना-देना नहीं है।
एपी-786

मैं, राजिंदर कुमार सुपुत्र श्री ओमी राम, निवासी # 510, डड्डूमाजरा कॉलोनी, सेक्टर-38 बैस्ट,चंडीगढ सूचित करता हूँ कि मेरा पुत्र ओम प्रकाश और पुत्र वधु ज्योति दोनो मेरे कहने से बाहर है इसलिए मै दोनो को अपनी चल-अचल संपति से बेदखल करता हूँ। भविष्य मे उनसे लेनदेन रखने वाला खुद जिम्मेवार होगा।
एपी-787

मैं, दलगिंदर कौर पत्नी मोहन सिंह, मकान नंबर 200, बहलाना, चंडीगढ़ सूचित करती हूं कि मेरी बेटी गगनप्रीत कौर मेरे कहने सुनने से बाहर है। इसलिए मैं उसे अपनी सभी चल और अचल संपत्तियों से बेदखल करती हूं। उससे लेन देन करने वाला खुद जिम्मेदार होगा।
एपी-789

मैं, रजनी जुल्का धर्मपत्नी श्री राकेश जुल्का, म.न. 293, निकट स्वामी विवेकानन्द पार्क,सरोजनी कालोनी यमुना नगर तह. जगाधरी जिला यमुना नगर (हरियाणा)निवासी अपने हल्फ से ब्यान करती हूँ कि मेरा लड़का हिमांशु जुल्का व पुत्रवधू जसप्रीत कौर हंस दोनों हमारे कहने-सुनने से बाहर है। मैं उन्हें अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करती हूँ। भविष्य में उनसे लेन-देन करने वाला व्यक्ति खुद जिम्मेवार होगा। अन्य परिवारिक सदस्य नहीं।
एपी-790

मैं, बब्ली पत्नी स्व श्री कृष्ण कुमार वासी 183, स्ट्रीट नं.1, Daria चंडीगढ़, अपने पुत्रों अमन दीप पुत्र कृष्ण कुमार और दीपक पुत्र कृष्ण कुमार को कहने से बाहर होने के कारण अपनी चल अचल सम्पति से बेदखल करती हूँ, इनसे लेन देन करने वाला स्वयं जिम्मेवार होगा, मैं इनके किसी भी कार्य के लिए जिम्मेवार नही होउंगी।
एपी-792

हम, कृष्णा देवी (आधार नं. 553359101220) पत्नी श्री नेपाल जांगडा व नेपाल सिंह (आधार नं. 634371915209) पुत्र श्री ऋषि राम निवासी मकान नं. 13, वार्ड नं. 24, आकाश नगर, तहसील थानेसर, जिला कुरुक्षेत्र ब्यान करते है कि हमारा लड़का रजत जांगड़ा व पुत्रवधु ललिता जांगडा व पोतियाँ अमायरा जांगडा व अनायरा जांगडा हमारे कहने-सुनने से बाहर है को हम अपनी समस्त चल एंव अचल सम्पति से बेदखल करते है। आज के बाद हमारा पुत्र व पुत्रवधू व पोतियों के साथ जो भी लेन देन करेगा वो इसका स्वयं का जिम्मेदार होगा। हमारा या हमारे परिवार का इससे कोई वास्ता ना होगा। संबंधित नोट करें।
एपी-798

खोया-पाया

I bal krishan Jaidka s/o Late Shri Bhagwan Das r/o # 2693 sector 37 C, Chandigarh. I lost/Misplace my property Documents. 1. Conveyance Deed dated 26/08/2002, in original of file no LRP 1059 , kothi no 807 sector 38 A chandigarh in the name of Joginder Singh. if anybody find please contact me 9878220902. DDR NO L.A.R NO.: 2025/013860.
एपी-777

मैं, सविता पत्नी आशीष निवासी मकान नंबर 33,गांधी नगर गोहाना, सोनीपत बयांन करती हूँ कि मेरी ओरिजिनल सेल डीड नं 1478 दिनांक (18.11.1995) व 916 दिनांक (10.06.1985) कहीं गुम/ खो गई है अगर किसी को मिले तो उपरोक्त पत्ते पर संपर्क करें ।

मैं, सुमित कुमार पुत्र धीरज सोनी संपत्ति के संबंध में मालिक हूं । संपत्ति आईडी 6N9PRR20, माप 73.720 वर्ग गज, जो ट्रांसफर डीड नंबर 4553 दिनांक 31.03.2025 के अनुसार लाल डोरा फर्रुकनगर वार्ड नंबर 08 तहसील फारुक नगर जिला गुरुग्राम में स्थित है । मैंने फारुख नगर में कहीं भी सेल डीड नंबर 2766 दिनांक 28.12.2010 खो दिया है। गुरुग्राम में एक डीडीआर नंबर 132270412500522 भी पंजीकृत है। मैं यह भी घोषणा करता हूं कि मैंने उक्त संपत्ति पर किसी भी प्रकार का ऋण, सीसी लिमिट या ओडी लिमिट नहीं ली है । अगर किसी को इस संपत्ति के संबंध में आपत्ति है। कृपया इस प्रकाशन के 7 दिनों के भीतर एडवोकेट भूपेंद्र कुमार, फोन नंबर 8295949981 # 1591 सेक्टर 16-17 हिसार से संपर्क करें।
एपी-790

अर्थ प्रकाश
समाचार पत्र में अपना विज्ञापन लेकर अपने व्यापार को लाभान्वीत करें

आवश्यक सूचना
अर्थ प्रकाश में क्लासीफाइड विज्ञापन देने के लिए 9988934664 पर संपर्क करें।

आवश्यक सूचना

अर्थ प्रकाश (हाउस ऑफ प्रिंट एंड डिजिटल मीडिया) का इस समाचार पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/क्लासीफाइड) के तथ्यों संबंधी कोई दायित्व नहीं है। हमारा समाचार पत्र इनको सत्यापित नहीं करता है। किसी भी प्रकार के विज्ञापनों में पाठकों से विनती है कि वह कोई भी प्रतिक्रिया करने से पहले, विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पूर्व तथ्यों की स्वयं पुष्टि कर लें। यह समाचार पत्र उपरोक्त किसी भी विज्ञापन के प्रति उत्तरदायी नहीं होगा।

गर्मी के मौसम में नहीं होने दी जाएगी पेयजल की कमी: मंत्री कृष्ण बेदी

आमजन भी व्यर्थ में पानी न बहाकर करें उसका सदुपयोग

अर्थ प्रकाश/राजेश रावल

नरवाना, 29 अप्रैल। हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने कहा कि आमतौर पर गर्मियों के मौसम में पीने के पानी की कमी हो जाती है। पानी की इस कमी को देखते हुए मैं लगातार अधिकारियों के सम्पर्क में हूं और नरवाना विधानसभा क्षेत्र के लोगों को आश्वस्त करता हूं कि किसी भी नागरिक को पानी की कमी नहीं होने दी जाएगी। यदि समस्या आती भी है, तो स्वयं अधिकारियों से मिलकर समस्या का समाधान करेंगे।

हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी पीने के पानी की समस्या को देखते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों की बैठक लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दे रहे थे। हाल ही में नहरों की मरम्मत के लिए पानी रोका गया था। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार ने हरियाणा में नहरी पानी रोकने का निर्णय लिया है, जो पूर्णतः गैर जिम्मेदाराना है। इस मामले में प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी लगातार नजर बनाए हुए हैं और जल्दी ही इसका हल निकाल लिया जाएगा। पानी रोकने की वजह से हरियाणा के नरवाना, बरवाला, नारनौंद, हांसी, हिसार, भिवानी सहित कुछ शहरी क्षेत्रों में पेयजल की थोड़ी बहुत परेशानी आ सकती है, लेकिन यह चिंता का सबब नहीं है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार एवं प्रशासन इस पर पूरी संजीदगी से लगा हुआ है और लोगों को समस्या नहीं आने दी जाएगी।

श्री बेदी ने कहा कि अधिकारी पानी का शिड्यूल बनाकर क्षेत्र वाईज पानी की सप्लाई समय-समय पर करते रहें ताकि शहर व गांवों में पानी की कमी नहीं रहे। इस संबंध में मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी से भी बात हो चुकी है तथा संबंधित अधिकारियों को भी आदेश दिए गए है। पानी की समस्या का समाधान हो जाएगा। उन्होंने कहा कि अस्थाई तौर पर समस्या के समाधान के लिए संबंधित क्षेत्रों में पानी के टैंकर भेजने के लिए पब्लिक हेल्थ, पंचायत विभाग तथा लोक निर्माण विभाग के प्रत्येक पार्षद, नगर परिषद के सभी अधिकारी और उनका स्वयं का पूरा स्टाफ भी पूरा सहयोग करेगा। उन्होंने कहा कि कोई भी अधिकारी छुट्टी नहीं लेगा और न ही कोई लापरवाही सहन की जाएगी। जब भी जरूरत पड़ेगी सभी अधिकारी मौजूद रहेंगे।

कैबिनेट मंत्री श्री कृष्ण कुमार बेदी ने क्षेत्र के आम नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि गर्मी के मौसम में पानी की संभावित किल्लत को देखते हुए कुछ गैर जरूरी काम इस समय स्थगित करें। उन्होंने आम जन से कहा कि वे इस दौरान अपने वाहनों को धोने, पशु बाड़े में जरूरत से ज्यादा बहाने, कंस्ट्रक्शन इत्यादि के कार्य में पानी का सीमित मात्रा में प्रयोग करने जैसी एहतियात बरतें। जितना हो सके पानी का सदुपयोग करें। किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न दें। बैठक में एसडीएम जगदीश चंद्र, एक्सईएन सिंचाई विभाग सौरभ गर्ग, एसडीओ जन स्वास्थ्य विभाग नवीन मुंडे, एसडीओ बिजली बोर्ड दीपक नैन सहित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

अधिकारी आम जन की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर करें समाधान

हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने अपने आवास पर जन समस्याएं सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को समस्या दूर करने में निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कोई भी फरियादी अपनी समस्याएं लेकर संबंधित विभागों के पास आता है, तो उस व्यक्ति की बात को ध्यान से सुनें और तुरंत समस्या का निराकरण करें। किसी भी व्यक्ति का कार्य नहीं रुकना चाहिए। अगर किसी समस्या को दूर करने में कोई तकनीकी बाधा है, तो संबंधित व्यक्ति को समझाएं ताकि उसकी समस्या का हल हो सके। उन्होंने कहा कि किसी भी समस्या के समाधान के लिए वे सदैव आमजन के साथ खड़े हैं। किसी भी आम जन को परेशानी नहीं होने दी जाएगी। नरवाना हलका में किसी भी तरह के विकास कार्यों में कमी नहीं रहने दी जाएगी। आने वाले कुछ सालों में नरवाना हलका हरियाणा में अपनी अलग पहचान बनाकर उभरेगा। विधानसभा क्षेत्र के विकास कार्यों में धन की कमी नहीं आने दी जाएगी।

सभी 90 विधानसभा क्षेत्रों में की जा रही तरक्की से अछूता नहीं रहेगा नरवाना: बेदी

अर्थ प्रकाश/राजेश रावल

नरवाना, 29 अप्रैल। हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री श्री कृष्ण कुमार बेदी ने कहा गांवों का चहुंमुखी विकास एवं योग्य युवाओं के रोजगार में राज्य सरकार पर मुख्य फोकस है और इस दिशा में मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। वर्तमान में गांवों के विकास को शहरों की तर्ज पर नई गति मिल रही है। ग्रामीण आंचल में बेहतर शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाएं, निर्बाध बिजली आपूर्ति, योजक सड़कों का निर्माण व विस्तारीकरण आदि किया जा रहा है।

कैबिनेट मंत्री श्री कृष्ण कुमार बेदी मंगलवार को अपने विधानसभा क्षेत्र के गांव बेलरखा में आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि जन प्रतिनिधि से आमजन को काफी उम्मीदें होती हैं और उन पर खरा उतरना जन प्रतिनिधि का दायित्व भी होना चाहिए। श्री बेदी ने इलाका वासियों द्वारा चुनाव में दिए जन समर्थन का आभार जताया और कहा कि वे क्षेत्र वासियों के विश्वास पर खरा उतरने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा प्रदेश भर के सभी 90 विधानसभा क्षेत्रों में की जा रही तरक्की से नरवाना अछूता नहीं रहेगा। श्री बेदी ने कहा कि उनका प्रयास है कि निकट भविष्य में नरवाना विकास का मॉडल बनेगा।

ग्राम पंचायत द्वारा रखी मांगों का जिक्र करते हुए कैबिनेट मंत्री ने कहा कि सार्वजनिक विकास कार्यों के लिए पैसे की कोई कमी नहीं है, बशर्ते ग्रामीण अपना भाई-चारा बनाकर आपसी तालमेल के साथ गांव के विकास कार्यों में सहयोग करें। पंचायत द्वारा कैबिनेट मंत्री के समक्ष विभान्न 55 मांगों की मंजूरी के लिए आवेदन रखा। इस पर मंत्री श्री बेदी ने आश्वासन दिया कि विभागीय औपचारिकताएं एवं तकनीकी नॉर्मस् को पूरा करने वाले कार्यों को करवा दिया जाएगा। उन्होंने खेल स्टेडियम के निर्माण, सामुदायिक केंद्र निर्माण, द्वितीय पीएचसी भवन, अस्पताल की चारदीवारी, जलघर नम्बर 2 में मोटर रखवाना, तालाब सौंदर्यकरण, व्यामशाला, रामु पत्ती के शमशान घाट की चारदीवारी, पंचायत घर निर्माण, रामु पत्ती ब्राह्मण चौपाल, वाल्मीकि चौपाल निर्माण, हर्बल पार्क निर्माण सहित गांव की अनेक गलियों का निर्माण करवाने के लिए कहा।

इस मौके पर हंसराज समैण, जिला सचिव मंनदीप चहल,प्रमोद शर्मा, सुरेंद्र प्रजापति, मंडल अध्यक्ष सत्यवान शर्मा, सरपंच पिरथी सिंह, राजेश शर्मा, एडवोकेट, रिछपाल शर्मा, सुरेश पांचाल, विनय मित्तल, संजय जांगड़ा, तेजपाल शर्मा, कुलदीप सरपंच दबलैन, अमित ढाकल, सुशील कौशिक, राजेंद्र नैन, शिशपाल भाणा, बदलेव वाल्मीकि, सुरेंद्र सरपंच हथो, विशाल मिर्धा, दिनेश गोयल, सुरेश दनौदा, रमेश वाल्मीकि सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

न्यूज ब्रीफ

जगाधरी कुष्ठ आश्रम में किया भोजन वितरण

यमुनानगर (अप्रस/डा. आरके जैन)। श्री महावीर दिगम्बर जैन मंदिर के तत्वाधान में जैन चैरिटेबल ग्रुप के सहयोग से व दानी सज्जन परिवारों के द्वारा जगाधरी कुष्ठ आश्रम में भोजन वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अमन सोई ने की तथा संचालन राजीव सूद ने किया। कार्यक्रम का शुभारम्भ णमोकार महामंत्र का उच्चारण कर किया गया। ग्रुप द्वारा हर रविवार को असहाय व जरूरतमंद लोगों को भोजन वितरित करने का निर्णय लिया है और इसी कड़ी में यह भोजन वितरण कार्यक्रम दानी सज्जन परिवारों के सहयोग से आयोजित किया गया। पुनीत गोल्डी ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान जरूरतमंदों के लिये भोजन के रूप में सब्जी, रोटी व मिठाई की व्यवस्था की गई, जिसको लगभग 60 लोगों ने ग्रहण किया। इस अवसर पर मुकेश नागपाल, राजीव सूद, प्रियंकल अग्रवाल, अमन भंडारी, पंकज वर्मा, के. के. जैन, ऋषभ जैन, भव्य जैन, पुनीत जैन, अंकुर जैन, पारस, अमन सोई, शिवम, अश्विनी, पारस मसान, रवि, सुनील गुप्ता आदि ने सहयोग दिया।

विनय नरवाल की याद में हेड कांस्टेबल ने रोपित की त्रिवेणी

निसिंग (अप्रस/कृष्ण)। पहलगाम के आतंकी हमले में मारे गए लेफ्टिनेंट विनय नरवाल की याद में हेड कांस्टेबल प्रदीप भुक्कल ने स्थानीय बस अड्डा पर त्रिवेणी रोपित कर श्रद्धांजलि दी है। उन्होंने त्रिवेणी के युवा होने तक समुचित देखरेख की जिम्मेवारी भी ली। हमले में मारे गए सैलानियों को याद करते हुए घटना को मानवता का कत्ल बताया। जिसका बदला भारत सरकार और देश के वीर जवान जरूर लेंगे। उन्होंने पीड़ित परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की। दुख की इस घड़ी में पूरा देश पीड़ित परिवारो के साथ खड़ा है। आतंकियों ने गोली किसी परिवार विशेष के व्यक्तियों पर नही चलाई बल्कि समूचे भारत देश के नागरिकों की आत्मा को छलनी किया है। घटना से पूरा देश आहत हैं। उन्होंने जान पर खेल कर सैलानियों की जान बचाने वाले मुस्लिम भाई की वीरता के कसीदे पढ़े। हमले में मारे गए सभी देशवासियों को नमन किया। सरकार से आतंक के सफाए की मांग की। ताकि फिर कोई आतंकी देश वासियों पर हमला करने की हिमाकत न कर सके।

इनेलो कार्यकर्ताओं ने स्थापना दिवस बड़े उत्साह से मनाया

समालखा (अप्रस/मनदीप कुमार)। शहर के हथवाला रोड स्थित रणधीर जांगड़ा के कार्यालय पर इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) का स्थापना दिवस बड़े उत्साह से मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता हल्का अध्यक्ष राजेश झटटीपुर ने की। इन दौरान कार्यकर्ताओं ने देवीलाल व ओमप्रकाश चौटाला की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और 'हर घर घर पार्टी का झंडा' अभियान की शुरुआत की। कार्यक्रम में हल्का अध्यक्ष राजेश झटटीपुर ने कांग्रेस और भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस विपक्ष में होने के बावजूद अपनी भूमिका नहीं निभा रही है। भाजपा सरकार नशा और अपराध रोकने में विफल रही है। उन्होंने दावा किया कि अगर जनता ने अभय सिंह चौटाला के नेतृत्व में INLD को सत्ता सौंपी, तो एक महीने के भीतर प्रदेश से नशा और अपराध समाप्त कर देंगे।आज इन सरकारों के कारण देश और प्रदेश का हर वर्ग स्वयं को लूटा और ठगा हुआ महसूस कर रहा है।इनेलो को अधिक मजबूत व संगठित बनाने व इसकी नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने का आश्वासन दिया है।

अध्यापिका मीनाक्षी शर्मा को किया सम्मानित

कुरुक्षेत्र (अप्रस/अर्पण वधवा)। आरके वेलफेयर फाउंडेशन द्वारा प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह में शिक्षा क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अध्यापकों, सामाजिक संस्थाओं, समाजसेवियों, चिकित्सकों एवं खेल क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। इस सम्मान समारोह में कुरुक्षेत्र के राजकीय माध्यमिक विद्यालय अजराना खुर्द में कार्यरत संस्कृत अध्यापिका मीनाक्षी शर्मा को भी सम्मानित किया गया। अध्यापिका द्वारा यूट्यूब चैनल कविताओं की उड़ान मीनाक्षी संग पर एवं फेसबुक पर नवाचारी क्रियाकलापों को प्रस्तुत किया जाता है। मुख्य अतिथि के रूप में रोहतास वर्मा डीईईओ, स्वामी प्रेम मूर्ति एवं डा. आरके वास्तव द्वारा अध्यापिका को इस अवसर पर प्रतिभा सम्मान प्रदान किया गया।

पिछले 14 वर्षों से बड़ी धूमधाम से मन रही है परशुराम जयंती

अर्थ प्रकाश/अमित

कुरुक्षेत्र, 29अप्रैल। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी ब्राह्मण सभा सेक्टर 13 के द्वारा भगवान परशुराम जन्मोत्सव कांग्रेस भवन कुरुक्षेत्र में बड़ी धूमधाम के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रसिद्ध ज्योतिष आचार्य विजय प्रभाकर ने की। मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला कार्यवाह संजय कौशिक रहे। जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में मोहन शर्मा ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। मंच संचालन अमित कौशिक ने किया। संजय कौशिक ने कहा कि हम सबको भारतीय संस्कृति की रक्षा के लिए संघ के साथ जुड़ना चाहिए सप्ताह में एक दिन मोबाइल का प्रयोग ना करें सप्ताह में काम से कम एक दिन परिवार के साथ बैठकर खाना खाए। वही ज्योतिष आचार्य विजय प्रभाकर ने आये सभी ब्राह्मण परिवारों का स्वागत किया और अपने संबोधन में कहा ब्राह्मण सभा सेक्टर 13 पिछले 14 वर्षो से लगातार परशुराम जयंती मना रही है। उन्होंने कहा की इस सभा में भी प्रधान या पदाधिकारी नही है सभी कार्यकर्त्ता है जो पूरी निष्ठा से कार्य कर रहे है। विशिष्ट अतिथि ने सभी को समाज के लिए कार्य करने के लिए प्रेरित किया। इस कार्यक्रम पर चंद्रमणि अत्री, महेंद्र कौशिक, रजनीश शर्मा, भारत भूषण भारद्वाज, दीनानाथ शर्मा, रामनाथ शर्मा, फकीरचंद शर्मा, निमेष भारद्वाज, विवेक शर्मा, गुलशन शर्मा, अशोक शर्मा, वीरभान शर्मा, राजेंद्र शर्मा,ऊषा शर्मा, धर्मपाल शर्मा, डॉक्टर सुभाष गौड़ उपस्थित रहे।

टोहाना पुलिस ने धारसूल कलां से गेहूं चुराने के मामले में दो युवकों को किया गिरफ्तार

टोहाना (अप्रस/संजीव सिंगला)। पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, आईपीएस के दिशा निर्देशानुसार चलाए जा रहे अपराध मुक्त अभियान के तहत सदर टोहाना पुलिस ने गांव धारसूल कलां से गेहूं चोरी करने के मामले में तुरंत कार्रवाई करते हुए दो युवकों को गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की है। पकड़े गए युवकों की पहचान विनोद उर्फ विनोदी पुत्र हरनेक सिंह व सोमबीर उर्फ काली पुत्र अमर सिंह निवासी धारसूल कलां के रूप में हुई है। पुलिस ने इनके पास से चुराई गई 28 बैग गेहूं व एक मोटरसाइकिल को बरामद किया है। यह जानकारी देते हुए उमेद सिंह डीएसपी टोहाना ने बताया कि इस बारे पुलिस ने 27 अप्रैल को गांव धारसूल कलां निवासी दीपक कुमार की शिकायत पर केस दर्ज किया था। शिकायतकर्ता के अनुसार रात को अज्ञात चोर उसकी 28 बैग गेहूं चोरी कर ले गए है। चोरीशुदा गेहूं की कीमत करीब 28 हजार रुपये बताई गई थी।

डीईओ की गैर मान्यता प्राप्त स्कूलों व कोचिंग सेंटरों पर कार्रवाई

अर्थ प्रकाश/संजीव सिंगला

टोहाना, 29 अप्रैल। कई महीनो से सभी अखबारों व सोशल मीडिया की सुर्खियां बने गैर मान्यता प्राप्त स्कूलों में कोचिंग अकादमी और बंद गलियों दुकानों में चल रहे प्ले स्कूलों में कल सुबह जिला शिक्षा अधिकारी ने अपने स्टाफ सहित छाप मार्ग कार्यवाही करी गई सबसे पहले शहर के चर्चित कोचिंग अकादमी में चेकिंग अभियान की शुरुआत की उसे इंस्टिट्यूट में कोचिंग क्लासेस में छोटे बच्चे पढ़ते दिखाई दिए वह भी स्कूल टाइम में जिला अधिकारी ने इंस्टिट्यूट पर सख्त से सक्त जल्द कार्रवाई करने के आदेश दिए और इसके बाद चैतन्य स्कूल में चेकिंग की गई जिसमें स्कूल संचालक द्वारा अपने स्कूल दस्तावेज पेश किए गए और जो दस्तावेज कम पाएंगे वह एक सप्ताह में पूरे करने का वक्त दिया गया इसके बाद जिला शिक्षा अधिकारी संगीता बिश्नोई खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय में गई वह आज की की गई सब गतिविधियों पर अपने संबोधन में जिला शिक्षा अधिकारी ने सभी उपमंडल में चल रहे गैर मान्यता प्राप्त स्कूलों में शहर में चल रही कोचिंग एकेडमियों व शहर में गालियों दुकानों में रेडो पर चल रहे प्ले स्कूलो में भी जल्द से जल्द छापामार कार्रवाई की जाएगी और कमियां पाए जाने पर तुरंत कार्रवाई के निर्देश दिए जाएंगे विभाग ने स्पष्ट किया है। कि कोई भी शैक्षिणिक संस्था विद्यालय या एन जी ओ उपयुक्त प्राधिकरण से मान्यता लिए बिना संचालन नहीं कर सकता इसके अलावा प्ले स्कूल एक से पांच तक के बच्चों को पढ़ाया जाना भी कानून अपराध है ऐसे संस्थानों पर जल्दी से जल्दी तुरंत प्रभाव से बंद करने के निर्देश जारी किए जाएंगे और जो प्राइवेट स्कूल किताबों के नाम पर बच्चों वह अभाव को से पैसा लूटने का कार्य कर रहे हैं उन पर भी कार्यवाही जल्द से जल्द विभाग अमल में लेगा आज की इस छापामार कार्रवाई से जिला शिक्षा विभाग की टीम की सारे शहर में वहां वही हो रही है।

अधिकारियों को हमेशा सरकारी कार्य को अपना कार्य समझ करके पूरा करना चाहिए: कृष्ण लाल पवार

35 साल की सेवाओं के बाद एसडीओ सत्य प्रकाश मालिक हुए सेवानिवृत्ति

अर्थ प्रकाश/सुभाष जैन

पानीपत, 29 अप्रैल। हमेशा लगन निष्ठा व ईमानदारी से पंचायती राज विभाग में अपनी सेवाएं प्रदान करने वाले सत्य प्रकाश मालिक उपमंडल अधिकारी सोमवार को 35 वर्ष की विभाग की सेवा प्रदान करने के बाद सेवानिवृत हो गए।

उनके विदाई समारोह कार्यक्रम में प्रदेश के पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पवार ने शिरकत की व कहा कि उनकी शानदार सेवाओं के लिए उन्हें पूरा विभाग हमेशा याद रखेगा व जरूरत पड़ने पर उनकी फिर से सेवाएं भी ले सकता है।

इस मौके पर मुख्य अभियंता यसवीर पवार ने कहा कि उन्होंने हमेशा अपना कार्य समझकर विभाग का कार्य किया। उनकी ईमानदारी ,निष्ठा को हमेशा याद किया जाएगा।

पंचायती राज के कार्यकारी अभियंता प्रदीप कुमार ने कहा कि उन्होंने कभी भी प्रशासन द्वारा सौंपे गए कार्य को मना नहीं किया। हर जिम्मेदारी को मन लगाकर पूरा किया व हर कार्य में अग्रणी भूमिका निभाई।

विभिन्न गांव के सरपंचों, विभाग के अधिकारियों ने फूलों की मालाएं डालकर उनका अभिनंदन किया।

इस मौके पर विभिन्न ग्राम पंचायत के सरपंच पंचायती राज के उपमंडल अधिकारी, कनिष्ठ अधिकारी व सरपंच मौजूद रहे।

अच्छे उपदेश सुनने के लिए मन को शांत और पवित्र करना चाहिए: डा. स्वामी चिदानंद

कुरुक्षेत्र (अप्रस/राजकुमार वालिया)। देश के विभिन्न राज्यों सहित विश्व स्तर पर भगवान श्री कृष्ण के श्री मुख से उत्पन्न गीता का प्रचार प्रसार कर रहे अंतर्राष्ट्रीय गीता मिशन ओडिशा के अध्यक्ष संत डा. स्वामी चिदानंद ने पूजा एवं अध्यात्म पर चर्चा करते कहा कि अच्छे उपदेश सुनने के लिए मन को शांत और पवित्र करना चाहिए। तभी हम ज्ञान की बातें सीख सकते है। शांत और पवित्र मन वाले ही सच्चे सुख और आनंद की प्राप्ति कर पाते हैं। डा. स्वामी चिदानंद ने कहा कि जब तक हमारे मन में लोभ, क्रोध, मोह और काम जैसे बुरे विचारों की गंदगी है, तो हम उसमें अच्छे उपदेश कैसे डाल सकते हैं। अंदर ऐसे मन में उपदेश डालेंगे तो अपना असर नहीं पाएंगे। उन्होंने कहा कि जब हम अपने मन को शांत और पवित्र बना लेंगे तब हमें जीवन का सच्चा सुख और आनंद की प्राप्ति होगी। इस अवसर भजनों पर श्रद्धालु भी मस्त हुए।

बच्चों की बेहतर शिक्षा के लिए अभिभावकों एवं शिक्षकों में समन्वय जरूरी

अर्थ प्रकाश/अर्पण वधवा

कुरुक्षेत्र, 29 अप्रैल। बच्चों की बेहतर शिक्षा के लिए अभिभावकों एवं शिक्षकों में समन्वय जरूरी है। इसी उद्देश्य से विद्या भारती से संबद्ध व हिंदू शिक्षा समिति द्वारा संचालित श्रीमद्भगवद्गीता प्राथमिक विद्यालय बालघर में मंगलवार को पेरेंट्स ओरिएंटेशन प्रोग्राम आयोजित किया गया। प्रवेश द्वार पर तिलक लगाकर व पुष्प द्वारा सभी अभिभावकों का स्वागत किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सर्वप्रथम मौजूद अभिभावकों एवं प्रधानाचार्या द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। तत्पश्चात संस्कृत वंदना प्रस्तुत की गई। प्रधानाचार्या चेतना वशिष्ठ द्वारा सभी अभिभावकों का स्वागत किया गया। महत्वपूर्ण जानकारियां अभिभावकों के समक्ष रखी गई। प्रधानाचार्या ने सभी आचार्यागण का परिचय करवाया। इस अवसर पर प्रबंध समिति के सदस्यों की उपस्थिति भी रही। ओरिएंटेशन कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य नव प्रवेश बच्चों के अभिभावकों को विद्यालय वंदना, समय प्रबंधन, कार्यप्रणाली, शिशु वाटिका की 12 व्यवस्थाएं, पाठ्यक्रम, वार्षिक परीक्षा योजना से अवगत करवाना था। आचार्या सुनीता, रेनू व सोनिया द्वारा पीपीटी के माध्यम से शिशु वाटिका की संपूर्ण जानकारी दी गई। आचार्या रजनी द्वारा वार्षिक शनिवारीय गतिविधियों व कार्य प्रणाली पर पीपीटी प्रस्तुत की गई। आचार्या निशा द्वारा बच्चों की सुरक्षा व व्यवहार से संबंधित सुझाव दिए गए। आचार्या गीता द्वारा पीपीटी के माध्यम से क्लब व वार्षिक अवार्ड की जानकारी दी गई।

बिजली की कम आ रही वोल्टेज ट्रांसफार्मर का लोड बढ़ाने की मांग

अर्थ प्रकाश/हरेंद्र कुमार

जींद, 29 अप्रैल। शहर की कृष्णा कॉलोनी में पिछले कई दिनों बिजली की कम वोल्टेज आ रही है। इसके कारण कॉलोनी के लोगों को परेशानी हो रही है। इसको लेकर कॉलोनी के लोगों ने बिजली निगम के कार्यकारी अभियंता विकास मलिक को शिकायत दी है, जिस पर कार्यकारी अभियंता ने तुरंत कार्रवाई करते हुए कनिष्ठ अभियंता को अस्टीमेट बनाकर कृष्णा कॉलोनी में 100 की जगह 200 किलोवाट का ट्रांसफार्मर लगाने के निर्देश दिए।

कॉलोनी निवासी संदीप, सुभाष चंद्र, सुमन, रामचंद्र ढांडा, सुमित्रा, अजीत, अश्वनी और पूजा ने बताया कि उनकी गली में पिछले दिनों से बिजली की कम वोल्टेज आ रही है। इसके कारण न तो पंखे चल पा रहे हैं और न ही एयर कंडीशनर चल रहे हैं। ऐसे में रात और दिन गर्मी के कारण परेशान होना पड़ता है। उन्होंने बताया कि सबसे ज्यादा परेशानी तो बच्चों और बुजुर्गों को हो रही है, जिनको गर्मी के साथ-साथ मच्छर भी परेशान करते हैं। उनका कहना था कि यह समस्या ज्यादा गंभीर बनी हुई है। हालांकि कार्यकारी अभियंता विकास मलिक ने आश्वासन दिया है कि जल्द ही अस्टीमेट बनाकर 100 की जगह 200 किलोवाट का नया ट्रांसफार्मर लगवाया जाएगा, जिससे लोगों को बिजली के कम वोल्टेज की परेशानी नहीं आएगी।

मेयर ने वार्ड नं. 5 व 16 में सफाई व्यवस्था व नालों का किया औचक निरीक्षण

सफाई व्यवस्था को लेकर ढील बरती तो होगी कार्रवाई: मेयर

अब दोपहर दो बजे से पांच बजे तक रोजाना चलेगा विशेष सफाई अभियान

अर्थ प्रकाश/डा. आरके जैन

यमुनानगर, 29 अप्रैल। नगर निगम द्वारा अब रोजाना दोपहर बाद दो बजे से शाम पांच बजे तक प्रत्येक वार्ड में विशेष सफाई अभियान चलाया गया है। अभियान के तहत प्रत्येक वार्ड में गंदगी वाले स्थानों को साफ किया जा रहा है। अभियान के तहत बेहतर सफाई व्यवस्था व नालों की सफाई को लेकर मेयर सुमन बहमनी ने सोमवार वार्ड 5 व 16 का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मेयर बहमनी ने दोनों स्थानों पर दोपहर दो बजे से शाम पांच बजे तक चलाए जा रहे विशेष सफाई अभियान का जायजा लिया, मेयर ने नालों व क्षेत्रों की सफाई की गहनता से जांच की। वहीं उन्होंने दोनों मुख्य सफाई निरीक्षकों को कड़े निर्देश दिए कि यदि सफाई व्यवस्था को लेकर किसी भी प्रकार की ढिलाई व लापरवाही बरती गई तो संबंधित अधिकारी पर कार्रवाई की जाएगी। जिन क्षेत्रों में सफाई अभियान चलाया जा रहा है यदि उन स्थानों पर गंदगी मिली तो उचित कार्रवाई की जाएगी। किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। नगर निगम मेयर सुमन बहमनी सबसे पहले जोन एक के वार्ड नंबर पांच की अशोक विहार कॉलोनी पहुंची। यहां उन्होंने वार्ड पार्षद भानू प्रताप के साथ सफाई व्यवस्था का जायजा लिया। कॉलोनी के नालों, प्रत्येक गली व अन्य क्षेत्रों की सफाई व्यवस्था जांची। साथ ही अभियान के तहत सफाई कर रहे कर्मचारियों से बातचीत की और जिन कर्मियों द्वारा अच्छा कार्य किया गया, उनका हौसला बढ़ाया। उन्होंने क्षेत्र के लोगों से बातचीत की और सफाई व्यवस्था बेहतर बनाने के लिए उन्हें खुले में कचरा न डालने की अपील की। उन्होंने वार्डवासियों से आह्वान किया कि वे डोर टू डोर उनके घर के पास आने वाले टिप्परों में ही घर से निकला कचरा डाले। कचरा न तो नालों में बहाए और न ही खुले में या खाली प्लाट में फेंके। उन्होंने मुख्य सफाई निरीक्षक हरजीत सिंह व अन्य सफाई निरीक्षकों को निर्देश दिए कि वे अपने जोन में सफाई व्यवस्था पर पूरी निगरानी रखें। अभियान के तहत जिन क्षेत्रों में गंदगी है, वहां पर पूरी सफाई करें। सफाई करने के बाद भी यदि वहां गंदगी मिली तो उचित कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। इसके बाद मेयर बहमनी जोन नंबर दो के वार्ड 16 में पहुंची। यहां उन्होंने जोगिंद्र विहार कॉलोनी में चलाए जा रहे सफाई अभियान का पार्षद संदीप धीमान के साथ निरीक्षण किया। उन्होंने सभी गलियों व नालियों की सफाई का जायजा लिया व साथ ही वार्ड के लोगों से बातचीत की। वार्ड वासियों ने मांग की कि नालों की सफाई के बाद निकाला गया कचरा जल्द से जल्द उठाया जाए। मेयर सुमन बहमनी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि नालों की सफाई के बाद कचरे का जल्द उठान करें। गलियों में सफाई के बाद कचरा साथ के साथ उठाए।

मुख्यमंत्री ने नवनियुक्त 'वन मित्रों' के लिए प्रशिक्षण मैनुअल किया जारी

अर्थ प्रकाश संवाददाता

शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने आज ओक ओवर, शिमला में नवनियुक्त 'वन मित्रों' के लिए प्रशिक्षण मैनुअल जारी किया। इस मैनुअल का उपयोग वन मित्रों को वन अग्नि प्रबंधन, विभागीय कार्यप्रणाली, नर्सरी प्रबंधन, विभिन्न वृक्षारोपण कार्यक्रमों और समग्र वन प्रबंधन के बारे में प्रशिक्षित करने के लिए किया जाएगा। वन मित्र इस वर्ष 1 मई से 5 मई तक अपने-अपने रेंज में प्रशिक्षण लेंगे। सभी वन मण्डल अधिकारियों (डीएफओ) को प्रशिक्षण के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है, जो इसकी निगरानी करेंगे।

मुख्यमंत्री ने मैनुअल को प्रशिक्षण केंद्रों और प्रशिक्षकों को शीघ्र वितरित करने के निर्देश देते हुए दक्ष प्रशिक्षण प्रदान करने की आवश्यकता पर बल दिया, ताकि वन मित्र विभाग की कार्यप्रणाली से अच्छी तरह जानकर अपने कर्तव्यों का प्रभावी ढंग से निर्वहन कर सकें। उन्होंने प्रशिक्षण मैनुअल को विभागीय वेबसाइट पर अपलोड करने के निर्देश भी दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वे 15 मई के बाद नवनियुक्त वन मित्रों से संवाद करेंगे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार वन विभाग को सशक्त करने के लिए कर्मचारियों की भर्ती और आधुनिक तकनीक उपलब्ध करवाने पर विशेष बल दे रही है। उन्होंने कहा कि आगामी गर्मी के मौसम को देखते हुए वन विभाग को आग की घटनाओं के बारे में सतर्क रहना चाहिए और वनों के संरक्षण के लिए आवश्यक कदम उठाने चाहिए।

वन मित्र भर्ती कार्यक्रम के तहत अब तक पूरे प्रदेश में 1,896 वन मित्र अपने-अपने स्थानों पर कार्यभार ग्रहण कर चुके हैं।

इस अवसर पर विधायक संजय अवस्थी, प्रधान मुख्य अरण्यपाल (वन बल प्रमुख) समीर रस्तोगी सहित विभाग के अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

विभाग ने पानी का मीटर स्वीकृत किया, पर जल आपूर्ति नहीं की गई, हाईकोर्ट ने दिए आपूर्ति करने के आदेश

अर्थ प्रकाश संवाददाता

शिमला। पानी का मीटर स्वीकृत किया, पर जल आपूर्ति नहीं की गई। इसे लेकर हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय में याचिका दायर की गई थी। न्यायाधीश अजय मोहन गोयल की अदालत ने प्रतिवादी को याचिकाकर्ता को पानी की आपूर्ति करने के आदेश देते हुए याचिका का निपटारा किया है। याचिकाकर्ता ने अदालत को बताया कि याचिका दायर होने के बाद अब बीच-बीच में पानी मिल रहा है। याचिकाकर्ता की शिकायत थी कि वर्ष 2020 में आईपीएच विभाग की ओर से उसके परिसर में पानी का मीटर भी लगा दिया गया, लेकिन उस कनेक्शन से पानी नहीं मिला।

इसके बाद अदालत ने प्रतिवादियों को नोटिस जारी किए थे। याचिकाकर्ता जिला शिमला की तहसील ठियोग के गांव घोग का निवासी है। जल शक्ति विभाग की ओर से इस घर में घरेलू जल कनेक्शन में पर्याप्त पानी उपलब्ध नहीं कराया जा रहा था। इसी को लेकर उच्च न्यायालय में याचिका दायर की गई थी। बता दें कि इस क्षेत्र में पानी की समस्या से बहुत सारे लोग परेशान हैं।

पशुओं के सप्लीमेंट पर सरकार व विभाग ने दायर किया जवाब

पशुओं को दी जाने वाली न्यूट्रिक्स बेलिस बोलस सप्लीमेंट ड्रग्स कॉस्मेटिक अधिनियम के अंतर्गत आती है या नहीं, इस पर सरकार व पशुपालन विभाग की ओर से प्रदेश हाईकोर्ट में जवाब दायर किया गया है। सरकार की ओर से दायर जवाब में दो ड्रग इंस्पेक्टरों ने कहा है कि पशुओं को दी जाने वाली सप्लीमेंट ड्रग्स कंट्रोल और कॉस्मेटिक कानून के तहत नहीं आती है, जबकि पशुपालन विभाग की ओर से बताया गया है कि यह सप्लीमेंट ड्रग्स कंट्रोल और कॉस्मेटिक अधिनियम में आता है। न्यायाधीश अजय मोहन गोयल की अदालत ने याचिकाकर्ता को प्रत्युत्तर दायर करने को कहा है। इस मामले की अगली सुनवाई तीन सप्ताह के बाद होगी। तब तक कोर्ट के अंतरिम आदेश जारी रहेंगे। अदालत ने पिछले आदेश में याचिकाकर्ता मैसर्स प्रोविमी एनिमल न्यूट्रिशन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ जारी कारण बताओ नोटिस पर रोक लगा दी थी। याचिकाकर्ता का आरोप है कि यह दवा एक सप्लीमेंट है न कि ड्रग है। इन दोनों की टेस्टिंग के उप मानक भिन्न-भिन्न हैं। इसी को अदालत में चुनौती दी गई है। कंपनी ने हिमाचल राज्य ऊन खरीद और विपणन संघ लिमिटेड से करार किया है।

हिमाचल में कारों-बसों में कूड़ादान रखना अनिवार्य, उल्लंघन पर 10 हजार जुर्माना

अर्थ प्रकाश संवाददाता

शिमला। हिमाचल प्रदेश में आज से सभी कॉमर्शियल व्हीकल में कूड़ेदान रखना अनिवार्य कर दिया गया है। इनको नहीं लगाने वाले कॉमर्शियल व्हीकल को 10 हजार रुपए तक जुर्माना लगेगा। इसी तरह जो व्यक्ति इधर-उधर कूड़ा फेंकते पकड़ा जाएगा, उसे 1500 रुपए का जुर्माना भरना होगा। पर्यावरण विभाग की यह अधिसूचना आज से प्रदेश में लागू हो गई है।

बता दें कि हिमाचल में हर साल डेढ़ करोड़ से दो करोड़ टूरिस्ट पहाड़ों पर सैर करने के लिए पहुंचता है। इनमें ज्यादातर टूरिस्ट टैक्सी, टैम्पो या फिर वोल्वो बसों में आता है। ऐसे में सभी को हिमाचल में कूड़ा नहीं फैलाने की आदत डालनी होगी। आमतौर पर टूरिस्ट पर्यटन स्थलों पर कचरा फेंक देते हैं।

इस पर पहले कार्रवाई का प्रावधान नहीं था। मगर अब सरकार 1995 में बने हिमाचल प्रदेश नॉन बायोग्रेडेबल गारबेज कंट्रोल एक्ट में पैनल्टी का प्रावधान कर लिया है। लिहाजा अब टूरिस्ट समेत स्थानीय लोगों को भी कचरा फैलाने की गलती भारी पड़ेगी। हिमाचल आने वाले कॉमर्शियल व्हीकल चलाने वाले बाहरी राज्यों के ट्रांसपोर्टर को भी गारबेज बिन्स के साथ ही हिमाचल में प्रवेश करना होगा। गारबेज बिन्स नहीं लगाने पर जेब ढीली करनी होगी। जुर्माने की राशि टैक्सी में सवार टूरिस्ट से नहीं बल्कि टैक्सी ड्राइवर से वसूली जाएगी।

हिमाचल में प्लास्टिक पर पहले से प्रतिबंध : बता दें कि हिमाचल सरकार रंगदार पॉलिथीन लिफाफों, सिंगल यूज प्लास्टिक, 60 जीएसएम से अधिक मोटाई वाले नॉन वॉवन प्लास्टिक बैग पर पहले ही प्रतिबंध लगा चुकी है। सबसे पहले जनवरी 1999 में रंगदार पॉलिथीन लिफाफों पर बैन लगाया गया था।

उसके बाद जून 2004 को 70 माइक्रोन से कम मोटाई वाले पॉलिथीन के थैलों पर प्रतिबंध लगाने वाला हिमाचल पहला राज्य बना। 2 अक्टूबर 2009 को पॉलिथीन थैलों पर पूरी तरह रोक लगा दी गई। इसके बाद सिंगल यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगाया गया।

चालान के लिए जल्द एप लॉन्च करेगा विभाग: राणा

राज्य सरकार इसके लिए एक मोबाइल एप भी लांच करने जा रही है। इस एप की मदद से विभागों को चालान में परेशानी नहीं होगी और चालान बुक की जरूरत नहीं पड़ेगी

इन गाड़ियों को गारबेज बिन्स अनिवार्य

पर्यावरण विभाग के निदेशक डीसी राणा ने बताया, सभी कॉमर्शियल व्हीकल में गारबेज बिन्स अनिवार्य किया गया है। टैक्सी नंबर, टेंपो ट्रेवलर प्राइवेट बसों, हिमाचल व बाहरी राज्यों की सरकारी बसों, वोल्वो बसो समेत सभी कॉमर्शियल व्हीकल (माल ढुलाई करने वाले सभी वाहनों) में गारबेज बिन्स हर हाल में लगाने होंगे। उन्होंने बताया, पर्सनल व्हीकल को अभी छूट दी गई है। आने वाले दिनों में कॉमर्शियल व्हीकल को भी इसके दायरे में लाया जा सकता है। इसका मकसद पहाड़ों व पर्यटन स्थलों पर फैलने वाली गंदगी को रोकना तथा पर्यावरण संरक्षण करना है। उन्होंने बताया, सरकार ने चालान के लिए सभी विभागों के अधिकारियों को ऑथोराइज किया है। यानी हिमाचल सरकार के किसी भी विभाग के अधिकारी इसके चालान कर सकेंगे।

व्यक्ति ने गूगल पर सर्च किया मोबाइल नंबर, लगी 11.35 लाख रुपये की चपत

अर्थ प्रकाश संवाददाता

रोहड़ू। रोहड़ू में एक ज्वेलर के साथ 11.35 लाख रुपये की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। टाटा स्टील के सरिया का ऑनलाइन आर्डर लेकर ठगी की गई है। बहरहाल, शिकायतकर्ता के बयान के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार पीड़ित गोविंद सिंह पुत्र गीता राम जुब्बल तहसील के ढाडी गांव का निवासी है। वह रोहड़ू में ज्वेलरी की दुकान चलाता है। गोविंद ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उन्होंने सरिया खरीदने के लिए टाटा स्टील के डिस्ट्रीब्यूटर का नंबर गूगल पर ऑनलाइन सर्च किया। जब उस नंबर पर फोन किया तो एक व्यक्ति ने खुद को टाटा स्टील का एरिया मैनेजर आलोक कुमार बताया।

गोविंद सिंह ने आलोक कुमार से 15 टन सरिया का ऑर्डर बुक करवाया। इसके लिए 11,35,650 रुपये का एडवांस भुगतान भी किया। जब तय समय पर सरिया नहीं पहुंचा, तब शिकायतकर्ता ने आलोक से दोबारा संपर्क किया। मगर उसका फोन नहीं लगा। इससे गोविंद को उस पर शक हुआ। इसके बाद उन्होंने रोहड़ू पुलिस थाना में शिकायत दर्ज करवाई।

ऑनलाइन खरीदारी से पहले नंबर की पुष्टि करें

डीएसपी रोहड़ू प्रणव चौहान ने मामले की पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि गोविंद की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है। उन्होंने लोगों से अपील की है कि ऑनलाइन खरीदारी से पहले कंपनी की आधिकारिक वेबसाइट या कार्यालय से पुष्टि करें। किसी अनजान नंबर या लिंक पर बिना जांच-पड़ताल के भरोसा न करें।

कैसे होती है गूगल के माध्यम से ठगी?

बता दें कि गूगल पर मोबाइल नंबर सर्च करने से ठगी कई तरह से हो सकती है। ठग गूगल की यूजर-जनरेटेड कंटेंट पॉलिसी का फायदा उठाकर फर्जी हेल्पलाइन नंबर या जानकारी डाल देते हैं। जब कोई इन नंबरों पर कॉल करता है, तो ठग खुद को सरकारी अधिकारी, बैंक कर्मचारी, या किसी सेवा प्रदाता के रूप में पेश करते हैं और निजी जानकारी जैसे बैंक खाता, ओटीपी, या आधार नंबर मांगते हैं। इसके अलावा, कुछ फर्जी वेबसाइट्स या ऐप्स लोकेशन ट्रैकिंग का दावा करके डेटा चोरी करती हैं।

एक मई से खुलेंगे चूड़धार शिरगुल देवता मंदिर के कपाट

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चौपाल। चूड़धार में शिरगुल देवता मंदिर के कपाट श्रद्धालुओं के लिए 1 मई से खुल जाएंगे। कपाट खुलने के बाद श्रद्धालु बम भोले के जयकारों के साथ जिला शिमला और सिरमौर की 11,765 फीट ऊंची चोटी पर विराजमान भगवान शंकर की भव्य प्रतिमा के दर्शन कर पाएंगे। मंदिर कमेटी के चेयरमैन एसडीएम चौपाल हेम चंद वर्मा ने कहा कि एक मई से यात्रा अधिकारिक तौर पर आरंभ हो जाएगी। उन्होंने प्रशासन को चूड़धार में यात्रियों के लिए सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उल्लेखनीय है कि उत्तराखंड के जौंसार बाबर, सिरमौर, शिमला और सोलन के लोगों की शिरगुल महाराज में अगाध आस्था है। मई से नवंबर तक इन जगहों से लोग अपने आराध्य देवता और चूड़धार चोटी पर स्थित भगवान शंकर के दर्शनों के लिए प्रतिदिन हजारों लोग चूड़धार पहुंचते हैं। इसके अलावा मैदानी इलाकों से भी सैकड़ों श्रद्धालु और पर्यटक तपती गर्मी से सुकून लेने के लिए चूड़धार की ठंडी वादियों का रुख करते हैं। यह यात्रा मई से अक्टूबर माह तक चलती है। मंदिर के कपाट खुलने की अधिसूचना के बाद प्रशासन ने भी चूड़धार यात्रा को लेकर तैयारियां शुरू कर दी हैं। सभी सराय भवनों एवं शौचालयों आदि की साफ-सफाई की जा रही है। चूड़ेश्वर सेवा समिति की ओर से हर साल 15 मई से चूड़धार पहुंचने वाले यात्रियों के लिए लंगर की व्यवस्था की जाती है। इसके लिए तैयारियां शुरू कर दी गई हैं।

एसडीएम हेम चंद वर्मा ने कहा कि यात्रा शुरू होने के बाद से चूड़धार में कमेटी की कैंटीन शुरू की जाएगी। इसमें यात्रियों के लिए भोजन की व्यवस्था की जाएगी।

ब्रेक फेल से सड़क पर पलटी निजी बस, यात्रियों में मची चीख-पुकार

अर्थ प्रकाश संवाददाता

मंडी। हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले में कलखर-जाहू सुपर हाईवे पर मंगलवार दोपहर को एक निजी बस अचानक अनियंत्रित होकर सड़क पर ही पलट गई। हादसे के समय बस में 15 यात्री सवार थे। जिनमें से पांच यात्री घायल हुए हैं। बस पलटते ही सवारियों में अफरातफरी व चीख पुकार मच गई। घायलों को उपचार के लिए सिविल अस्पताल बलद्वाड़ा में भर्ती करवाया गया। शुरुआती जांच पड़ताल में हादसे का कारण बस की ब्रेक फेल होना बताया जा रहा है। जानकारी के अनुसार निजी बस कुल्लू से कांगड़ा जा रही थी। जैसे ही यह बस भोलूघाट के पास पहुंची तो बस अनियंत्रित होकर सड़क पर ही पलट गई। मौके पर मौजूद लोगों ने तुरंत प्रभाव से राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया और हादसे की सूचना पुलिस थाना हटली और सिविल अस्पताल बलद्वाड़ा को दी गई। पुलिस और एंबुलेंस की टीम ने मौके पर पहुंचकर पांच घायलों को उपचार के लिए बलद्वाड़ा भेजा। बस पलटने के कारण हाईवे पर जाम भी लग गया, जिसे बाद में बहाल कर दिया गया।

घायलों की पहचान कृष्णा (26) पत्नी राम लाल गांव तमलेड़ डाकघर बाहणू तहसील बलद्वाड़ा जिला मंडी, कार्तिक (19) पुत्र कृष्ण चंद गांव कलथर डाकघर व तहसील बलद्वाड़ा जिला मंडी, संतोष कुमारी (41) पत्नी कृष्ण चंद गांव कलथर डाकघर व तहसील बलद्वाड़ा जिला मंडी, अंजू देवी (19) पुत्री लालम सिंह गांव पांडली डाकघर खोलनाल तहसील बालीचौकी जिला मंडी, सूर्यांश उम्र साढ़े तीन वर्ष पुत्र राम लाल गांव तमलेड़ डाकघर बाहणू तहसील बलद्वाड़ा जिला मंडी के रूप में हुई है। उधर, डीएसपी सरकाघाट संजीव गौतम ने बताया कि पुलिस ने दुर्घटना संबंधी मामला दर्ज करके जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

हिमाचल में 1 से 5 मई तक बारिश के आसार, 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चल सकती तेज हवाएं

अर्थ प्रकाश संवाददाता

शिमला। हिमाचल प्रदेश में एक बार फिर मौसम करवट लेने को तैयार है। पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता के चलते एक मई से मौसम में बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा। मौसम विभाग ने राज्य के कई भागों में लगातार पांच दिन बारिश की संभावना जताई है। इतना ही नहीं, अंधड़ को लेकर यैलो अलर्ट भी जारी किया गया है।

मौसम विज्ञान केंद्र शिमला के अनुसार प्रदेश में आज और कल मौसम शुष्क रहेगा, लेकिन 1 मई से लेकर 5 मई तक बारिश की गतिविधियां तेज हो सकती हैं। इस दौरान ऊंची चोटियों पर हल्की बर्फबारी भी संभव है। वहीं कुछ इलाकों में 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने का अनुमान है। 1, 2 और 5 मई को हल्की बारिश, जबकि 3 और 4 मई को हल्की से मध्यम बारिश के आसार हैं।

उधर, मैदानी जिलों में गर्म हवाओं का प्रकोप जारी है। बीते दिन ऊना में पारा 41.6 डिग्री तक पहुंच गया, जबकि भुंतर में अधिकतम तापमान 34.5 डिग्री सैल्सियस दर्ज किया गया। आज और कल भी गर्म हवाओं को लेकर यैलो अलर्ट जारी किया गया है। न्यूनतम तापमान की बात करें तो अगले 48 घंटों में इसमें 2 से 3 डिग्री सैल्सियस तक बढ़ौतरी हो सकती है, लेकिन उसके बाद 4 से 5 दिनों में तापमान में 2 से 5 डिग्री की गिरावट आने की संभावना जताई गई है।

पहलगाम में आतंकी हमले के चलते इस रूट की बस सेवा पर रोक, लोग परेशान

चम्बा (अप्रस)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के चलते चम्बा-भद्रवाह-डोडा बस सेवा पर रोक लग गई है। परिवहन निगम यात्रियों की सुरक्षा के मद्देनजर बस सेवा को बहाल करने का जोखिम नहीं उठा रहा है। इससे दोनों राज्यों के लोगों को आवाजाही में मुश्किलें पेश आ रही हैं। हालांकि बर्फबारी के बाद सड़क यातायात के लिए बहाल हो चुकी है। इसके बावजूद परिवहन निगम हालात सामान्य होने का इंतजार कर रहा है। इसके बाद ही बस सेवा शुरू होगी। प्रदेश सरकार ने जुलाई 2024 में चम्बा-भद्रवाह-डोडा वाया लंगेरा-पदरी जोत बस सेवा शुरू की थी। इस रूट पर हिमाचल व जम्मू-कश्मीर को आपस में जोड़ने के लिए यह पहली बस सेवा है। बस चम्बा से सुबह 06.30 बजे प्रतिदिन प्रस्थान करती है और डोडा में सायं 4.25 बजे पहुंचती है।

चरस तस्करी का भंडाफोड़: सवा किलो से ज्यादा चरस बरामद

अर्थ प्रकाश संवाददाता

सोलन। सोलन पुलिस ने नशा तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन व्यक्तियों को 1.310 किलोग्राम चरस के साथ गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई जिला सोलन पुलिस की विशेष अन्वेषण इकाई (एसआईयू) ने कंडाघाट क्षेत्र में की। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर त्वरित कार्रवाई करते हुए गौड़ा स्कूल के पास खड़ी एक स्विफ्ट डिजायर कार से तीन आरोपियों को हिरासत में लिया। गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान प्रकाश ठाकुर (55), रविंद्र शर्मा (56) और राजेश पांडे (41) के रूप में हुई है।

सोलन के पुलिस अधीक्षक गौरव सिंह ने यहां आयोजित एक पत्रकारवार्ता में बताया कि पुलिस को मिली गुप्त सूचना के अनुसार, ये तीनों व्यक्ति चरस के अवैध कारोबार में लिप्त थे और भारी मात्रा में चरस लेकर गौड़ा क्षेत्र में सप्लाई करने की योजना बना रहे थे। सूचना मिलते ही एसआईयू की टीम ने तुरंत गौड़ा स्कूल के पास छापेमारी की, जहां स्विफ्ट डिजायर कार में बैठे तीनों आरोपियों को पकड़ा गया। तलाशी के दौरान उनके कब्जे से 1.310 किलोग्राम चरस बरामद की गई। पुलिस ने तस्करी में इस्तेमाल की गई कार को भी जब्त कर लिया है।

गिरफ्तार आरोपियों में प्रकाश ठाकुर निवासी गांव कोट, चंबी, चौपाल, शिमला (55 वर्ष), रविंद्र शर्मा , निवासी धमान्दर, भडोली, राजगढ़, सिरमौर (56 वर्ष) और राजेश पांडे , निवासी सेवग, बलग, ठियोग, शिमला (41 वर्ष) शामिल हैं। इनके खिलाफ पुलिस थाना कंडाघाट में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि ये आरोपी लंबे समय से नशा तस्करी के धंधे में सक्रिय थे।आरोपियों की ठिकानों पर दबिश दी गई और आरोपी प्रकाश ठाकुर के घर से 520ग्राम चरस बरामद की गई जिस पर शिमला के चौपाल थाना में मुक़दमा दर्ज किया गया हैं।

सोलन में 8 किलो अफीम के साथ महिला समेत दो नेपाली तस्कर गिरफ्तार

सोलन। हिमाचल प्रदेश के सोलन जिले में पुलिस ने नशा तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 8.184 किलोग्राम अफीम के साथ दो नेपाली मूल के तस्करों को गिरफ्तार किया है। यह जानकारी सोलन के पुलिस अधीक्षक (एसपी) गौरव सिंह ने पत्रकार वार्ता में दी। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान शंकर बहादुर विका (38) और शीरजना बुढा (44) के रूप में हुई है, जो नेपाल के जाजरकोट जिले के निवासी हैं।

एसपी गौरव सिंह ने बताया कि पुलिस थाना सदर सोलन की टीम 27 अप्रैल को चंबाघाट क्षेत्र में गश्त और अपराध रोकथाम के लिए तैनात थी। इसी दौरान गुप्त सूचना मिली कि सोलन से शिमला जा रही एक निजी बस की पिछली सीट पर बैठे एक पुरुष और एक महिला, जो नेपाली मूल के हैं, भारी मात्रा में अफीम लेकर शिमला में सप्लाई करने की फिराक में हैं। सूचना के आधार पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सलोगड़ा के पास नाकाबंदी की और उक्त बस को रोककर तलाशी ली। तलाशी के दौरान बस में बैठे शंकर बहादुर विका , निवासी बांस कोट, नलगाड, जाजरकोट, नेपाल (38 वर्ष) और शीरजना बुढा , निवासी त्रिवेणी, नलगाड, जाजरकोट, नेपाल (44 वर्ष) के कब्जे से 8.184 किलोग्राम अफीम बरामद की गई। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया और उनके खिलाफ पुलिस थाना सदर सोलन में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया। प्रारंभिक जांच में पता चला कि दोनों आरोपी नेपाल से अफीम की तस्करी कर हिमाचल लाए थे और इसे शिमला क्षेत्र में बेचने की योजना बना रहे थे। एसपी गौरव सिंह ने बताया कि इस तस्करी का नेटवर्क अंतरराष्ट्रीय स्तर का हो सकता है, जिसकी गहन जांच की जा रही है।

गिरफ्तार दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें चार दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया। साथ ही, दोनों आरोपियों के पूर्व अपराधिक रिकॉर्ड की भी पड़ताल की जा रही है ताकि उनके आपराधिक इतिहास का खुलासा हो सके।

सोलन में दो चचेरे भाइयों की मौत, एनर्जी ड्रिंक पीने के बाद तबीयत बिगड़ी

अर्थ प्रकाश संवाददाता

नालागढ़। सोलन के झाड़माजरी स्थित शिवालिक नगर में दो चचेरे भाइयों की मौत हो गई। मृतक यूपी के बदायूं के रहने वाले गिरीश कुमार (18) और अरविंद (21) थे। दोनों एक निजी कंपनी में काम करते थे। गिरीश के बड़े भाई लालटा के अनुसार, दोनों युवक ड्यूटी से लौटने के बाद एनर्जी ड्रिंक पीकर नमकीन खा रहे थे। कुछ देर बाद उनके शरीर का तापमान बहुत बढ़ गया और पसीना आने लगा। परिजनों ने ठंडे पानी की पट्टी लगाई, लेकिन दोनों बेहोश हो गए। उन्हें तुरंत बद्दी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

बद्दी अस्पताल के एसएमओ डॉ. एमएस चौहान ने कहा कि एनर्जी ड्रिंक से मौत नहीं हो सकती। उन्होंने बताया कि दोनों के शरीर नीले पड़ गए थे। मौत का सटीक कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट से पता चलेगा। एएसपी अशोक वर्मा के नेतृत्व में पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

जल वितरण के संबंध में पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान द्वारा दिया गया आश्चर्यजनक बयान : नायब सैनी

पंजाब में अपनी राजनीति चमकाने के लिए तथ्यों को दरकिनार कर जनता को भ्रमित करने का यह प्रयास

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़, 29 अप्रैल। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने पंजाब के मुख्यमंत्री श्री भगवंत मान द्वारा जल वितरण के संबंध में दिए गए बयान को आश्चर्यजनक बताया। उन्होंने कहा कि गत 26 अप्रैल को उन्होंने स्वयं श्री भगवंत मान जी को फोन पर बताया था कि बीबीएमबी की टेक्निकल कमेटी ने पंजाब, हरियाणा, दिल्ली और राजस्थान को पानी छोड़ने का जो निर्णय 23 अप्रैल को लिया था, उसके क्रियान्वयन में पंजाब के अधिकारी आनाकानी कर रहे हैं। उस दिन मान साहब ने उन्हें स्पष्ट आवश्वासन दिया था कि वे तुरंत अपने अधिकारियों को निर्देश देकर अगले दिन सुबह तक उन द्वारा क्रियान्वयन सुनिश्चित करेंगे।

नायब सिंह सैनी ने कहा कि जब अगले दिन 27 अप्रैल को दोपहर 2 बजे तक पंजाब के अधिकारियों ने कुछ नहीं किया बल्कि हरियाणा के अधिकारियों के फोन भी नहीं उठाए तो उन्होंने श्री भगवंत मान जी को पत्र लिखकर इन तथ्यों से अवगत भी कराया था।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि वे हैरान है कि 48 घंटे तक उनके पत्र का जवाब देने की बजाय मान साहब ने एक वीडियो जारी करके पंजाब में अपनी राजनीति चमकाने के लिए तथ्यों को दरकिनार करते हुए देश की जनता को भ्रमित करने का प्रयास किया है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी जी की ओर से पंजाब के मुख्यमंत्री को लिखे पत्र की प्रति संलग्न है)

नायब सिंह सैनी ने कहा कि मान साहब का यह कहना कि आज से पहले पंजाब ने या बीबीएमबी ने हिसाब नहीं रखा, बिल्कुल झूठ है। एक–एक बूंद पानी का हिसाब बीबीएमबी के साथ–साथ राजस्थान, पंजाब, दिल्ली और हरियाणा की सरकारों के पास हर समय होता है। मान साहब ने पंजाब में अपने से पहले की सरकार पर आंकड़ें न रखने का लांछन तो लगाया, परंतु यह नहीं बताया कि वर्ष 2022, 2023 और 2024 में कभी भी अप्रैल, मई और जून के माह में हरियाणा कॉन्टेक्ट प्वाइंट एचसीपी पर 9000 क्यूसेक से कम पानी नहीं दिया गया।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने स्पष्ट किया कि जो पानी बीबीएमबी एचसीपी पर भेजता है, उसमें दिल्ली के पीने का पानी 500 क्यूसेक, राजस्थान का 800 क्यूसेक और पंजाब का खुद का 400 क्यूसेक पानी शामिल होता है। इस प्रकार, हरियाणा को जो पानी मिलता है, उसकी मात्रा 6800 क्यूसेक रह जाता है।

नायब सिंह सैनी ने कहा कि मान साहब भूल गए कि अप्रैल और मई के महीनों में पंजाब और हरियाणा में एक भी खेत में धान की रोपाई नहीं की जाती क्योंकि ऐसा करना कानूनन प्रतिबंधित है। इन दोनों महीनों में बीबीएमबी द्वारा छोड़े गए पानी से केवल पेयजल की आपूर्ति की जाती है। उन्होंने कहा कि मान साहब ने पोंग और रणजीत सागर डैम में पानी का स्तर कम होने की बात की है, परंतु यह नहीं बताया कि भाखड़ डैम में क्या स्थिति है। क्योंकि हरियाणा को पानी भाखड़ा डैम से मिलता है न कि पोंग डैम या रणजीत सागर डैम से।

टेंपू से विंडो ऐसी चोरी करने का आरोपी 24 घंटे में काबू, एसी बरामद

अर्थ प्रकाश/रंजीत शम्मी

चंडीगढ़, 29 अप्रैल। ईस्ट डिविजन की थाना 19 पुलिस ने टेंपू से विंडो ऐसी चोरी करने के मामले में आरोपी को 24 घंटे के अंदर गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए आरोपी की पहचान सेक्टर 29 के रहने वाले हरदीप कुमार के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार पता चला कि थाना पुलिस को गुप्त सूचना और टेक्निकल तकनीक के जरिए सूचना मिली थी कि टेंपू से विंडो ऐसी चोरी करने वाला आरोपी एरिया में सक्रिय है। मामले को गंभीरता से लेते हुए और चंडीगढ़ पुलिस के आला अधिकारियों के दिशा निर्देशों के चलते थाना 19 की प्रभारी इंस्पेक्टर ऊषा रानी की टीम ने आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो मामले का खुलासा हुआ। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी किया ऐसी बरामद कर लिया।

क्या था मामला

जानकारी के अनुसार शिकायतकर्ता ने पुलिस को बताया कि वह जीरकपुर गोदाम से कई ऐसी लेकर आया था। कुछ ऐसी सैक्टर 34 में उतारे थे। उसके बाद वह सैक्टर 20 में आ गया। टेंपू को मस्जिद की पिछली साइड खड़ा कर नवाज पढ़ने के लिए चला गया। जब वह वापिस आया तो देखा कि एक विंडो ऐसी गायब है। मामले की सूचना तुरंत पुलिस को दी गई थी। पुलिस के मुताबिक पकड़े गए आरोपी के खिलाफ थाना 34,31,19 और थाना 26 में मामले दर्ज पाए गए हैं। पकड़े गए आरोपी को थाना पुलिस जिला अदालत में पेश करेगी।

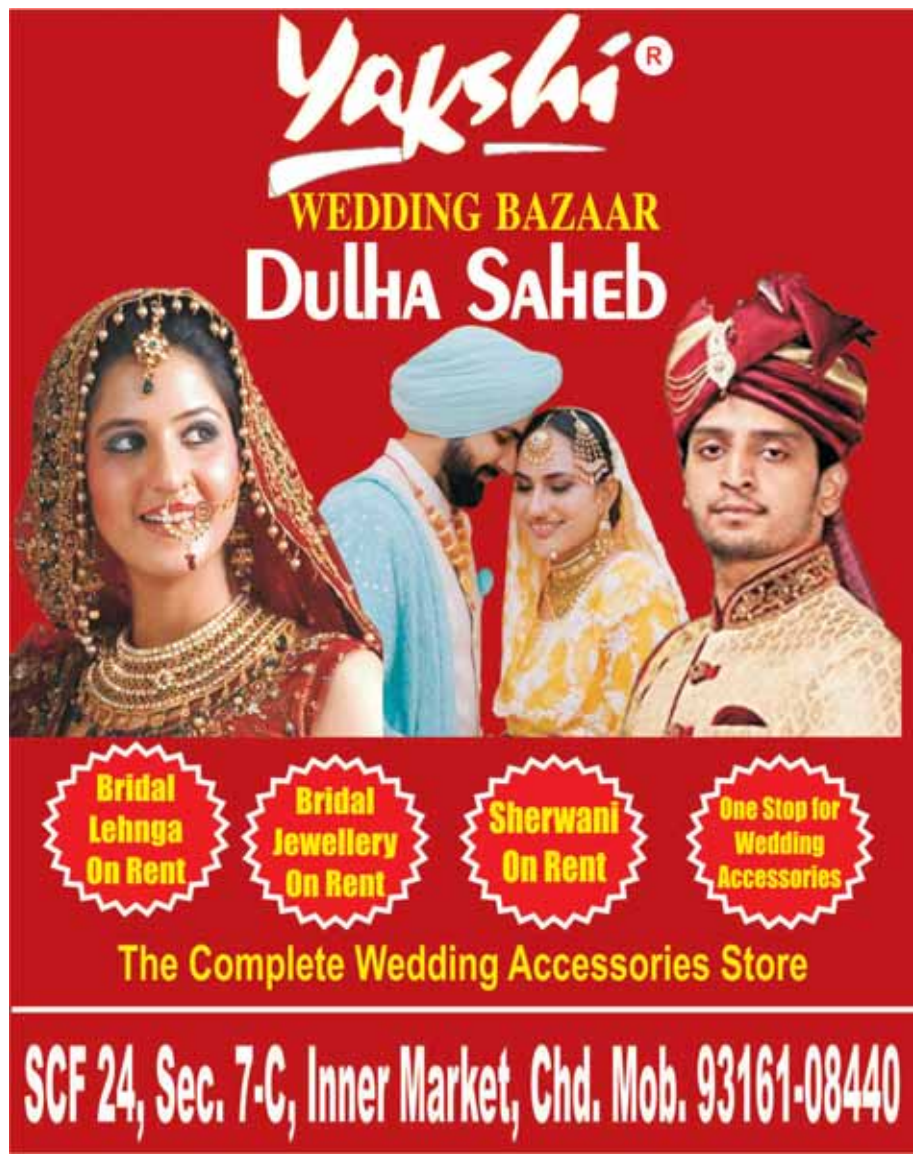

मध्य रात्रि सोसाइटी में घुस रहे थे चार युवक निवासियों ने रोककर किया पुलिस के हवाले

अर्थ प्रकाश/संदीप सिंह बावा

जीरकपुर, 29 अप्रैल। ढकोली क्षेत्र में स्थित वेलिंगटन हाइट्स 2 नमक सोसाइटी में बीती रात करीब 2:00 बजे संदिग्ध परिस्थितियों में चार युवकों ने घुसने की कोशिश की वह चारों युवक दो गाड़ियों में सवार होकर आए थे जिनमें से एक गाड़ी टैक्सी नंबर थी और दूसरी गाड़ी टेंपेसी नंबर की थी। इस संबंधी जानकारी देते हुए वेलिंगटन हाइट्स 2 सोसायटी की अध्यक्ष सुनीता डोगरा ने बताया के हमारी सोसाइटी में किसी फ्लैट में शिफ्टिंग हो रही थी जैसे ही सामान शिफ्ट करने वाली गाड़ी सोसाइटी में आई उसके साथ ही दो अन्य गाड़ियां भी गेट के अंदर आ गई जिन्हें सिक्योरिटी गार्ड ने रोक कर पूछताछ की तो उसे कुछ संदिग्ध लगा तो उसने तुरंत सोसाइटी के अन्य लोगों को बुला लिया जिसमें सोसाइटी की अध्यक्ष सुनीता डोगरा, महासचिव राहुल तथा अन्य लोग मौके पर पहुंच गए और उन चार लोगों से पूछताछ करने लगे तो उन्होंने बताया कि वह जिओ कंपनी से आए हैं और सोसाइटी में इंटरनेट की स्पीड चेक करने के लिए उनकी ड्यूटी लगी है लेकिन वह अपनी कोई पहचान नहीं बता पाए जिसके चलते सोसाइटी निवासियों द्वारा पुलिस को मौके पर बुला लिया गया। ढकोली पुलिस द्वारा उनको अपने साथ ले जाया गया। उन्होंने बताया कि पुलिस द्वारा उन्हें अपने स्तर पर ही छोड़ दिया गया और छोड़ते समय हमारी सोसाइटी के किसी भी पदाधिकारी को मौके पर नहीं बुलाया। उन्होंने कहा कि पहले भी हमारी सोसाइटी के आसपास कई घटनाएं हो चुकी है लेकिन इस क्षेत्र में कोई पुलिस की पेट्रोलिंग नहीं की जाती। हमारी सोसाइटी के साथ ही आर्मी एरिया भी पड़ता है। देश में चल रहे हालातो के मध्य नजर किसी भी संदेश को ऐसे सोसाइटी में घुसने देना सुरक्षित नहीं है। उन्होंने कहा कि पहले वह लड़के अपने आप को बता रहे थे कि वह जिओ कंपनी से आए हैं लेकिन उसके बाद कभी कुछ और कभी कुछ कहने लगे और फिर उन्होंने कहा कि वह एवी टेलीकॉम की तरफ से आए हैं जिन्होंने जिओ की फ्रेंचाइजी ले रखी है।

हमने थाने में लाकर लड़कों के कागजात चेक किया जिसमें पता चला कि वह लड़के जिओ कंपनी की ही किसी अन्य कंपनी में काम करते हैं जिनके नाम अमित, टॉक्स तथा शगुन है और उनके साथ सुनील कुमार तथा नवरोज नमक दो ड्राइवर थे जो के दिन तथा रात में इंटरनेट की स्पीड की जांच का काम करते हैं। हमने पूछताछ करने के बाद उन्हें सही पाया और छोड़ दिया।

–बलजीत सिंह
जांच अधिकारी थाना ढाकोली।

अर्थ प्रकाश न्यूज पेपर्स के लिए मालिक, मुद्रक एवं प्रकाशक महावीर जैन द्वारा 'अर्थ प्रकाश प्रेस' से मुद्रित एवं प्रकाशित तथा अर्थ प्रकाश कार्यालय अर्थ प्रकाश भवन, सैक्टर 29-डी, चण्डीगढ़ से जारी। प्रधान सम्पादक : **महावीर जैन,** सम्पादक एवं मुख्य संवाददाता **कैलाश चन्द जैन**
आर.एन.आई. पंजीक्रम : **42427/86** डाक पंजीक्रम : **G/CHD/0197/2021-23** फोन : 0172-2652743, 2638515, फैक्स 2653533 E-mail : arthparkash@gmail.com, arthparkashnews@gmail.com मुख्य सलाहकार : **हरीश चंद्र जैन,** एचसीएस (सेवानिवृत्त)